हरियाणा विधान सभा

की

कार्यवाही

24 अगस्त, 2012

खण्ड 2, अंक 1

अधिकृत विवरण

विशय सूची

भाुक्रवार 24, अगस्त 2012

	पृश्ट संख्या
पार्टी का नाम तथा पार्टी के चिह्न के स्कार्फ पहनने का मामला उठाना	(1)1
वाक आऊट	(1)16
भाोक प्रस्ताव	(1)16
स्थगन प्रस्ताव का मामला उठाना	(1)27
तारांकित प्र न एवं उत्तर	(1)28
बैठक का स्थगन	(1)30
तारांकित प्र न एवं उत्तर (पुनराम्भण)	(1)31
बैठक का स्थगन	(1)32
तारांकित प्र न एवं उत्तर (पुनरारम्भण)	(1)33
मुख्य संसदीय सचिव श्री जयवरी सिंह के विरूद्ध धमक एव दुर्व्यवहार करने का मामला उठाना/बैठक का स्थगन	(1)34

नियम 45(1) के अधीन सदन की मेज पर रखे गए तारांकित प्र नों के लिखित उत्तर	(1)35
अतारांकित प्र न एवं उत्तर	(1)60
मुख्य संसदीय सचिव श्री जयवीर सिंह के विरूद्ध धमकी एवं दुर्व्यवहार करने का मामला उठाना (पुनरारम्भण)	(1)80
वाक आउट	(1)94
ध्यानकर्शण प्रस्तावः–	
मारूति सुजूकी के मानेसर प्लांअ में हिस्सा से संबधित	(1)96
वक्त्वयः–	
उपरोक्त ध्यानकर्शण प्रस्ताव के संबंध में	(1)100
वाक आउट	(1)109
घोशणाएंः–	
(क) अध्यक्ष महोदय द्वारा–	(1)109
चेयरपर्सनज के नामों की सूची	
अनुपस्थिति के संबंध में	

(ख) सचिव द्वारा	(1)110
कार्य सलहाकार समिति की पहल रिपोर्ट	(1)110
(i) सदन की मेज पर रखे गये कागज–पत्र	(1)112
(ii) वि ोशाधिकार मामले के संबंध में वि ोशाधिकार समिति का	(1)114
प्रारंभिक प्रतिवेदन प्रस्तुत करना तथा अंतिम प्रतिवेदन प्रस्तुत करने के लिए समय बढ़ाना	(1)114
(i) श्री ओम प्रका ा चौटाला, एम.एल.ए. के विरूद्ध	
(ii) श्री ओम प्रका ा चौटाला, एम.एल.ए. के विरूद्ध	
(iii) श्री ओम प्रका ा चौटाला, एम.एल.ए. के विरूद्ध	
(iv) श्री ओम प्रका ा चौटाला, एम.एल.ए. के विरूद्ध	
(i) श्री ओम प्रका ा चौटाला, एम.एल.ए. के परिवार क न्यासो/सोसाइटियों द्वारा की गई अनियमिताओं की जांच करने के लिए सदन की समिति का प्रारंम्भिक प्रतिवेदन प्रस्तुत करना तथा अंतिम प्रतिवेदन प्रस्तुत के लिए समय बढाना	(1)119

हरियाणा विधान सभा

भुक्रवार, 24 अगस्त, 2012

विधान सभी की बैठक, हरियाणा विधान सभी हाल, विधान भवन, सैक्टर–1, चण्डीगढ़ में 2.00 बजे मध्याह्न हुई। अध्यक्ष (श्री कुलदीप भार्मा) ने अध्यक्षता की।

पार्टी का नाम तथा पार्टी चिह्न के स्कार्फ पहनने का मामला उठाना

श्री रणदीप सिंह सुरजेवालाः अध्यक्ष महोदय, इससे पहले कि भाोक प्रसताव भुरू करें मै आपका ध्यान एक अति महत्वपूर्ण तत्य की ओर आकर्शित करना चाहता हूं। कि इस हाउस की कुछ मर्यादायें है जिनके तहत कोई भी विधान सभा सदस्य अपनी पार्टी के झण्डे का नि ाान, नाम और उसकापटाक पहनकर हाउस मे ंनही आ सकता। जो इंडियन ने ालन लोग दल के माननीय सदस्य है वे इंडियनने ानल लोक दल के चुनाव चिन्ह 'च में क नि ाान' के पटके पहनकर याहं आये हैं इस बारें में पार्लियामैट्री कंवै ान यह रही है कि कोई भी सदस्य अपनी पार्टी का नि ाान पहनकर हाउस मे ंनही आ सकता। स्पीकर सर, यदि इस हाउस में कांग्रेस पार्टी के सदस्य, बी.जे.पी. के सदस्य और इण्डिन ने ालन लोकदल सहित दूसरी पर्टियां क सदस्य अपनी अपनी पार्टी के झण्डे और पटके पहनकर आयेगे तो इससेहाउस की मर्यादा भंग होती है। मै आपको रिक्वैस्ट करना चाहता हूं कि

आप इंडियन ने ानल लोकदल के सदस्यों को अपनी पार्टी के चुनाव नि ाान और नाम लिखे पटके उतारने क लिए अपनी व्यवस्ाा दें।

Mr. Speaker: You kindly quote the rule.

श्री रणदीप सिंह सुरजेवालाः अध्यक्ष महोदय, जो कौल एण्ड भाकघर है वह पार्लियामैट्री कंवै ांज है। Houses are run more by conventions than by specific rigid rules. Sir, it is specifically written in the Book "Practice and Procedure of Parliament" written by Kaul and Shakdher that-

"Beside keeping it parliamentary conventions and etiquettes', Members are forbidden to display flags and emblems on their seats in the House."

(Interruption) Sir, I pass on the book to you.

Mr. Speaker: This is also emblem.

Sh. Randeep Singh Surjewala: Speaker Sir, this is not in good taste. My learned friends in their public rallies can have their parties' flags and emblems. But this is not done in the House. House has certain conventions.

Mr. Speaker: Emblem is strictly prohibited in the House.

Sh. Randeep Singh Surewala: Sir, Convention has to be hounoured.

Mr. Speaker: Under the rules, it is not permitted.

Sh. Randeep Singh Surewala: Sir, my learned friend should know that conventions run legislatures procedure.

Mr. Speaker: You have to follow the conventions also.

श्री भोर सिंह बड़ ाामी: स्पीकर सर, इस संबंध में आप हमें रूल बात दीजिए, हम अभी ये ऐम्बलम एतार देगे। अगर यह हमारे रूल में नही है तेा आप इसे इंक्लूड करे।

श्री अध्यक्ष: बड़ ाामी जी, हम आपको कोट करके ही बता रहे है।

श्री भोर सिंह बड़ ाामी: स्पीकर सर, पिछले सत्र में कमेटी कठन क मुद्दे पर मैने यहां पर कॉल एण्ड भाकधर के बारें में जितनी भी कंवै ांज दी थी उनमें से आपने एक को भी मान्यता नही दी थी बलिक यहां पर मेरा मजाक किया गया था कि मै यह किताब कहा से ले आया? यह वही किताब है। (ाोर एवं व्यवधान)

Sh. Randeep Singh Surjewala: Sir, I have already quote the relevant portion of the book, Sir, bothe the parliament and Legislatures are run more on conventions than by specific rigid rules. (Interruption) They are sacrosanct. (Interruption) They have to be honored. My learned friends can raise any humbler flags', as many symbols as they want in public rallies but here have to maintain dignity of the House because this House is supreme. (Interruption) They have to

take care of the honour of the House, conventions' of the House and prestige of the House.

Mr. Speaker: Barshmi ji, It is mentioned in the conventions.

श्री भोर सिंह बड़ ाामी: स्पीकर सर, मै आपसे प्री कर रहा हूं लेकिन जब मैने सेम बुक से कंवै ाज आपको दिखाई थी तो आपने एक भी नही मानी थी (ाोर व व्यवधान)

Sh. Randeep Singh Surjewala: What is the relevance of the same as it is not the subject matter are the current issue? (Noise & Interruption)

श्री भोर सिंह बड़ ाामी: स्पीकर सर, आपके कोई जजमैट उस मुद्दे पर नही दी थी। (ाोर एवं व्यवधान)

Sh. Randeep Singh Surjewala: Sir, what relevance has their objection is relation to the current issue in question. (Noise & Interruption)

श्री अध्यक्ष: ये आपके एम्बलम्ज है, बैजिज है, फ्लैग है, पार्टी का नि ाान है It is strictluy prohibited in this House.

Sh. Randeep Singh Surjewala: Sir, this is Legislature. This is not Indian National Lok Dal's office.

श्री भोर सिंह बड़ ाामी: स्पीकर सर, हाउस चलाने के लिए रूल्ज ऑफ प्रोसीजर की किताब बनाई गई हैं आप इस बारें में इसमं मै ान करे।

Mr. Speaker: This is also a book form which I am reading.

श्री भोर सिंह बड़मा ीः स्पीकर सर, यह किताब हमें भी दो।

Mr. Speaker: It is mentioned in the book. Conventions you can't read.

Sh. Randeep Singh Surjewala: Sir, it is not a party's office. (Interruption)

श्री अध्यक्षः इसके अलावा इसमें और भी बहुत सी चीजें है। (ाोर एवं व्यवधान)

श्री भोर सिंह बड़ ाामीः स्पीकर सर, इसी हाउस के अन्दर पहले इस किताब की एक भी बात मान्यता नही दी गई थी।

Sh. Randeep Singh Surjewala: Sir, what relevance does it have?

श्री अध्यक्षः बड़ ाामी जी, आपने क्या कहा था?

श्री भोर सिंह बड़ ाामीः स्पीकर सर, मैने यह कहा था कि जो मैटर सब–ज्युडि है उसके ऊपर कोई चर्चा नही होनी चाहिए और उसे ऊपर कोई कमेटभ नही बननी चाहिए लेकिन आपने एक भी बात को ामन्यता नही दी थी। आज आप उसी कॉल एण्ड भाकदर को पूरी तरह से मान्यता देकर आप हमे बैन कर रहे हो। अगर ऐी बात है तेा आज रूल्ज में इसको मै ान करे।

श्री अध्यक्षः बड़ ाामी जी, क्या आपने इस बुक को कोट किया था।

श्री भोर सिंह बड़ ाामीः जी सर।

Mr. Speaker: You had quoted from this book and in the same book it is mentioned that you cannot wear emblems.

श्री भोर सिंह बड़ ाामीः स्पीकर सर, आपने माना कहा था? (ाोर एवं व्यवधान)

श्री अ ाोंक कुमार अरोड़ाः स्पीकर सर,..... (विध्न)

श्री राम पाल माजराः स्पीकर सर.....(विध्न)

श्री भोर सिंह बड़ ाामीः स्पीकर सर..... (विध्न)

Mr. Speaker: Please speak one member at a time. (Noise & Interruption) Yes, Mr. Ajay Singh Chautala, I allow you to speak.

डॉ० अजय सिंह चौटालाः आप लोगों का ध्यान समस्याओं से, मुद्दों से हटाने की कोि ा ा कर रहे है। (ाोर एवं व्यवधान)

(इस समय इंडियन नै ानल लोकदल के सभी सदस्य अपनी सीटों पर खड़े होकर बोलने लगे।)

Sh. Randeep Singh Surjewala: Sir, may humble request is, that this is not the office of Indian National Lok Dal. This is the legislature of the state of Haryana. They are Hon'ble Members and they should remove their pattas.

श्री अध्यक्षः आप इनको रिमू कर लीजिए। चौटाला साहब ने नही पहना। वे बहुत ही सीनियर आदमी है वे पार्टी का सिम्बल व पटका नही डालकर आये क्योंकि उनको पता है कि यह गलत है। (ाोर एवं व्यवधान)

डॉ० अजय सिंह चौटालाः अध्यक्ष महोदय, हम तो आपको फोलो कर रहे है आप चूंकि काला कोट पहनकर आये हो इसलिए हम ये काले बिल्ले लगा कर आये है। आपका सिर भार्म से झुक गया है कि हरियाणा प्रदे ा में जिस प्रकार के कांड निरन्तर होत जो रहे है उनसे पूरा हरियाणा प्रदे ा भार्मसार है (ाोर एवं व्यवधान)

श्री अध्यक्षः चौटाला जी, आप यह बात नही सकते। (ाोर एव व्यवधान)

श्री रणदीप सिंह सुरजेवालाः अध्यक्ष महोदय, एक छोटे से मुद्दे के ऊपर आपकी रूलिंग बाकी है (ाोर एवं व्यवधान)

श्री ओम प्रका ा चौटालाः अध्यक्ष महोदय, सरकार ऐसे चरित्रहीन लोगों को प्रोटैक्ट कर रही है। (ाोर एवं व्यवधान)

श्री अध्यक्षः आप मुझे कह रहे हो, मेरा सिर भार्म से क्यों झुकेगा? (ाोर एवं व्यवधान)

श्री ओम प्रका ा चौटालाः आप हाउस के कस्टोडियन हो, आपकी जिम्मेदारी बनती है (ाोर एवं व्यवधान)

श्री अध्यक्षः मेरे खिलाफ कोई केस दर्ज नही है और नही मै चार्जसीटेड हूं और न ही मै अदालते फेस कर रहा हू। इसलिए आप इन भाब्दों का विड्रा कर लीजिए। (ाोर एवं व्यवधान)

श्री ओम प्रका ा चौटालाः हम अपना सिम्बल लेकर आये है तब भी आपको ऐतराज है। (ाोर एवं व्यवधान)

श्री अध्यक्षः चौटाला जी, आप खुद यह पार्टी सिम्बल और पटका पहन कर नही आये क्योंकि आप प्रोसीजर को फोलों कर रहे हो। (ाोर एवं व्यवधान)

श्री ओम प्रका ा चौटालाः अध्यक्ष महोदय, हमें तो आज भार्म महसूस हो रही है इदसलिए काले बिल्ले लगाकर आये हैं आपको भार्म महसूस हाती है इसलिए आप काला कोट पहन कर आये है लेकिन इन * * *

Mr. Speaker: Nothing is to be recorded. (ाोर एवं व्यवधान)

श्री नरे ा कुमार बादली: अध्यक्ष महोदय, काली पट्टी लगाने से ये हरि ाचन्द्र नही बन जायेगे। (ाोर एवं व्यवधान)

Sh. Randeep Singh Surjewala: He has to apologize to the House Sir, ये ऐसा कैसे कह सकते है। (ाोर एवं व्यवधान)

श्री अध्यक्ष: चौटाला जी आप अपने भाब्द वापस ले लीजिए।

श्री रणदीप सिंह सुरजेवाला: सर, ये ऐसी भाब्दावली का ईस्तेमाल कैसे कर सकते है? (ाोर एवं व्यवधान)

श्री ओम प्रका ा चौटाला: अध्यक्ष महोदय * * *

Mr. Speaker: Nothing is to be recorded. (Interruption)

Sh. Randeep Singh Surjewala: No Sir, this will not be permiteed. this is not the way this House will be run. (Interruption) सर उनको माफी मांगनी पड़ेगी। वे इस प्राकर की भाब्दावली सदस्यों के साथ इस्तेमाल नही कर सकते। (ाोर एवं व्यवधान) He has to apologize. Sir my humbe request is that the Leader of the Opposition has to apologize for the kind of intemperate language that he is using. (interruption)

श्री नरे ा कुमार बादली: अध्यक्ष महोदय, क्या काले बिल्ले लगाने से इनके काल कारनामे खत्म हो गयेत्र इनके खिलाफ मुदमें फाईल हुये है, ये भ्रश्टाचार में घांसे पडत्रे हैं इनको

हाउस से माफी मांगनी चाहिए। चौटाला साहब को इस्तीफा देने चाहिए ओर हाउस से माफी मांगनी चाहिए। इनका पूरा परिवार भ्रश्टाचार में घंसा पड़ा है। (ाोर एवं व्यवधान)

श्रीमती भाकुन्तला खटकः अध्यक्ष महोदय, इन्हें इस बात के लिए माफी मागनी चाहिए। (ाोर एवं व्यवधान)

श्री जयवीर सिंहः अध्यक्ष महोदय, इनको अपने भाब्द वापस लेने चाहिए। (ाोर एवं व्यवधान)

Sh. Randeep Singh Surjewala: The leader of opposition should apologize for this. (ाोर एवं व्यवधान)

श्री नरे ा कुमारः अध्यक्ष महोदय, क्या काली पट्टी लगानेसे इनके काले कारनामें खत्म हो जायेगे? (ाोर एवं व्यवधान)

श्री अ ाोक कुमार अरोड़ाः अध्यक्ष महोदय, आज का दिन इस विधान सभा के इतिहास में सबसे दु:खद दिनप है कि सत्ता पक्ष भाोक प्रसताव भी नही पढ़ सका और ाोर मचा रहा हैं हमारे जो साथी, जो लाग, जो स्वतंत्रता सेनानी तथा भाहीद हमें छोड कर चले गये और हम उनको याद करने की बजाय यहां पर भाोर मचा रहे हैख इससे ज्यादा भार्म की कोई और बात नही हो सकती। (ाोर एवं व्यवधान)

Sh. Randeep Singh Surjewala: Speaker Sir, Leader of Opposition has to apologize for the interoperate language

has has used against the Members of this House. (Interruption)

श्री भूपेन्द्र सिंह हुड्डा: अध्यक्ष महोदय, यह बड़ी मामली सी बात थी। हमने आपेस रूलिंग के लिए आग्रह किया है कि ये पार्टी का सिम्बल या पटका पहनकर आ सकते है या नही। आप अपनी रूलिंग दे दीजिए ताकि भाोक प्रस्ताव भाुरू हो। इसमे भाोरगुल करने की क्या बात है? We are waiting for your ruling. (Interruption)

Mr. Speaker: Ruling is as per Parliamentary Practice and Procedure. You cannot wear them. (Interruption) मेरे से पूछकर ली है। (ाोर एवं व्यवधान)

श्री अ ाोक कुमार अरोड़ा: अध्यक्ष महोदय, इसका मतलब यह नही है कि जिनको श्रद्धांजलि देनी है आप उनको ही भूल जाएं। (ाोर एवं व्यवधान)

श्री अध्यक्ष: आप प्लीज इन सिंबलों को रिमूव कर दीजिए। आप प्लीज पार्टी के किसी भी सिंबल को नही पहन सकते। (ाोर एवं व्यवधान)

श्री रणदीप सिंह सुरजेवाला: अध्यक्ष महोदय, यह इनका क्या रवैया हे? क्या ये लोग हाउस को इंडियन ने ालन लोक दल का कार्यालय बनाना चाहते है? (ाोर एवं व्यवधान)

श्री अध्यक्षः प्लीज आप इसको रिमूव कर दीजिए। पार्टी के किसी भी सिंबल को सदन मे ंनही पहन सकते। (ाोर एव व्यवधान)

श्रीमती अनीता यादवः अध्यक्ष महोदय, अगर इनकी चली तो ये लोग इसी तरह से यह अपने कार्यकर्त्ताओं को भी हाउस के अन्दर बुला लेगे। (ाोर एवं व्यवधान)

श्री ओम प्रका ा चौटालाः अध्यक्ष महोदय, यदि आप रिमूव करने के लिए रूंलिग लिखित में लेकर आयेगे तो हम इनको रिमूव कर देंगे। इसे पहले रूल में लेकर आओ।(ाोर एवं व्यवधान)

Mr. Speaker: This is ruling. (Interruption)

श्री ओम प्रका ा चौटालाः अध्यक्ष महोदय, नही–लही अभी यह रूल में नही हैं पहले इसको रूल में लेकर आओ। (ाोर एवं व्यवधान)

श्री रणदीप सिंह सुरजेवालाः सर, इनको मालूम होना चाहिए कि आपकी रूलिंग रूल से बड़ी है। (ाोर एव व्यधान)

श्री ओम प्रका ा चौटालाः अध्यक्ष महोदय, पहले इसको रूल में लेकर आओ। (ाोर एवं व्यवधान)

श्री अध्यक्षः मैन रूलिंग ही दी है। speaker can make a ruling. As per ruling you cannot wear this. (Interruption)

श्री रणदीप सिंह सुरजेवालाः अध्यक्ष महोदय, आपने एक बार रूलिंग दे दी है और आपकी रूलिंग रूल से बड़ी है। (ाोर एवं व्यवधान)

श्री अध्यक्षः मैने व्यवस्ाि दे दी है कि आप इनको नही पहन सकते। (ाोर एवं व्यवधान)

श्री औम प्रका ा चौटालाः अध्यक्ष महोदय, यह रूलिंग नही हैं यह ठीक है कि आप लॉ ग्रैज्यूएट हो लेकिन यह रूलियंग नही है पहले रूलिक रूल मं ले आईये फिर हम उसको मान लेगे। (ाोर एवं व्यवधान)

श्री अध्यक्षः मैने व्यवस्थादे दी है कि आप इसको नही पहन सकते। (ाोर एवं व्यवधान)

श्री रणदीप सिंह सुरजेवालाः सर, आपने जब एक बार रूलिंग दे दी हैं That is a rule of the house. (Interruption)

श्री अध्यक्षः चौटाला साहब, जब रूलिंग आ चुकी है तो इसमें आपका क्या ऑब्जैक ान है। (ाोर एवं व्यवधान)

श्री ओम प्रका ा चौटालाः अध्यक्ष मोदय, नही–नही रूलिंग रूल में आएगी तब हम मान लोगे। (ाोर एवं व्यवधान)

श्री अध्यक्षः मैने रूलिंग दे दी है। (ाोर एवं व्यवधान)

श्री ओम प्रका ा चौटालाः अध्यक्ष महोदय, इसमे व्यवस्था का प्र न ही नही है, रूलिंग का प्र न है। (ाोर एवं व्यवधान)

श्री रणदीप सिंह सुरजेवालाः अध्यक्ष महोदय, यह आप इनको बात दीजिए कि रूलिंग ही व्यवस्था होती है। (ाोर एवं व्यवधान)

श्री अध्यक्षः मैने रूलिंग दे दी। इसेा आप पहन नही सकते। आपने ठीक किया है। कि आप आपने नही पहना। (ाोर एवं व्यवधान)

श्री ओम प्रका ा चौटालाः आप रूलिंग दे दीजिए तह हम उसको फोलो करेगे।

श्री अध्यक्षः मैने रूलिंग दे दी हं इसको आप पहन नही सकते। आपने ठीक कियाकि नही पहना। आप अपनी पार्टी के दूसरे सदस्यों को भी यह समझा दीजिए (ाोर एवं व्यवधान)

श्री औम प्रका ाः अध्यक्ष महोदय नही–नही आप रूलिंग दीजिए तब हम फोलो करेगे।(ाोर एवं व्यवधान)

श्री अध्यक्षः मैने रूलिंग दे दी है। It is ruling. (Interruption)

श्री रणदीप सिंह सुरजेवालाः अध्यक्ष महोदय, रूलिंग ही व्यवस्था होती है आप आदरणीय चौटाला साहब को यह बता

दीजिए कि रूलिंग को हिन्दी में व्यवस्था ही कहते है। Speaker Sir, You have given a ruling. (Interruption)

श्री ओम प्रका ा चौटाला: अध्यक्ष महोदय, नही–नही रूलिए दो। (ाोर एवं व्यवधान)

श्री भोर सिंह बड़ ाामी: सर, आप रूलिंग दीजिए।(ाोर एवं व्यवधान)

श्री अध्यक्ष: बड़ ाामी जी, आप लोग छोअी सी बात पर क्यों अड़े हुए हो? (ाोर एवं व्यवधान)

श्री रणदीप सिंह सुरजेवाला: अध्यक्ष महोदय,यह सदन है, यहां सबों अपनी हद में रह कर बात करनी चाहिए। बड़ ाामी जी, आप भी सही बात करे। सदन में गुण्डागर्दी नही चलेगी। हम यहां सिकी को गुण्डागर्दी से डरने वाले नही है। (ाोर एवं व्यवधान)

श्री अध्यक्ष: मैने रूलिंग दी है कि आपन अपने–अपने ऐम्बलम का रिमूव कर लीजिए। (ाोर एवं व्यवधान)

श्री भोर सिंह बड़ ाामी: अध्यक्ष महोदय, यह कौनसी किताब में लिखा है। (ाोर एवं व्यवधान)

श्री अध्यक्ष: मैने रूलिंग दे दी। Speaker can give ruling. (Interruption)

श्री ओम प्रका ा चौटाला: अध्यक्ष महोदय, ऐसे नही होता। पहले इसको रूल में लेकर आओ। कायदे कानून लिखित में माने जाते हैं आप इसका लिखित में ले आओं फिर हम इसको फोलों करेगे। (ाोर एवं व्यवधान)

श्री अध्यक्ष: मैने रूलिंग दे दी। It is a ruling (Interruption)

श्री ओम प्रका ा चौटाला: अध्यक्ष महोदय, नही–नही जुबानी नही मानी जाएगी किताब में जब प्रिंट हो जाएगी तब हम मान लेगे। (ाोर एवं व्यवधान)

श्री अध्यक्ष: ये रूलिंग मैने दी है। Alright, I willl dicate order . (Interruption)

श्री ओम प्रका ा चौटाला: अध्यक्ष महोदय, नही–नही आर्डर से काम नही चलेगा। आप लिखित में रूलिंग लेकर आओं। आपकों किताब में लिखनी पड़ेगी। (ाोर एवं व्यवधान)

श्री अध्यक्ष: आपको व्यवस्था नही चाहिए, आपको रूलिंग नही चाहिए और आपको क्या चाहिए। आप जरा सी बात पर सारे हाउस को डिस्टर्ब कर रहे है। (ाोर एवं व्यवधान)

श्री ओम प्रका ा चौटाला: अध्यक्ष महोदय, इस तरह से थोड़ा होता हैं आ रूलिंग लेकर आओं फिर उसको फोलो करेगे। (ाोर एवं व्यवधान)

श्री अध्यक्ष: आप जरा सी बात अड़े हुए हो। (ाोर एवं व्यवधान)

श्री ओम प्रका ा चौटाला: अध्यक्ष महोदय, आप वजिद क्यों हो रहे है। (ाोर एवं व्यवधान)

श्री अध्यक्ष: बाजिद तो आप हो रहे हो जरा सी बात पर भी आप इसको रिमूव कर लीजिए।(ाोर एवं व्यवधान)

श्री ओम प्रका ा चौटाला: अध्यक्ष महोदय, हम आपकी बात को मान लेगे। लेकन तब मानेगे जब आप इसको रूल में लेकर आओंगे। लिखित में लो आओं हम मान लेगे। (ाोर एवं व्यवधान)

Mr. Speaker: When speaker says it is a ruling. (Interruption)

श्री ओम प्रका ा चौटाला: अध्यक्ष आप हाउस की परमि ान से रूलिंग ला सकते है। वैसे नही लासकते। (ाोर एवं व्यवधान)

Sh. Randeep singh Surjewala: Sir, ruling of the Speaker is as good as the ruling of procedure and conduct in

Haryana Legislature Assembly. You have given your ruling. They should remove them, Sir. (Interruption)

Mr. Speaker: How much time it will take? (interruption) To give ruling do I need a permission of the House? आप कहना चाह रहे है कि मुझे कोई भी रूलिंग लाने के लाने के लिए हाउस की परमि ान लेनी पड़ेगी। (ाोर एवं व्यवधान)

श्री ओम प्रका ा चौटालाः अध्यक्ष महोदय, आप इसमें बहस क्यो कर रहे हो। (ाोर एवं व्यवधान)

श्री अध्यक्षः चौटाला साह, बहस तो आप कर रहे है। आप अपनी पार्टी के सदस्यों को बोल दीजिए कि वे इसको रिमूव करें। (ाोर एवं व्यवधान)

श्री ओम प्रका ा चौटालाः अध्यक्ष महोदय, जब आप निर्णय देगे तभी तो माना जाएगा।(ाोर एवं व्यवधान)

श्री अध्यक्षः मैने निण्रय दे दिया है। (ाोर एवं व्यवधान)

श्री ओम प्रका ा चौटालाः अध्यक्ष महोदय, नही–नही निर्णय जुबानी नही माना जाएगा, लिखित में दो तब हम मानेगे। (ाोर एवं व्यवधान)

श्री अध्यक्षः स्पीकर का निर्णय हाउस में जुबानी ही होता है। Ruling of the Speaker i orailuy also.

श्री ओम प्रका ा चौटालाः अध्यक्ष महोदय, जुबानी नही होता जो रूल्ज कि किताब दिखाई जा रही है। वह लिखित में है या जुबानी है? आपकी रूलिंग जुबानी है जब लिखित में आ जाएगी तब हम माने लेगे। (ाोर एवं व्यवधान)

श्री अध्यक्षः मै भी रूल की किताब से कोट कर रहा हू। (ाोर एवं व्यवधान)

श्री ओम प्रका ा चौटालाः अध्यक्ष महोदय, रूल कि किताब तो हमने भी पढ़ी थी तब आपने नही माना था। (ाोर एवं व्यवधान)

श्री अध्यक्ष पार्लियामैट्री प्रोसीजर मे आप लोग ही मैन् ान करते रहे है। (ाोर एवं व्यवधान)

श्री ओम प्रका ा चौटालाः अध्यक्ष महोदय, इसमे बहस की तो बा ही नही हैं आप लिखित में रूलिंग दो हम माल लेगे। (ाोर एवं व्यवधान)

श्री अध्यक्षः चौटाला साहब, बहस कौन का रहा है? मैने तो रूलिंग दे दी है। (ाोर एवं व्यवधान)

Sh. Randeep Singh Surjewala: Sir, the ruling of the speaker is final. (Interruption)

श्री अध्यक्षः जुबानी कैसे नही मानी जाएगी। We Will do taht. For the present. your mayplease remove them. Rule 120 of the Rules of Procudure and Conduct of Business in the

Haryana Legislative Assembly says that all matters not specifically provided in these rules and all euqxdtios relating to the detailed working of these rules shall be regulated in such manner as the speaker may from time to time direct.

Rule 120 clearly says that I can make a ruling an I have made a ruling. आप रिमूव करो। (ाोर एवं व्यवधान)

श्री भोर सिंह बड़ ागमीः अध्यक्ष महोदय, आप लिखित में क्यों नही लेकर आते। अध्यक्ष महोदय, आप यह रूलिंग लिखित में लेकर आयें नही तो अगले सै ान में फिर व्यवधान डालेगा। (ाोर एवं व्यवधान)

Mr. Speaker: Speaker can make a rule any time. (Interruption)

श्री भोर सिंह बड़ ागमीः अध्यक्ष महोदय, मै चैलेंज नही कर रहा हूं। मै तो सुजे ान दे रहा हू। सर, सुजै ान देने का मेरा राइट बनताहै। (ाोर एवं व्यवधान)

Mr. Speaker: Do you challenge the authority of the Speaker? (Interruption)

Sh. Barshammi: Not at all, Sir I am not challenging your authority? (Interrution)

Mr. Speaker: You are doing that. (Interruption)

Sh. Barshamm: I am just suggesting. Sir. (Interruption)

Mr. Speaker: I am asking your to remove your al lpattas. (Interruption)

श्री भोर सिंह बड़ ाामी: अध्यक्ष महोदय, मै सिर्फ सुजै ान दे रहा हूं जो आपने बोला मैने अच्दे से सुन लिया हैं और समझ भी लिया है। (ाोर एवं व्यवधान)

श्री अध्यक्ष: आप अपने पट्टे रिमूव कर लीजिए। (ाोर एवं व्यवधान)

श्री भोर सिंह बड़ ाामी: सर, आगे से लिटीगे ानको रोकने के लिए इसको रूल बुक में लेकर आईए। (ाोर एवं व्यवधान)

श्री अध्यक्ष: आप लिटीगे ान जहां करना चाहे कर लेकिन Rule 120 clearluy says I cannot make a ruling and I have made a ruling. So, you may remove all your pattas. (Interruption) प्लीज चौटाला जी आप बैठै–बैठे ना बोलिए। यह परमीटेड नही है। (ाोर एवं व्यवधान)

श्री भूपेन्द्र सिंह हुड्डा: अध्यक्ष महोदय, यह तो आपने बता ही दिया कि स्पीकर की जो रूलिंग होती हैं वह बाइडिग होती है जाकि बिल्कुल ठीक बात है और रही बात इसे रूल्ज में लाने की जैसाकि हमारे अपोजिशन के मैम्बर आगे भी कर रहे है ते हरियणा विधान सभा की रूल्ज कमेटी है उसमें यह लोग भी सदस्य है, उसमें सुझाव देकर रूल बनवाये जा सकते है। They can put the suggestionin Rules Committee. (Interruption)

श्री अ ाोक कुमार अरोड़ाः स्पीकर सर, रूल्ज कमेटी में तो इस बारें में कोई डिस्कान ही नही हुई हैं यह मामला तो हाउस में आया है।

श्री अध्यक्षः अरोड़ा जी, चौटाला साहब ने तो यह कहा कि स्पीकर को रूलिंग की कोई पावन नही है। I have read out the rule to you मैने कहा कि स्पीकर को रूलिंग की पावर होती है। औरआप इस पार्टी सिंबल वाले पटके को रिमूव कर लीजिए तो बताये इसमें कौन सी बड़ी बात है? (ाोर एवं व्यवधान) I am giving you ruling. (Interruption)

श्री अ ाोक कुमारा अरोड़ाः स्पीकर सर, आप तो सत्ता पक्ष के कहने पर चल रहे हो?

श्री अध्यक्षः अरोड़ा जी, अगर कोई मेरे को प्वायंट आउट करेगा तो यह मेरी ड्यूटी बनीत है कि मै उस पर गौर करू।

श्री अ ाोक कुमार अरोड़ाः स्पीकर सर, प्वायंट आउट तो आप भी कर सकते हो।

श्री अध्यक्षः अरोड़ा जी, मैने प्वायंट आउट किया है। आप इसको बहस का मुद्दा क्यो बनी रहे हो? आपके पास बहस करने के लिए बहुत कुछ है। Please remove all your pattas. (interruption)

श्री ओम प्रका ा चौटाला: स्पीकर सर, जब यह पट्टा पिछली बार लगाया गयाथा तब तो अपने इस बात को नही माना था?

डॉ० अजय सिंह चौटाला: स्पीकर सर, क्या आपको हमारे झंडे से डर लग रहा है?

श्री अध्यक्ष: अजय जी, मै इस झंडे को फेस करके ही आज इस सीट पर बैठा हूं। इस झंडे से निपटने के बाद ही यहां बैठा हू। (ाोर एवं व्यवधान) झंडे से निपटकार ही यहा इस सीट पर आया हूं।

श्री ओम प्रका ा चौटाला: स्पीकर सर, जब पिछले सै ान में भोर सिंह जी नकहा था तो आपने इस बात को नही माना था?

श्री अध्यक्ष: चौटाला साहब, आप किस बारें मे बात कर रहे है?

श्री भोर सिंह बड़ ाामी: स्पीकर सर, उस वक्त मैने कॉल एण्ड भाकधर को कितनी ही कंवै ान्जस आपके सामने दी थी आपने उनमे ंसक एक को भी नही माना?

श्री अध्यक्ष: आपने उनाके मिस–अंडरस्टैड किया था। क्या आप यह समझते है कि आप मुझ कोई भी बात कहे और मै उसे मान लूं?

Sh. Randeep singh Surjewala: Speaker Sir, do those conventins have any relevnce to the current controversy? (Interruption)

डॉ0 अजय सिंह चौटालाः स्पीकर सर, हिन्दुस्तान की पालियामैन्ट में भी आप देखे कि सारे कांग्रेसी पटका पहनकर आते है। भारतीय जनता पार्टी के सदस्य भी पटका डालकर आते हैं

श्री अध्यक्षः अजय जी, यह लोग पार्टी का सिंबल पहनकर नही जाते बल्कि पटके पहनकर जाते हैं पार्टी का सिंबल सदन मै नही पहना जा सकता, यह बात नियमावली में साफतौर से लिखी गई है।

डॉ0 अजय सिंह चौटालाः स्पीकर सर, सत्ता पक्ष के लोगां के कहने से इस सदन का जरूरी वक्त खरबा कर रहे हो तथ अहम मुद्दों परस ध्यान भटकाने की कोि ा ा कर रहे हो? (ाोर एवं व्यवधान) आप इन लोगों को कहे कि जरूरी मुद्दों पर आये।

Mr. Speaker: Ajay Ji, your are csting aspersio on the Chair. आप पहले इन पट्टो का रिमूव कर लीजिए। (ाोर एवं व्यवधान)

श्री रणदीप सिंह सुरजेवालाः स्पीकरसर,आपकी रूलिंग न मानकर यह लोग सदन का समय बर्बाद कर रहे है। (ाोर एवं व्यवधान) आलरेडी श्री अ ाोक अरोड़ा जी जो इस सदन के पूर्व स्पीकर भी और इस पार्टी के अध्यक्ष भी है उन्हाने भी यह बात

मान ली है कि सदन मे ंपार्टी सिंबल का पटका पहनकर नही आया जा सकता। (ाोर एवं व्यवधान)

Mr. Speaker: Nothing is to be recoded. (Interruption). I have given a ruling that you remove these pattas. आप इसका रिमूव कीजिए।

श्री राम पाल माजराः स्पीकर सर, हरियाणा विधान सभा का जो रूल्ज ऑफ प्रोसीजर है उसमें निर्दे ा दिये गये है कि सदन के अंदर कोई मैंबर टेलीफोन नही जा सकता तथा बैग नही ला सकता परइसमें यह कही भी लिखा है कि कोई मैम्बर अपने साथ पटका सदन के अन्दर नही ला सकता।

Mr. Speaker: Majra ji, only with permission of the Chair.

श्री राम पाल माजराः स्पीकर सर, रूल्ज ऑफ प्रोसीजर में जो मैम्बर्स के लिए दि ाा निर्दे ा दिये गये है। आप उनकों ओवर रूल करके, एक नई बात भ्ाुरू कर रहे है। कंवै ान के हिसाब से तो सबसे पहले ऑबीच्यूरी रिफ्रैंसेज होने चाहिए थे जिसे आपने तोड़ दिया ओर पार्लियामेंट अफेयर्स मिनिस्टर ने आकर अपनी बात कहनी भ्ाुरू कर दी।

श्री अध्यक्षः माजरा जी, मै ओवर रूल नही कर रहा हूं। I have the power to make rules and I made a rule. आप लोगों ने भी अपनी बात कही हे ओर आप अब भी अपनी बात कर रहे हो। (ाोर एवं व्यवधान)

श्री राम पाल माजराः स्पीकर सा, टरबन पहनना एक मैम्बर का फडामैटल राईट ह, कपडे पहनना फंडामैंटल राइट है ओर आप उसका आवेररूल कर रहे है?

श्री अध्यक्षः माजरा जी, जो आप यहां सदन में पट्टों पर पार्टी सबिल लगाकर आये हो कया यह फडामैटल राईंट है? सदन के अन्दर कोई सदस्य कपड़द्ये पहन सकता है, टरबन पहन सकता है लेकिन पार्टी का सिंबल लगा हुपटका या कअन्य कोई चीज नही पहन सकता।

श्री राम पाला माजराः स्पीकर सर, कल को तो आप हमारे कपड़े ीाी उतरवाओंगे तेा वह हम कैसे उतारेगे? (ाोर एवं व्यवधान)

डां0 अजय सिंह चौटालाः स्पीकर सर, आपके हेाते हुए परंमराओं और मर्यादाओं की बात की गइ लेकिन आज इस सदन की सीाी परंपराओं मयर्चादाओ ंको तोड़ा गया। * * * *

Mr. Speaker: Nothing is to be recorded.

Sh. Randeep Singh Surjewala: I take very strong objection to what Sh. Ajay Singh Chautalal has said (Interruption). You have giving a ruling Sir. ONce you have given a ruling that has to be implemented. We should proceed further (Interruption) स्पीकर सर, आपकी रूलिंग को न मानकार और भाोक प्रस्ताव को चलने देकर ये लोग भाहीदों केा अपमान कर रहे है। (ाोर एवं व्यवधान)

Smt. Kiran Chaudhary: Speaker Sir, this is an established convention that nothing that bears the symbol can be brought into any august House. This convention is in all the Assesmblies all over the country alongwith the Parliament.

श्री अध्यक्षः देखो माजरा जी ने भी पटका छिपा लिया है आप लोग भी प्लीट इसे हटा लीजिए। यह अच्छा नही लगता। (ाोर एवं व्यवधान) आप लोग इस पार्टी सिंबल से युक्त पटके को चहे अपने सीनमें रखा, चाहे जेब में रखों पर प्लीट यहां से रिमूव कर लीजिए। (ाोर एवं व्यवधान)

डॉ0 अजय सिंह चौटालाः स्पीकर सरर, मै बोल रहा हूं, मुझे अपनी बात कह लेने दो। मुझे अपनी बात कहने का अधिकार है। आज इसमहान सदन का न केवल समय बर्बाद किया जा रहा है बल्कि उन परंपराओं ओर मर्यादाओं को ताक पर रखकर के हमारी भाहीदों ओर सम्मानीय सदस्यो को अपमानित करने का काम किया जा रहा है। (ाोरएवं व्यवधान)

श्री रणदीप सिंह सुरजेवालाः स्पीकर सर, ऑन एं प्वायटं ऑफ आर्डर लीडर ऑफ द हाउस भाोक प्रस्ताव लाना चाहता हे लेकिन यह लोग जानबूझकर सदन का समय नश्ट कर रहे है। अध्यक्ष महोदय, क्या आपकी रूलिंग मानी जा रही है। आप देखिए इस हाउस की परंपराए कौन तोड़ रहा है? अजय जी, आप लोग इस महान सदन की परंपराये तोड़ रहे हैं जो भाोक प्रस्ताव नही लाने दे रहे है। (ाोर एवं व्यवधान)

श्री अध्यक्षः अजय जी, आप कमाल की बात कर रहे हो। जब मैन आपकेापटका रिमूव करने को कहा तो क्या आपने सदन की परंपराओं का निर्वहनकिया। जब मै आपसे कह रहा हूं कि इन पट्टो को आप रिमूव कर दीजिए जो आप कर दीजिए। (ोर एवं व्यवधान)

डॉ अजय सिंह चौटालाः अध्यक्ष महोदय, * * *

श्री नरे ा कुमार बादलीः अध्यक्ष महोदय, * * *

श्री अध्यक्षः जो भी सदस्य मेरी अनुमति लिए बगैर बोल रहे है वह रिकार्ड न किया जाए। (ाोर एवं व्यवधान)

श्री ओम प्रका ा चौटालाः ध्यक्ष महोदय, आप बोलने की परमी ान किसी को देत हो बौर बोलने के लिए बची में ओर कोई खड़ा हो जाता है। अध्यक्ष महोदय, * * *

श्री अध्यक्षः चौटाला साहब, आप भी बगैर अनुमति लिए बोल रहे है। (ाोर एवं व्यवधान)

श्री अ ाोक कुमार अरोड़ाः अध्यक्ष महोदय * * *

श्री राम पाल माजराः अध्यक्ष महोदय, * * *

श्री अध्यक्षः आपकों भी यह सोचना चाहिए कि जब चौटाल साहब बोल रहे हो तो तब तो कम से कम आप लोगों को बैठ जाना चाहिए।

श्रीमती अनीता यादवः अध्यक्ष महोदय,

श्री अध्यक्षः जो भी ासदस्य मेरी परमी ान लिए बगैर बोल रहे है वह रिकाड्र न किया जाए। अब भी श्री ओम प्रका ा चौटाला बोलेगे।

श्री ओम प्रका ा चौटालाः अध्यक्ष महोदय, हाउस की यह परम्परा रही है ओर उसके मुताबिक आज सबसे पहले भाहीदों को सम्मान करनाचाहिए था, लेकिन आज इस सदन मे ंसारी व्यवस्थाओं को ताड़ दिया गया और इस पर भ आपत्ती थी कि हमने वहां कह दिया कि आप इसहाउस में इसबारें में रूलिंग ले आए, हम उसका फोलो करेगे।

श्री अध्यक्ष रूलिंग तो मैने दे दी हैं। I can give ruling.

श्री ओम प्रका ा चौटालाः क्या मै आपस ेसवाल पूछ सकता हूं कि सर्वप्रथम उन भाहीदों को सम्मान प्रदान करना जरूरी नही था? आज तक के इतिहास में ऐसा कभी नही हुआ है कि भाोक प्रस्ताव से पहले इस तरह की बात हो जाए।

श्री रणदीप सिंह सुरजेवालाः अध्यक्षम महोदय, लीडर ऑफ दि हाउस सदन में भाोक प्रस्ताव लेकर भाोक प्रकट करने के लिए तैयार बैठै है। (ाोर एवं व्यवधान)

Mr. Speaker: It is the request form the Chair and you should abide by it. इस सदन के अध्यक्ष के नो में आपसे कह

रहा हूं कि आप इस पट्टी को रिमूव कर दिजिए क्या आपने मेरी बात मानी है? If your have any respect for the Chair then you should remove it.

श्री अ ाोक कुमारः अगर यही रवैया है ता हम इस रवैयके के विरोध में सदन से वाक आउट करते है।

(इस समय सदन में उपस्थित इंडियन नै ानल लोकदल के सीाी सदस्य एवं ि ारोमीण अकाली दल के एक मात्र सदस्य उने द्वारा पहने गए पाटी नि ाान एवं नाम द्वारा प्रदि ात पट्टी ओर काली पट्टी अध्यक्ष महोदय द्वारा हटवाये जाने के सदर्भ में दी गई रूलिंग के विरोध में सदन से वाकआउट कर गए)

भाोक प्रस्ताव

Mr. Speaker: Hon'ble Members, ow the chief Minister will make the obitary refereces.

मुख्यमंत्री (श्री भूपेन्द्र सिंह हुड्डा): अध्यक्ष महोदय, पिछले सत्र ओर इस सत्र के दौरान हमारे बीच में से बहुत सारी विभूतियां, जिनमें राजनेता, स्वतंत्रता सेनानी, दे ा भक्त, समाज सेवी, बड़े–बड़े महानुभाव और हमारे दे ा की सीमाओं की रक्षा करने वाले सैनिक भाामिल है, वे हमें छोड़कर चले गयेहै। वे जिस रिक्ति को छोड़कर गए है उसकी क्षेतिपूर्ति असंम्भव है। उन सबको श्रद्धांजलि अर्पित करने के लिए मै सदन की ओर से यह भाोक प्रस्ताव प्रस्तुत करता हूं:–

श्री विलासराव दे ामुख, केन्द्रीय मंत्री

यह सदन केन्द्रीय मंत्री श्री विलासराव दे ामुख के 14 अगस्त, 2012 को हुए आकस्मिक निधन पर गहरा भाोक प्रकट करता है।

श्री विलासराव दे ामुख का जन्म 26 मई, 1945 को हुआ। उन्होने अपने राजनैतिक जीवन की भाुरूआात एकस सरपंच के रूप में कीतथा बाद मे ंवे मुख्य मंत्री एवं केन्द्रीय मत्री के पद तक पहुंचे। वे पांच बार वर्श 1980, 1985, 1990, 1999 तथा 2004 में महाराश्ट्र विधान सभा के सदस्य चुने गए। वे वर्श 1982–85 के दौरान महाराश्ट्र मंत्रिमण्डल में राज्य मंत्री तााि वर्श 1986 से 1995 तक कैबिनेट मंत्री रहे। उन्हें महाराश्ट्र मंत्रिमण्डल मे ंमें रहते हुए कृशि, ग्रामीण विकास, परिवहन, ि ाक्षा, तकनीकी ि ाक्षा, सहकारिता, उद्योग, खेल एवं युवा कल्याण, संसदीय मामले तथा डेरी विकास एवं मत्स्य जैसे महत्वपूर्ण विभाग सम्भालने का गौरव हासिल हुआ। वे पहली बार अक्तूबर 1999 से जनवरी 2003 तक तथा दूसरी बार नवम्बर 2004 से दिसम्बर 2008 तक महाराश्ट्र के मुख्यमंत्री रहे।

वे अगस्त 2009 तथा मार्च 2012 में राज्य सभा के सदस्य चुने गए तथा केन्द्रीय मी बने। उनहें केन्द्रीय मंत्रिमण्डल में भारी उद्योग, विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी, ग्रामीण विकास तथा पंचायती राज जैसी महत्वपूर्ण मंत्रालय सम्भालने का सौभाग्य प्राप्त हुआ।

उनके निधन से दे ा एक अनुभवी राजनीतिक, प्रखर राजनेता एवं कु ाल प्र ाासन की सेवाओं से वंचित हो गया हैं। यह सदन दिवंगत के भाोक–संतप्त परिवार के सदस्याओं के प्रति अपनी हार्दिक संवेदना प्रकट करताहै।

श्री लछमनण दास अरोड़ा, हरियाणा के भूतभूर्व मंत्री

यह सदन हरियाणा के भूतपूर्व मंत्री श्री लछमनण दास अरोड़ा के 5 जून, 2012 को हुए दु:खद निधन पर गहरा भाोक प्रकट करता है।

उनका जन्म 13 अक्तूबर, 1932 को हुआ। वे पांच बार वर्श 1967, 1982, 1991, 2000 तथा 2005 में हरियाणा विधान सभा के सदस्य चुने गए। वे वर्श 1982–87 के दौरान हरियाणा मंत्रिमण्डल में राजय मंत्री तथा वर्श 1991 से 1996 तक वे 2005 से 2009 तक कैबिनेट मंत्री रहे। उन्हें मंत्रिमण्डल में रहते हुए उद्योग, खनन एवं भू–विज्ञान, आबकारी एवं कराधान, भाहरी विकास, औद्योगिक प्र ि ाक्षण एवं व्यावसायिक ि ाक्षा, तकनीकी ि ाक्षा, राजस्व तथा पर्यटन जैसे महत्वूर्ण विभाग सम्भालने का गौरव हासिल हुआ।

वे मृदुभाशी एवं मिलनासार प्रवृत्ति के व्यक्ति थे तथा जनसाधारणस प्रत्यक्ष रूप से जुडे हुए थे। वे एक निश्ठावान सामाजिक कार्यकर्त्ता थे जो समाज के कमजोर एवं गरीब वर्ग के

लोगों के कल्याण के लिए सदैव समर्पित रहे तथा उनके उत्थान के लिए अथक प्रयास किए।

उनके निधनसे राजय एक अनुभवी विधायक, कु ाल प्र ाासक एवं निश्ठावान सामाजिक कार्यकर्त्ता की सेवाओं से विंचत हो गया है। यह सदन दिवंगत के भाोक–संत्प्त परिवार के सदस्यों के प्रति अपनी हार्दिक संवदेना प्रकट करताहै।

श्री राम भजन अग्रवाल, हरियाणा के भूतपूर्व राज्य मंत्री

यह सदन हरियाणा के भूतपूर्व राज्य मंत्री श्री राम भजन अग्रवाल के 30 जुलाई, 2012 को हुए दु:खद निधन पर गहरा भाोक प्रकट करता हैं

उनका जन्म 15 अक्टूबर, 1925 को हुआ। वे वर्श 1991 तथा 1996 में हरियाणा विधान सभा के सदस्य चुने गए। वे वर्श 1997 से 1999 तक हरियाणा मंत्रिमण्डल में पयटन एवं गृह राज्य मंत्री रहे। वे सादगी की प्रतिमूर्ति तथा अग्रवान समाज के एक प्रतिश्ठित नेता थे। वे अनेक सामाजिक, धार्मिक एवं भौक्षणिक संस्थाओं से जुडे हुए थे तथा उन्होने जीवनपर्यन्त समाज के गरीब वर्गो के उत्थान के लिए अथक प्रयास किएं

उनके निधन से रज्ञज्य एक अनुभवी विधायक एवं कु ाल प्र ाासन की सेवओं से वंचित हो गया हैं। यह सदन दिवंगत के भाोक–संतप्त परिवार के सदस्यों के प्रति हार्दिक संवेदनाप्रकट करता है।

श्री टेक चन्द नैन, हरियाणा के भूतपूर्व राज्य मंत्री

यह सदन हरियाणा के भूतपूर्व राज्य मंत्री श्री टेक चन्द नैन के 14 अप्रैल, 2012 को हुए दु:खद निधन पर गहारा भाोक प्रकअ करता है।

उनका जन्म 1939 में हुआ। वे वर्श 1987 में हरियाणा विधान सभा के सदस्य चुन गए। वे वर्श 1990 के दौरान हरियाणा मंत्रिमंडल में राज्य मंत्री तथा 1988 से 1990 तक हरियाणा राज्य कृशि विपणन बोर्ड के चेयरमैन रहे। वे एक निश्ठावान सामाजिक कार्यकर्त्ता थे।

उनके निधन से राज्य एक योग्य विधायक एंवं कु ाल प्र ाासक की सेवओं से वंचित हो गया है। यह सदन दिवंगत के भाोक–संतप्त परिवार के सदस्यों के प्रति अपनी हार्दिक संवेदन प्रकट करता हैं

रूस्तम–ए–हिन्द दारा सिंह, भूतपूर्व संसद सदस्य

यह सदन भूतपूर्व संसदसदस्य श्री दारा सिंह के 12 जुलाई, 2012 को हुए दु:खद निधन पर गहारा भाोक प्रकट करता हैं

उनका जन्म 19 नवम्बर, 1928 को अमृतसर जिले के धरमूचक्क गांव में हुआ। उन्होने कु ती के अखाड़े से लेकर फिलमों तक ओर छोटे पर्दे से लेकर राजनीति के क्षेत्र तक

कामयाबी ओर भाोहरत हासिल की। वे दे ा के ऐसे पहले खिलाड़ी थे, जिन्हे वर्श 2003 में राज्य सभा के सदस्य के रूप में मनोनीत किया गया तथा राश्ट्र की सेवा करने का गौरव हासिल हुआ।

उन्होने रामायण धारावाहिक में हनुमान का किरदार निभाया। अपने प्रभाव ाली किरदार के कारण वे जन–जन के लोकप्रिय बन गए तथा लोगों के दिलों पर छा गए। उन्होने कु ती के क्षेत्र में वि ोश महारत हासिल की ओर 500 से अधिक राश्ट्रीय एवं अन्तर्राश्ट्रीय स्तर की प्रतियोगिताओ ंमें अपनी काबलियत को लोहा मनवाया। खेल के क्षेत्र में कामयाबी के कारण ही उन्हें रूसतम–ए–न्दि ओर रूस्तम–ए–पंजाब जैसे ीउपालिधयों से नवाजा गया।

उनके निधन से दे ा एक राजनीतिज्ञ, अन्तर्राश्ट्रीय खिलाड़ी एवं सुप्रसिद्ध अभिनेता की सेवाओं से वंचित को गया है। यह सदन दिवंगत के भाोक–संतप्त परिवार के सदस्यों के प्रति अपनी हार्दिक संवेदना प्रकट करता है।

श्री राजे ा खन्ना, भूतपूर्व संसद एवं सुप्रसिद्ध फिल्म अभिनेता

यह सदन भूतपूर्व संसद सदस्य एवं सुप्रसिद्ध फिल्म अभिनेता श्री राजे ा खन्ना के 18 जुलाई, 2012 को हुए दुःखद निधन पर गहरा भाोक प्रकअ करता है।

उनका जन्म 29 दिसम्बर, 1942 को अमृतसर जिले में हुआ। वे वर्श 1992 से 1996 तक लोक सभा के सदस्य रहे। उनहौने अपना फिल्मी जीवन वर्श 1966 मे फिल्म ''आखिरी खत'' से भुरू किया व 180 से अधिक फिल्मों में अभिनय किया तथा अनेक फिल्मों का सफल निर्दे ान करके द र्किों को मनोंरजन किया। उनहोने लगातार 15 हिट फिल्में दी तथा हिन्दी सिनेमा जगत के पहल सुपर स्टार बने।

उन्हें अनेक पुरस्कारों से अलंकृत किया गया, जिनमें फिल्म फेयर बैस्ट एक्टर अर्वार्उ, वर्श 1995 में कला रत्न अर्वार्ड तथा वर्श 2005 में फिल्म फेयर लाईफ टाइम अचीवमैंट अवार्ड भाामिल है।

उनके निधन से दे ा एक प्रशर सांसद सुप्रसिद्ध अभिनेता की सेवओं से वंचित हो गया है। यह सदन दिवंगत के भाोक–संतप्त परिवार के सदस्यों के प्रति अपनी हार्दिक संवेदना प्रकट करता हैं

श्री हामिद हुसैन, हरियाणा विधान सभा के भूतपूर्व सदस्य

यह सदन हरियाणा विधान सभा के भूतपूर्व सदस्य श्री हामिद हुसैन के 19, अगस्त, 2012 को हुए दु:खद निधन पर गहरा भाोक प्रकट करता हैं

उनका जन्म पहली जनवरी, 1949 को हुआ। उन्होने अपनी राजनैतिक जीवन की भुरूआत एक सरपंच के रूप में की

तथा वे अनेक वर्शों तक गांव रेहना के निर्विरोधर सरपंच चुने जाते रहे। वर्श 2000 से 2005 तक हरयिाणा विधान सभा के सदस्य रहे। वे वर्श 2003 से 2008 तक वक्फ बोर्ड के चेयरमैन रहे। उनकी ि ाक्षा में गहरी रूचि थी ओरमेवात क्षेत्र में ि ाक्षा को बढ़ावा देने के लिए उनहोने सतत् प्रयास किए। उन्होने वक्फ बोर्ड की ओर से मेवात के गांव पल्ला में एक इन्जीनियरिंग कालेज की स्थापना करवाई

उनके निधन से राज्य एक योग्य विधायक एवं कुशल प्र ाासक की सेवाओं से वंचित हो गया है। यह सदनदिवंगत के भाोक–संतप्त परिवार के सदस्यों के प्रति अपनी हार्दिक संवेदना प्रकट करता हैं

हरियाणा के स्वतन्त्रता सेनान

यह सदन उन महोन श्रद्धेय स्वतन्त्रता सेनानियों के निधर पर गहरा भाोक प्रकट करता है, जिन्होने राश्ट्र की समर्पण भाव से सेवा करते हुए दे ा की आजादी के संघर्श में अपना अमूल्य योगदान दिया और मातृभूमि की अस्मिता ओर गौरव को बनाए रखने के लिए कठोर यातनाएं सही।

इन महान स्वतन्त्रता सेनानियों के नाम इस प्रकार हैः–

1	श्री पूर्णचन्द आजाद, रोहतक

2	श्री सोमनाथ मिड्डा, कुरूक्षेत्र
3	श्री धर्म सिंह, गांव बरोदा, जिला सोनीपत।
4	सरदार बचन सिंह, गांव पिलखनी, जिला अम्बाला।
5	श्री लक्ष्मी चन्द, गांव मोकलवास, जिला गुड़गांव
6	श्री सुखन लाल, गांव तिगांव, जिला फरीदाबाद।
7	श्री भूप सिंह, गांव जावा, जिला भिवानी।
8	श्री रामकरण, गांव बारवास, जिला भिवानी।
9	श्री बलबीर सिंह, गांव अचीना, जिला भिवानी।
10	श्री बलवन्त सिंह, गांव अखत्यारापुरा, जिला भिवानी।
11	श्री सुखलाल, गांव काकड़ौली हट्टी, जिला भिवानी।
12	श्री दीपचन्द, गांव जाखौदा, जिला झज्जर।
13	डॉ0 ताराचन्द, गांव बादली, जिला झज्जर।

14	श्री सुल्तान सिंह, गांव गिरधरपुर, जिला झज्जर।
15	श्री मातादीन, गांव धनौदा, जिला महेन्द्रगढ़।
16	श्री टेक राम, गांव बारड़ा जिला महेन्द्रगढ़।
17	श्री सुलतान राम, गांव तोताहेड़ी, जिला महेन्द्रगढ़।
18	श्री नंदलाल, गांव जुगलान, जिला कैथल
19	श्री धनपाल हुड्डा, गांव रूड़की, जिला रोहतक।
20	श्री राणा जंगीर सिंह, गांव फरल, जिला कैथल।
21	श्री मंगतुराम, गांव हांसाका, जिला रेवाड़ी।

हम इन महान् स्वतन्त्रता सेनानियों के सदैव ऋणी रहेगे। यह सदन इन श्रद्धेय स्तन्तत्रता सेनानियों को भात्– ात नमन करता हैं और इने भाोक संतप्त परिवारों के सदस्याअें के प्रति अपनी हार्दिक संवेदना प्रकट करता हैं।

हरियाणा के भाहीद

यह सदन उन वीर सैनिकों को अपना अश्रुपूर्ण नमन करता है, जिन्होने मातृभूति की रक्षा तथा दे ा की एकता एवं अखण्डता को बनाए राने के लिए उदम्य साहस, वीरता ओर भौर्य का परिचय देते हुए, अपने जीवन का सर्वोच्च बलिदार दिया।

1	आनरेरी लैफ्टिनैंट फूल सिंह,गांव मिसरी, जिला भिवानी
2	हवलदार रोहता ा सिंह, गांव भागवी, जिला भिवानी
3	हवलदार कैला ा चन्द्र, गांव राजगढ़, जिला भिवानी
4	हवलदार कृश्ण कुमार, गांव राताकला, जिला महेन्द्रगढ
5	हवलदार राज सिंह, गांव जोनावास, जिला महेन्द्रगढ
6	हवलदार कृश्ण कुमार, गांव खैरोली, जिला महेन्द्रगढ़
7	हवलदार सुमेर सिंह, गांव मानेसर, जिला गुडगांव
8	हवलदार अनिल, गांव टिटाणी, जिला भिवानीं
9	हवलदार हरविन्द्र सिंह, गांव दूबलधन किरमान, जिला झज्जर
10	हवलदार रमे ा चन्द्र, गांव कालवा, जिला जींद।

11	नायक पवन सिंह, गांव सिरसा घोघड़ा, जिला भिवानी
12	नायक ओम प्रका ा, गांव ढिगाना, जिला जींद
13	नायक सन्तलाला, गांव ढाकला, जिला झज्जर
14	लांस नायक राजे ा, गांव घिलौड़ कलां, जिला करनाल
15	लांस नायक संजीव कुमार, गांव जमालपुर, जिला करनाल
16	सिपाही संजय, गांव माजरा दूबलधन, जिला झज्जर
17	सिपाही राके, गांव बुडीन, जिलामहेन्द्रगढ़
18	सिपाही लाल बहादुर, गांव राता खुर्द, जिला महेन्द्रगढ़
19	सिपाही धर्मेन्द, गांव कोरियावास, जिला महेन्द्रगढ़
20	सिपाही रविन्द्र, गांव भगवतीपुर, जिला रोहतक
21	सिपाही गुरविन्द्र पाल, गांव औरंगाबाद, जिला यमुनानगर
22	सिपाही सतनाम सिंह, गांव मिल्क सुखी, जिला

	यमुनानगर

यह सदन इन महान वीरों की भाहदत पर भात्– ात् नमन करता है, जिन्होने दे ा की रक्षा के लिए अदम्य साहब एवं वीरता का परिचय दिया। यह सदन इनके भाोक–संतप्त परिवारों के सदस्यों के प्रति अपनी हार्दिक संवेदना प्रकट करताहैं

सड़क एवं रेल दुर्घटना

यह सदन 30 जुलाई, 2012 को भिवानी जिले के गांव सैनीवास के निकट एक ट्रक एवं कैंटर की भीशण टक्कर में मारे गए श्रद्धालुओं के दु:खद एवं असामायिक निधन पर गहरा भाोक प्रकट करता है।

यह सदन 30 जुलाई, 2012 को ही आंध्र प्रदे ज्ञ के नेल्लौर स्टे ान के निकट तमिलनाडु एक्सप्रैस के डिब्बे में अग लगने से मारे गए यात्रियों के दु:खद एवं असामायिक निधन पर भी गहरा भाोक प्रकट करता है ये दोनों ही ह्रदय विदारक घटनाएं है, जिसने समाज को झकझौर कर रख दिया है।

यह सदन दिवंगतों के भाोक–संतप्त परिवारों के सदस्यों के प्रति अपनी हार्दिक संवेदना प्रकट करताहै। और परमपिता परमात्मा से प्रार्थना करता है कि इन परिवारों को इस दु:ख का सहन करने की भाक्ति प्रदान करे।

यह सदन

केन्द्रीय मंत्री कुमार सैलजा के चाचाा श्री छाजू राम तथा मामी श्रीमती खजानी देवी
विधायक श्री बलबीर पाला ााह की माता श्रीमती भााति देवी
विधायक प्रो0 सम्पत सिंह के पिता श्री रामचन्द्र
विधायक श्री ओम प्रका ा जैन की पत्नी श्रीमती सुदे ा जैन
विधायक श्री आनन्द कौि ा ा की पत्नी श्रीमती कृश्णा देवी
पूर्व मंत्री प्रो0 छतर पाल सिंह की बहन श्रीमती सुधा डागर
पूर्व मंत्री श्री हरि सिंह सैनी के पुत्र श्री सत्येन्द्र सैनी
पूर्व मंत्री श्रीमती भााति राठी के भाई श्री धर्मवरी सिंह
पूर्व मंत्री श्री सुभाश चौधरी के भतीजे श्री सुरे ा कुमार
पूर्व विधायक श्री ई वर सिंह पलाका के पिता श्री कि ानचंद
पूर्व विधायक श्री भगवान सहायत रावत के पिता श्री मुरलीधर
पूर्व विधायक श्री रघु यादव की पत्नी श्रीमती लीला यादव
पूर्व विधायक श्री देव राज दीवान के पुत्र श्री राके ा दीवान तथा

पूर्व विधायक श्री राजेन्द्र सिंह बिसला की मात श्रीमती मेहरबान कौर के दु:खद निधन पर गहारा भाोक कप्रकट करता हैं

यह सदन दिवंगतों के भाोक–संतप्त परिवारों के प्रति अपनी हार्दिक संवेदना प्रकट करता हैं

श्री ओम प्रका ा चौटाला (उचाना): अध्यक्ष महोदय, पिछले अधिकवेशन ओर इस अधिवे ान के बीच में दे ा के कुद महान व्यक्तित्तव ओर हरियाणा प्रदे ज्ञ के अच्छे राजनेता आज हमारे बीच से अगले संसार में चले गए हैं श्री विलास राव दे ामुख, केनद्रीय मंत्री बडत्रे. नेक ओरसज्जन पुरूश थे। मुझे बतौर चीफ मिनिस्टर भी उनसे मिलने का अवसर मिलाहैं वे एक बहुत अच्छे राजनेता थे ओर उनकी एक अच्छी सोच थी। उन्होने अपनी मुख्यमंत्रित्व काल के दौरान अपने प्रदे ा का बहुत अच्छा विकास किया था उनक निधन से आज दे ा एक अनुभवी ओर प्रखर राजनेता एवं कु ाल प्र ाासन की सेवाओं से वंचित हो गया है। मै अपनी तथा अपनी पार्टी की तरफ से दिवंगत के भाोक संतप्त परिवारा के सदस्यों के प्रति हार्दिक संवेदना प्रकट करता हूं।

अध्यक्ष महोदय, श्री लछमन दास अरोड़ा सिरसा के निवासी थे। एक अच्दे राजनेता के तौर पर उनका अपना एक अस्तित्व था किसी राजनीतिक दल की वजह से नही। वे इंडीपैडैंट तौर पर हरियाणा विधान सभा के सदस्य बनते रहे और वे इस मामले में आजीवन सफर रहे। वे एक अच्छे राजनेता ओर मिलनसार प्रवृत्ति के व्यक्ति थे। वे जनसाधारण से प्रत्यक्ष रूप से जुडे हुए थे। वे एक निश्ठाचान सामाजिक कार्यकर्त्ता थै। वे समाज

के कमजार एवं गरीब वर्ग के लोगों के कल्याण के लिए सदैव समर्पित रहे ओर उनके उत्थान के लिए उन्होन आजीवन भरसक प्रयास किए। उने निधर से राज्य एक अनुभवी विधायक, कु ाल प्र ाासन ओर निश्ठावान सामाजिक कार्यकर्त्ता की सेवओं से वंचित हो गया हैं मै अपनी तथा अपनी पार्टी की तरफ से दिवंगत के भाोक संतप्त परिवार के सदस्यों के प्रति हार्दिक संवेदना प्रकट करता हूं।

अध्यक्ष महोदय, श्री राम भजन लाल अग्रवाल हरियाणा प्रदे ा के वजीर भी रहे है। वे एक अच्छे ओर नेक इन्सान थे। वे समाज में पैदा हुए प्रतिश्ठित लोगों में से थे। इसके साथ साथ वे एक अच्छे समाजसेवी भी थे। जब भी उन्हें राजनीति में अवसर मिला तेा उसे दौरान उन्होन अपनी तरफ से ऐसे अच्छे कमा किए जिनकी वजह से प्रदे ा को लाभ मिलता रहा। वे एक अनुभवी विधायक ओर कु ााल प्र ाासक थे। उनके निधन से आज प्रदे ा उनकी सेवओ ंसे वंचित हो गया है। मै अपनी तथा अपनी पार्टी की तरफ से दिवंगत के भाौक संतप्त परिवार के सदस्यों के प्रति हार्दिक संवेदना प्रकट करता हूं।

अध्यक्ष महोदय, श्री टेक चन्द नैन हरियाणा विधान सभा के विधायक रहे है। वे एक अच्छे राजनेता होने के साथ–साथ एक अच्छे समजसेवी भी थे। उने निधन सेयह प्रदे ा एक योग्य विधायक, एक कु ाल प्र ाासन और एक अनुभवी राजनेता की सेवओं से वंचित हो गया है। मै अपनी तथा अपनी पार्टी की तरफ

से दिवंगत के भाोक संतप्त परिवार के सदस्यों को प्रति हार्दिक संवेदना प्रकट करता हूं।

अध्यक्ष महोदय, मै थोड़ा सा आपसे अनुरोध करूंगा कि इसमें थोडी सी तबदीली कर दी जाए कि सरदार दारा सिंह रूस्तक–ए–हिन्दी नही बलि वे रूस्तक–ए–जमा थे। वे न केवल खेल के अनुभवी खिलाडत्री थे बल्किे वे अच्छे राजनेता भी थे। इसके साथ–साथ उन्होन एक अभिनेता के तौर पर भी दे ज्ञ के सम्मान को बढ़ाने में अपनी महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। मेरे उनके साथ बहुत अच्छे व्यक्तिगत रिले ान थे। मैने उनको बहुत नजदीक से देखा है। वे एक बहुत ही नेक इन्सान थे। उनके निधन से दे ा एक राजनीतिज्ञ, अंतर्राश्ट्रीय खिलाड़ी एवं सुप्रसिद्ध अभिनेता की सेवओं से वंचित हो गया है। मै अपनी तथा अपनी पार्टी की तरफ से दिवंगत के भाोक संतप्त पविार के सदस्यों के प्रति हार्दिक संवेदना प्रकट करता हूं।

अध्यक्ष महोदय, श्री राजे ा खन्ना एक अच्छे अभिनेता के तोर उप उभरकर आये। व मुस्तरका पंजाब म ंपैदा हुए थे। उन्होने प्रदे ा और देश में बहत नाम कमाने का काम किया। वे उस युक के सबसे अच्छे अभिनेतओं में भाुमार किए गये हैं उनके निधन से दे ज्ञ एक प्रखर सांसद एवं सुप्रसिद्ध अभिनेता की सेवाओं से वंचित हो गया है। मै अपनी तथा अपनी पार्टी की तरफ से दिवंगत के भाोक संतप्त परिवार के सदस्यों के प्रति हार्दिक प्रकट करता हूं।

अध्यक्ष महोदय, श्री हामिदउ हुसैन हरियाणा विधान सभा के सदस्य रहे और जब पंजाब और हरियाणा वक्फ बोर्ड अलग हुए थे तो उस समय वे 2003 से 2008 तक वक्फ बोर्ड के चेयरमैन भी रहे। उनके प्रयासें से वक्फ बोर्ड की तरफ से मेवात के गांव पल्ला में एक इंजीनियरिग कालेज की भी स्थापना करवाई गई। उने निधन से राज्य एक योगय विधायक एवं कु ाल प्र ाासक की सेवाओं से वंचित हो गया हैं मै आपी तथा अपनी पार्टी की तरफ से दिवंगत के भाोक संतप्त परिवार के सदस्याओं के प्रति हार्दिक संवेदना प्रकट करता हूं।

अध्यक्ष महोदय, आज हमें अपने उन स्वंतत्रता सेनानियों पर नाज हैं जिन्होने अपने जीवन का बलिदान देकर दे ा के सम्मान ओर गौरव को बढ़ाया और हमें स्वेच्छासे आजादी के साथ दे ा में अपना जीवन व्यतीत करने का अवसर प्रदान किया। इस भाोंक प्रस्ताव पुस्तिका में लिखित श्री पूर्ण चन्द आजाद, रोहतक से लेकर श्री मंगतराम, गावं हांसाकाा, जिला रिवाडी तक सभी स्वतंत्रता सेनानियों हो हम नमन करते है हम इन महान स्वंतंत्रता सेनानियों के सदैव ऋणी रहेगे। मै अपनी तथा अपनी पार्टी की तरफ से इन महान स्वतन्त्रता सेनानियों को भात्– ात् नमन करता हूं ओर उने भाोक संतप्त परिवारों के सदस्यों के प्रति हार्दिक संवेदना प्रकट करता हूं।

अध्यक्ष महोदय, हमे हरियणा के भाहीदों पर नाज औार गर्व है। उन महोन एवं वीर सैनिक ने दे ा की सेवा में अपनी

अहम भूमिका निभाई हैं उन्होन वीरता एवं भौर्य का परिचय देते हुए अपने जीवन का सर्वोच्च बलिदान यिा। इस पुसितका में दर्ज आनरेरी लैफ्टिनैंट फूल सिंह, गावं मिसरी, जिला भिवानी से लेकर क्र.सं. 22 परदर्ज सिपाही सतनाम सिंह, गांव मिल्ख सुखी, जिला यमुनानगर तक जितने ीिा नाम दर्ज है मै इन वीर भाहादों की भाहदत पर भात– ात नमन करता हूं जिन्होने दे ा की रक्षा के लिए अदम्य साहस का परिचय देते हुए अपने जीवन का सर्वोच्च बलिदान दिया। मै अपनी तथा अपनी पार्टी की तरफ से भाोक संतप्त परिवारों के सदस्यों के प्रति हार्दिक संवेदना प्रकट करता हूं।

सड़क ऐ रेल दुर्घटना

अध्यक्ष महोदय, 30 जुलाई, 2012 को भिवानी जिले के गांव सैनीवास के निकट एक ट्रक ओर कैटर में भीशण टक्कर की वजह से 31 लेागों की मृत्यु हो गई थी उनमे बेस्तर हरियाणा प्रदे ा के थे तथा ज्यादातर कोयत गां के थे। अध्यक्ष महोदय, मै उनके दाहसंस्कार पर भी गया वहा ंपर बड़ा दर्दनाम नजाराथ। जो कोई भी उस मौके परवहां मौजूद था उन सबकी आंखों में आसू छलक आये। यक एक दु:खद घटना हुई। उनके दु:खदएवं असामाजिक निधन पर मै अपनी तथा अपनी पार्टी की तरफ से गहरा भाोक प्रकट करता हूं तथा भाों संतप्त परिवारों के सदस्यों के प्रति हार्दिक संवेदना प्रकट करता हू।

इसी प्रकार से 30 जुलाई, 2012 को ही आंध्र प्रदे ा के नेल्लौर स्टे ान के निकट तमिलनाडु एक्सप्रैस के डिब्बे में आग लगने से मारे गए यात्रियों के दु:खद एंव असामयिक निधन पर भी मै आनी तथा पअनी पार्टी की तरफ से गहरा भाोक प्रकट करता हूं तथा भाो संतप्त परिवारो के सदस्यों के प्रति हार्दिक संवेदना प्रकट करता हूं।

अध्यक्ष महोदय, हमने पिछले अखबार में पढ़ा था कि मोरनी के टिक्कर ता में चार बच्चे डूब गये थे जो कि नहाने गए थे, मै आपसें अनुराध करूंगा कि उनके नाम भी इस भाोक प्रस्ताव में दर्ज कर एि जाएं इसी तरह से गांव खरक खुर्द, जिला भिवानी के भी 4 बच्चे डूब गए थे। वे बच्चे भी अपनी जीव के सभी सुखों को अनुभव करते लेकिन वे आज हमारे बची मे ंनही है उनके दु:खद एवं असामयिक निधन पर मै अपनी तथ अपनी पार्टी की तरफ से गहरा भाोक प्रकट करता हूं तथ दिवंगतों के भाोक संतप्त परिवारों के सदस्यों के प्रति हार्दिक संवेदना प्रकट करता हूं।

अध्यक्ष महोदय, केन्द्रीय मंत्री कुमारी सैलजा के चाचाा श्री छज्जूराम तथा मामी श्रीमती खजानी देवी, विधायक श्री बलबीर पाल भााह की माता श्रीमती भाांति देवी, विधायक प्रो0 सम्पत सिंह के पिता श्री रामचन्द्र, विधायक श्री ओम प्रका ा जैन की पत्नी श्रीमती सुदे ा जैन, विधायक श्री आनन्द कौि ाक की पत्नी श्रीमती कृश्णा देवी, पूर्व मंत्री प्रो0 छत्तर पाल सिंह की बहन

श्रीमती सुधा डागर, पूर्व मंत्री श्री हरि सिंह सैन के पुत्र श्री सत्येन्द्र सैनी, पूर्व मंत्री श्रीमती भांति राठी के भाई श्री धर्मवीर सिंह, पूर्व मंत्री श्रीसुभाश चौधरी के भतीजे श्री सुरे ा कुमार, पूर्व विधायक श्री ई वर सिंह पलाका केपिता श्री कि ान चन्द, पूर्व विधायक श्री भगवान सहाय रावत के पिता श्री मुरलीधर, पूर्व विधायक श्री रघु यादव की पत्नी श्रीमती लीला यादव, पूर्व विधायक श्री देव राज दीवान के पुत्र श्री राके ा दीवानतथा पूर्व विधायक श्री राजेन्द्र सिंह बिसला की माता श्रीमती मेहरबान कौर के दु:खद निधन पर मै आपी तथा अपनी पार्टी की तरफ से गहरा भाोक प्रकट करता हं तथ दिवंगतों के भाोक संतत्प परिवारों के सदस्यों के पति हार्दिक संवेदना प्रकट करता हूं।

श्री अनिल विज (अम्बाला कैंट): अध्यक्ष महोदय, वैसे तेा जिन्दगी मौत की अमानता हैं इस सृश्टि में जो आता वह जाता जरूर है। 'यद दुश्टिम तत्त निश्टम' लेकिन इस जीवन और मरण के बची में कुछ लोग समय रहते कोई सामाजिक क्षेत्र में तथा कोई राजनीतिक के क्षेत्र में अपना महत्वपूर्ण योगदान दे जो हैं इस सदन की यह परम्परा रही है कि जब भी सदन मिलता है तो सबसे पहले पिछले सदन और इस सदन के बीच मे ंऐसे लोगों को श्रद्धा सुमन अर्पित किए जाते है। आज भी सदन के नेता ने जो भाोक प्रस्ताव प्रस्तुत किया है जिनमें केन्द्रीय मंत्री श्री विलासराज दे ामुख, हरियाणा के भूतपर्व मंत्री श्री लछमन दास अरोड़ा, हरियाणा के भूतपूर्व राज्य मंत्री श्री राम भजन अग्रवाल, हरियाणा

के भूतपूर्व राज्य मंत्री श्री टेक, चन्द नैन, भूतपर्व संसद सदस्या श्री दारा सिंह, भूतपर्व संसद सदस्य एवं सुप्रसिद्ध फिल्म अीिनेता श्री राजे ा खन्ना तथा हरियाणा विधान सभा के भूतपर्वू सदस्य श्री हामिद हुसैन के ओर हरियाणा के स्वतंत्रता सेनानी जिनकी बदौलत हमें आज यह आजादी मिली है ओर हरियाणा के भाहीद जो अपने प्राणों की बाजी लगाकर हमारे दे ा की सीमाओं की रक्षा करते हें उसी प्रकार से भिवानी के निकट जो सड़क दुर्घटना हुई है तथा आंध्र प्रदे ज्ञ मे रेल दुर्घटना हुई है एवं अन्य जिन लोगों के नाम सदन के नेता ने यहां प्रस्तुत किए है मै भी अपनी तथा अपनी पार्टी की तरफ से गहरा भाोक प्रकट करता हूं तथा दिवंगतों के भाोक संतप्त परिवारों के सदस्यों के प्रति हार्दिक संवेदना प्रकट करता हूं। धन्यवाद।

श्रीमती रेनुका बि ानोई (आदमपुर): अध्यक्ष महोदय, जो मुख्यमंत्री जी ने भाोक प्रस्ताव पढ़ा है। मै अपनी तथा अपनी पार्टी के तरफ से उन दिवंगतों के भाोक–संतप्त परिवारो के सदस्यों के प्रति हार्दिक संवेदना प्रकट करती हूं।

Mr. Speaker: Hon'ble Members, I associate myself with the Obituary Refereences made by the Hon'ble Chief Minister and the feelings expressed by other Members of the House.

I deeply feel grived on the sad demise so Sh. Vilasroa Deshukh. Union Minister; sh/ri Lachaman Dass Arora, Former Minister of Haryana: Sh Ram Bhajan Aggarwal,

former Minister of state, Haryan; Sh. Tek Chand Nain, former Minister fo state, Haryana; Rusta-e-Jaman Dara Singh and Sh. Rajesh Khana, former Member of Parliament; Sh. Hamid Hussain, former Member of Haryana Legistative Assembly, all Freedom fighter, Martyrs of Haryan, Innocent persons who lost their lives in a tragic truck and canter accident in Bhiwani District and fire that brke out in Tamil Nadu Express in Andhra Pradesh and relatives of Union Minister, Kumari Shelja, Members of Haryana Vidhan Sabha, Ex-Ministers and Ex-MLAs of Hryana, whose names have been mentioned by the Hon'ble Chief Minister.

Sh. Vilasro Desmukh was elected to the Maharashtra Legislative Assmblyfor five times, He served as minister of state and Cabinet Minister for two times, holding very important portfolios. He also served his tate as Chief Minister twise. He was elected to the Rajya Sabha for two times and as Union Minister held very important portfolios. He was a veteran parliamentarian and administroator with hight qualities.

Sh Lachhman Dass Arora was a great social worker. He was elected tothis House for five times and served the state as Minister fo state and Cabnit Minister for three times. He was an experienced legislator ad Minister.

Sh Ram Bhajan Aggarwal was elected to this House for two times and served the state as Minister of state. He was well-known for his simplicity and social works.

Sh. Tek Chand Nain served as Member of this House and Chairman, Haryana Agricultural Marketing Board and Minister of State. He also a dedicated social worker>

Sh. Dara Singh was a very popular Wrestler and associated with the T.V. as well as Hindi Film industries. He was the first sportsperson of the county, who was nominated for the Rajya Sabha. The nation has lost a sportsman of internation repute and a renowned actor,

Sh. Rajest Khana was well-known asn very popular personality of Indian Film industry. He was super star and everyone know him very well. He also served the nation as Member of Parliament.

Sh. Hamid Hussain was a great committed social worker and he served the state as member of this House.

The Freedom Fighters and Martyrs are the foundation-stone of any civil society and due to their selfless service to the nation they are always remembered by the citizens of the country in a manner to follow their principals of serving thecounty with full dediction.

Many innocent persons have also lost heir lives in Road and Train Tragedy. Tehir deaths have caused irreparable loss to thecounty as well as their families.

Leaders fo the Opposition has pointed out the tragedy fo Tikka Tall in Morni. Four children has lost their lives. Four persons have also lost their lives in village Kharak Khurd, District Bhiwani. They have also been added in the obituary references. Similarly, Sh. Parvinder Pal S/o Sh. Viaj

Pal, Borther-in-Law of Sh. Rao Dan Singh, Chief Parliamentary Secretary. His name has also been assed in the Obituary References.

We have lost ourt many nears and dears and their absence will be fell by all of us for long.

I pray to Almighty to give peace to the departed souls. I will convey the feeling of this House to the beraved families.

Now, I request all of you to kindly stand up to pay homage to the departed souls for two minutes.

(At this state, the House stood up in silence for two minutes as a mark of respect to the deceased.)

स्थगन प्रस्ताव का मामला उठाना

श्री ओम प्रका ा चौटालाः स्पीकर सर, मेरा एक सुझाव है। (विध्न) यह बड़ा महत्वपूर्ण प्र न है। आपसे अनुरोध है कि आप उस पर पहले चर्चा कर ले। (ाोर एवं व्यवधान)

Mr. Speaker: Chautala Ji, after the question hour please. (Interruption)

श्री अनिज विजः स्पीकर सर, मैने काम रोगो प्रस्ताव दिया था, उसका फेट कया है? (ाोर एवं व्यवधान)

Mr. Speaker; Vij Ji, after the question hour please. (Interruption)

श्री ओम प्रका ा चौटालाः स्पीकर सर.....(ाोर एवं व्यवधान)

श्री अध्यक्षः चौटाला साहब, लोग तो प्र नकाल का इंतजारकरते है? (ाोर एवं व्यवधान)

श्री ओम प्रका ा चौटालाः अध्यक्ष महोदय, यह तो एक गलत परम्परा पड़ चुकी है। भाहीदों का सम्मान प्रदान करने की जगह गैर जरूरी मुद्दे उठाये जा सकते है। तो इस प्र न काल को सस्पैंड किया जाए। (ाोसर एवं व्ववधान)

तारांकित प्र न एवं उत्तर

Mr. Speaker: Hon'ble Members, now the question hour. Question hour will not be suspended. Questionhour will go on (Interruption) राम पाल माजरा जी आप प्र न पूछिए।

श्री ओम प्रका ा चौटालाः अध्यक्ष महोदय, हमारा तो बहुत महत्वपूर्ण मसला हैं (ाोर एवं व्यवधान)

श्री अध्यक्षः चौटाला साहब, प्र न काल के तुरन्त बातद आपके महत्वपूर्ण मसले परचर्चा करेगें प्र न काल को सस्पैंड नही किया जा सकता। राम पाल माजरा जी आप अपना प्र न पूछिए। (ाोर एवं व्यवधान)

श्री राम पाल माजाराः स्पीकर सर.....(ाोर एवं व्यवधान)

Industries Minister (Sh. Randeep Singh Surjewala): Speaker Sir, Mr. Ram Pal Majra does not want to ask the question so, we can proceed to the next question. (Interruption)

श्री राम पाल माजराः * * * * (ाोर एवं व्यवधान)

श्री नरे ा कुमार बादलीः * * * * (ाोर एवं व्यवधान)

Mr Speaker: Please ask the question. No to be recorded. Anything which is not regarding the question maynot be noted/recorded. (Interruption)

श्री रणदीप सिंह सुरजेवालाः अध्यक्षम महोदय, हो सकता है कि ये प्र न पूछना ही नही चाहते तो इसलिए आप अगले प्र न पर चलिए। Since he is not asking the question. (Interruption)

श्री अध्यक्षः कर्नल रघुवीर सिंह जी, क्या आप अपना प्र न पूछनाचाहते हो या नही? (ाोर एवं व्यवधान)

श्री राम पाल माजराः स्पीकर सर.....(ाोर एवं व्यवधान)

Mr. Speaker: Not to be recorded. It wi without my permission. Majra Ji, you are standing without my permission. Hon'ble Member please resume your seat. (Interruption) Nothing is to be recorded. (Noise & Interruption)

श्री राम पाल माजराः स्पीकर सर.....(ाोर एवं व्यवधान)

श्री अध्यक्षः माजरा जी, मैने आपको प्र न पूछने के लिए अलाउ किया था आप तो भाशण देने लग गये हो? आप अपना प्र न पूछ रहे है या नही? आप सिर्फ अपना प्र न पूछिए। (ाोर एवं व्यवधान)

श्री राम पाल माजराः स्पीकर सर, * * * (ाोर एवं व्यवधान)

Mr. Speaker; Nothing is to be recorded.

श्री रघुबीर सिंह कादियानः स्पीकर सर, the matter is subjudice और कानून अपना काम कर रहा है तो विपक्ष के लोगों द्वारा इस मैंटर का `लेकर सदन को इस तारह से बाधित करना ठीक नही है। (ाोर एवं व्यवधान)

Mr. Speaker: This is question hour. This is a misconduct.

श्री नरे ा कुमार बादलीः * * *(ाोर एवं व्यवधान)

डॉ0 बि ानलाला सैनीः * * *(ाोर एवं व्यवधान)

श्री रणदीप सिंह सुरजेवालाः अध्यक्ष महोदय, इस तरह से प्र नकाल कैसे चलेगा? (ाोर एवं व्यवधान)

श्री राम पाल माजराः * * *(ाोर एवं व्यवधान)

Mr. Speaker: Nothing is to be recorded.

Cooperation Minister (Sh. Satpal Sangwan): They are shouting, they are standing and they are allowed to speadk anything. (Interruption)

Mr. Speaker: Majra ji, please sit down. (Interruption) I sam asking you please sit down. (Interruption)

श्री राम पाल माजराः स्पीकर सर, * * * (ाोर एवं व्यवधान)

Mr.Speaker: Majar Ji, you are misconduting yourself. Nothig is to be recorded. You are not asked to make a speech. (Interruption) Please sit down. माजरा जी, आप बैठ जाईए, आपने अपना सवाल नही पूछा है। (ाोर एवं व्यवधान)

श्री राम पाल माजराः स्पीकर सर, * * * (ाोर एवं व्यवधान)

बैठक का स्थगन

श्री अध्यक्षः आप लो मिसकंडक्ट कर रहे हैं आप सभी अपनी अपनी सीटों पर बैइ जाए। (ाोर एवं व्यवधान) जो भी मेरी परमी ान के बर्गर बोला जा रहा हे। कुछ भी रिकर्ड नही किया जाए। (ाोर एवं व्यवधान) आप लोग अपनी–अपनी सीटों पर बैठ जाए। जो भी सदस्य अपनी सीट पर बैठकर अपनी बात कहेगा, उसे सुना जायेगा। (ाोर एवं व्यवधान)

श्री रणदीप सिंह सुरजेवाला: अध्यक्ष महोदय, इन्होने विधान सभा के बाहर टैंट लगाया हुआ है। ये आज यहां गलती से आ गए हैं। (ाोर एवं व्यवधान) आज ये वही जाकर के बैठेगे। आज इन्होने सुबह से ही विधान सभा के बाहर टैंट लगा लियाथा। यंहां आने से पहले ही इनकी ये म ाा थी। (ाोर एवं व्यवधान)

Mr. Speaker: Ram pal ji, I am wrning you. (Noise and Interruption). I am warning you, please. (Noise and Interruption) Not to be recorded anying. (Noise and Interuption). Please don't record even singla worl. Please go back to your seats. I am warning all o you. (Noise and Interruption). Please go back to your seats. (Noise and Interruption). अभय जी, आप अपनी सीट पर बैठ जाए। आप सभी सदस्य अपनी–अपनी सीटों पर बैठ जाए। क्वै चन ऑवर के बाद अपनी–अपनी सीट पर बैइकरजो सदस्य आनी बात कहेगे, वह मैं सुनूंगा।

(इस समय सदन में उपस्थित इंडियन ने ानल लोकदल के सभी सदस्य सदन की वैल में आ गए और नारेबाजी करने लगे।)

Mr. Speaker: Now, the House is adjourned for 15 minutes.

(The Sabha then adjourned at 3.05 P.M. and ressembled at 3.20 P.M.)

तारांकित प्र न एव उत्तर (पुनरारम्भण)

Mr. Speaker: Smt. Kavita Jain, you raise your supplementary pelase.

श्रीमती कविता जैनः स्पीकर सर, मै आपके माध्यम से मंत्री जी से पूछना चाहती हूं कि * * *

श्री राम पाल माजराः स्पीकर सर, * * *

श्री अध्यक्षः आप अपनी सीट पर बैठिए। I have not permitted you to speak आप बैठ जाईऐ मेरी परमि ान के बर्गर कुछ भी रिकार्ड न किया जाए।

श्री राम पाल माजनाः स्पीकर सर, * * *

श्री रणदीप सिंह सुरजेवालाः अध्यक्षमहोदय, एक भारतीय जनता पार्टी की महिला सदस्य जो कि सम्मनित सदस्य है, हाउस में अपनी बात कहने के लिए खड़ी हुई है। अध्यक्ष महोदय, क्या वे विपक्ष के माननीस सदस्य महिलाअीं का सम्मान इस प्रकार से करते है? क्या मेरे काबिल दोस् को यही तारीका है? ये इतन समझदारओर बुद्धिमान सदस्य है और अकलमंद है। परन्तु क्या ये विपक्ष के एक सदस्य को अधिकार इस प्रकार से छीन लेना चाह रहे हे। यह कोई तरीका है? यह कोई सलीका है? यह कोई तहजीब है? इण्डियन ने ानल लोकदन के नेता बैठे है फिर भी माजरा जी खड़ें होकर विध्न डाल रहे हैं (ाोर एवं व्यवधान)

श्री रामपाल माजराः स्पीकर सर, * * *

Mr. Speaker: Nothing is to be recorded.

श्री रणदीप सिंह सुरजेवालाः अध्यक्ष महोदय, क्या विधायिका को प्रोसीडिग्ज चलाने का यह तरीका है कि एक माननीय महिलासदस्या के अधिकारों का हननकर डाले? उनको बोलने मत दें। क्या यह तरीका है? माननीय सदस्या अपने हल्के के बारें में महत्वपूर्ण प्र न पूछनाचाह रही है। क्या वे इस प्रकारसे महिला सदस्य के प्र न पूछने का व्यवधान डाल सकते है?

Mr. Speaker: Ram Pal Ji. You are mis-conducting yourself as Member of this House. टाप हाउस में मिस कन्डैक्अ कर रहे है। Question Hour is on. I have asked Smt. Kavita Jain to ask her question. Please sit down.

श्री रामपाल माजराः स्पीकर सर, * * *

Mr. Speaker; Nothing is tobe recorded.

श्री रणदीप सिंह सुरजेवालाः अध्यक्ष महोदय, रामपाल माजरा जी पहली बार विधान सभा के सदस्य बनकर नही आयें इन्हें हाउस की मर्यादाएं मालून होनी चाहिए। विधायिका की एक कार्यप्रणाली होती है। प्र नकाल एक महत्वपूर्ण मामला हाता है। विपक्ष की महिला सदस्य अपना प्र न पूछना चाह रही है। सर, क्या एक सदस्य पूरे विधान सभा के सदस्यों के अधिकारों का हनन कर सकताहै। इस बारें में हमें आपकी रूलिंग चाहिए। Sir, I would request you for ruling regarding discipline the Membes

of this House. This is not tye way Sir, He cannot hold the House to rasnsom in this fashion.

Mr. Speaker: Ram Pal Ji, Please resume your seat. I am warning you.

श्री ओम प्रका ा चौटालाः अध्यक्ष महोदय, क्या आपकों इनको अलाउ किया हुआ है?

श्री रामपाल माजराः स्पीकर सर, * * *

श्री अध्यक्षः चौटाला साहब, आप बैठिए। रामपाल माजरा जी आप बैठ जाए। चौटाला साहब आप रामपाल माजरा जी को भी बैठाए। Not to be recorded. Hi is making a speech.

श्री नरे ा कुमार बादलीः स्पीकर सर, * *

*

श्री रामपाल माजराः स्पीकर सर, * * *

Mr. Speaker: Not to be recorded anythijg without my permission. माजरा जी आप अपनी सीट पर बैठिये Otherwise, I will nae you. Please sit down. Kavita Ji ask your question. मजरा जी आप अपनी सीट पर बैठिए।

श्रीमती कविता जैनः स्पीकर सर, मै आपके माध्यम से मंत्री जी से पूछना चाहती हूं कि * * * (विधन)

श्री नरे ा कुमार बादलीः स्पीकर सर, * * *

श्री अ ाोक कुमार अरोड़ाः स्पीकर सर, इन ट्रेजरी बैचिज के माननीय सदस्यों को क्या आपने अलाउ किया हुआ है?

बैठक का स्थगन

Mr. Speaker: I have not allowed him. मैन इनको अलाउ नही किया है।

(इस समय इंडियन ने ानल लोकदल पार्टी के माननीस सदस्य श्री ओमप्रका ा चौटाला, श्री अ ाोक कुमार अरोडा, हॉ0 हरिचन्द मिढ्ढा और श्री परमिन्दर सिंह ढुल को छोड़कर सभी माननीस सदस्य और ि ारोमणि अकाली दल पार्टी के एक मात्र सदस्य हाउस की वैल में आकर जोर जोर से नारेबाजी करने लगे।)

Mr. Speaker: This House is adjourned for 15 minutes.

(The Sabha then adjourned at 3.26 P.M. and ressembled at 3.41 P.M.)

तारांकित प्र न उत्तर (पुरराम्भण)

श्री अध्यक्षः कविता जैन जी, आप अपना सवाल पूदे।

श्रीमती कविता जैनः अध्यक्ष महोदय, मै आपके माध्ययम से माननीय मंत्री जी से पूछना चाहती हूं कि तीनवर्श पूर्व (ाोर एवं व्यवधान).....

श्री ओम प्रका ा चौटालाः अध्यक्ष महोदय, हम नही चाहते है कि प्र नकाल सस्पैड हो लेकन हम आपसे यह आ वासन चाहेगे कि ये जो बर्निंग ई ूज है इन पर चर्चा हो जानी चाहिए। (ाोर एवं व्यवधान)

श्री अध्यक्षः चौटाला साहब, पहले प्र नकाल हो जाए उसके बाद आपकों औरसदन के दूसरे लीटर है उनको बुलाकर बात कर लेंगे।(ाोर एवं व्यवधान)

श्री ओम प्रका ा चौटालाः अध्यक्ष महोदय, आप कानाफूसी न करे। सदन मे ंही कह दे कि इन पर चर्चा हो जायेगी। हम कानाफूसी के पक्ष में नही है। (ाोर एवं व्यवधान)

श्री रणदीप सिंह सुरजेवालाः अध्यक्ष महोदय, चौटाला जी इसतरह से चेयर के प्रति एक्सपर्सन न करे। I request the Chair that it should be expunged. (interruption)

श्री अध्यक्षः ये विड्रा कर लेगे।

श्री ओम प्रका ा चौटालाः अध्यक्ष महोदय, इसकों समझओं, यह पता नही अपने आपको क्या समझता है?यह कोई बात नही है ओर आप इसको अवसर दे दते हो। (ाोर एवं व्यवधान) यह ठीक है कि भाायद मुख्यमंत्री में कमजोरी हो सकती है लेकिन सदन तो इसकी बात को नही मानता। (ाोर एवं व्यवधान)

श्री रणदीप सिंह सुरजेवालाः अध्यक्ष महोदय, इनका यह क्या तरीका है? ये इस प्रकार से एलीगे ान लगाना बंद करे। (ाोर एवं व्यवधान) I repuest the Chair that is should be expunged. (Interruption)

Mr. Speaker: Mr. Chautala you can't say this (Interruption)

श्री भूपेन्द्र सिंह हुड्डाः अध्यक्ष महोदय, मुख्यमंत्री में कोई कमजोरी नही है। जो खुद कमजोर होता है वह दूसरे में कमजोरी देखता है। How does he say? How des he say? How can he say? (Interruption) मुख्य मंत्री में कोई कमजोरी नही है। यदि मुख्य मंत्री में कमजोरी हेाती तो दूसरी बार सरकार कैसे आती? (ाोर एवं व्यवधान) ये गलत बात कर रहे है। (ाोर एवं व्यवधान)

श्री रणदीप सिंह सुरजेवालाः अध्यक्ष महोदय, इनका यह कोई तरीका नही है। (ाोर एवं व्यवधान)

मुख्य संसदीय सचिव श्री जयवीर सिंह के विरूद्ध धमकी एवं दुर्व्यवहार करने का मामला उठाना/बैठक का स्थगन

श्री अ ाोक कुमार अरोड़ाः अध्यक्ष महोदय,..... ..... (ाोर एवं व्यवधान)

श्री जयवीर सिंहः अध्यक्ष महोदय,..... (ाोर एवं व्यवधान)

श्री ओम प्रका ा चौटालाः अध्यक्ष महोदय, ...(ाोर एवं व्यवधान)

श्री रणदीप सिंह सुरजेवालाः अध्यक्ष महोदय, ओम प्रका ा चौटाला जी एक दलित साथी के साथ दुर्व्यवहार कर रहे है। (ाोर एवं व्यवधान) ये एक दलित साथी को इस तरह से सनही धमका सकते है। यह बड़े भार्म की बात है। (ाोर एवं व्यवधान) सर, दलितों के ऊपरा इस प्रकार की धमकी नही चलेगी। (ाोर एवं व्यवधान)

श्री जयवीर सिंहः अध्यक्ष महोदय,..... (ाोर एवं व्यवधान)

श्री अभय सिंह चौटालाः अध्यक्ष महोदय, ...(ाोर एवं व्यवधान)

(इस समय श्री ओम प्रका ा चौटाला जी के अलावा सदन में उपस्थित इंडियन ने ानल लोकदल और ि ारोमणि अकाली दल के एक मात्र सदस्य सदन की वैल में आकर नारेबाजी करने लगे)

(इस समय इण्डियन ने ानल कांग्रेस के सदस्य श्री जयवीर सिंह, श्री नरे ा कुमार, श्रीमती भाकुंतला खटक, श्री धर्मवरी सिंह, श्रीमती गीता भुक्कल, श्री आफताब अहमद, श्री अनिल धतौड़ी सदउन की वैल में आ गए।)

श्री रणदीप सिंह सुरजेवालाः अध्यक्ष महोदय, ये दलित साथी को इस प्रकार से नही धमका सकते। (ाोर एवं व्यवधान) अध्यक्ष महोदय, यह कोई तरीका नही हे। (ाोर एवं व्यवधान) स्पीकर सर, क्या ये किसी दलित साथी को इस प्रकार से धमका सकते है?

श्री ओम प्रका ा चौटालाः अध्यक्ष महोदय, इनकों बोलने का अधिकार किसने दिया है? (ाोर एवं व्यवधान)

श्री रणदीप सिंह सुरजेवालाः मुझे बोलने का अधिकार है लेकिन यह अधिकारी किसी को नही है कि कोई दलित साथी को धमकाये। (ाोर एवं व्यवधान) अध्यक्ष महोदय, इस प्रकार का व्यवहार नही चलेगा। ओम प्रका ा चौटाला जी हो यह क्या अधिकार है कि किसी दलित साथी को धमकाए। (ाोर एवं व्यवधान) अध्यक्ष महोदय, यह तरीका नही चलेगा। चाहे कोई कितना भी बड़ा हो लेकिन वह एक दलित साथी को नही धमका सकता। (ाोर एवं व्यवधान)

Mr. Speaker; Please go back to your seats. (Noise & Interrutpion) कृपया आप सभी अपनी–अपनी सीटों पर वापस जाईए। (ाोर एवं व्यवधान) आप सभी की बात सुनी जाएगी लेकिन पहले आप अपनी सीटो ंपर जाईए। (ाोर एवं व्यवधान) Please go back to your seats. (Noise & Interruption)

श्री रणदीप सिंह सुरजेवालाः स्पीकर सर, इस प्रकारसे विपक्ष के साथियों की ताना ााहली नही चलेगी और न ही

गुण्डागर्दी चलेगी। (ाोर एवं व्यवधान) स्पीकर सर, क्या इस प्रकार से कोई इस सदन के एक सम्मानित सदस्य को धमकी दे सकता है? (ाोर एवं व्यवधान) हमें हय हरगिज मंजूर नही है। (ाोर एवं व्यवधान)

श्री अध्यक्षः इन्होने क्या कहा है? (ाोर एवं व्यवधान) कृपया आप सभी अपनी–अपनी सीटों पर बैठ जाईए। (ाोर एवं व्यवधान) यह क्वै चन ऑवर है इसलिए आप सभी सदन की कार्यवाही को सुचारू एवं सुव्यवसिथत ढंग से चलाने में अपना–अपना योगदान दे ओर श्रीमती कविता जैन जी को अपनी सप्लीमैट्री पूछने दे। (ाोर एवं व्यवधान)

श्री रणदीप सिंह सुरजेवालाः स्पीकर सर, क्या कोई किसी दलित सदस्य की आवाज को बंद कर सकता हैं (ाोर एवं व्यवधान) स्पीकर सर,विपक्ष के साथी जिस प्रकार से सदन की कार्यवाही को बाधित कर रहे है यह कोई तरीका नही है। (ाोर एवं व्यवधान) हाउस मे ताना ााही नही चलेगी। (ाोर एवं व्यवधान) हाउस के अंदर गुण्डागर्दी भी नही चलेगी। (ाोर एवं व्यवधान) स्पीकर सर, हाउस के अंदर गुण्डागर्दी नही चलेगी। (ाोर एवं व्यवधान) हाउस के अन्दर ताना ााही नही चलेगी। (ाोर एवं व्यवधान) स्पीकर सर, हम इस प्रकार से दबाव में नही आयेगे और न ही हम किसी की गाली सुनेंगे। (ाोर एवं व्यवधान)

Mr. Speaker: Now, the House is again adjourned for 15 minutes.

(The Sabha then adjourned at 3.47 P.M. and reassembled at 4.02 P.M.)

नियम 45(1) के अधीन सदन की मेज पर रखे गए तारांकित प्र नों के लिखित उत्तर

*** 1153 Sh. Anil Vij:** Will the Chief Minister be pleased to state:-

(a) Whether it is a fact that buidlig site plans are not being approved in Ambala Cantt. Sadar area by Ambala Municipal Corporation for the last several months; and

(b) If so, the reasons thereof toghtertwith the time by which the approval of the site plans is likely to be stared.

मुख्य मंत्री (श्री भूपेन्द्र सिंह हुड्डा):

(क) हां, श्रीमान जी।

(ख) भवन नक ो के आवेदनों के साथ पट्टा इकरारनामे प्रस्तुत न किए जाने के कारण भवन प्लान स्वीकृत नही किए गए। पट्टा इकरारनामे प्राप्त होने एवं टन्य जरूरी भार्ते पूरी होने पर एक माह के भीतर भवन नक ो स्वीकृत कर दिए जाऐग।

Number of Road Projects

*** 1178 Sh. SAmpat Singh:** Will the PWD (B&R) Minister be pleased to state—

(a) The number of road projects that have been completed by NHAI in Harynaa from 2000-2001 to 2004-2005 and from 2005-2006 to 31st July[2012 with all the details such as the name, kilometers and cost etc.;

(b) The number of such projects in progress with all details;

(c) The number of such projects in pipelines with all details;

(d) The number of ROBs/RUBs that have been constructed form 1999-2005 and from 2005 July, 2012 alongwith all details by NHAI. Railways, State Government and other Public Authorities of Haryana State Central Government in the state;

(e) The number of such ROBs/RUBs under exeution submittd to Railways to be taken up in the subsequent Financial Years for execution; and

(f) The number of works out of the above "e" that have already been included in the Railway work program?

लोक निर्माण मंत्री (श्री रणदीप सिंह सुरजेवाला): श्रीमान् जी, इसकी जानकारी निम्न प्रकार से है:–

(क) (i) भारतीस राश्ट्रीय राज मार्ग प्राधिकरण 2000–2001 से लेकर 2004–2005 (लागत 346.14 करोड़)

क्रं.	कार्य का नाम	हरियाणा में ल0 (कुल परियोजना की	लागत (करोड

सं.		ल०)	में)
1.	हरियाणा गुड़गावा से कठपुतली राजस्थान तक 4 लेन की मजबूती (एन. एच. 8)	70.55 कि.मी. (कुल ल0 125.78 कि.मी.)	346.14 करोड़ (परियोजना की ल0 125.78 कि.मी.)

(iii) भारतीय राश्ट्रीय राज मार्ग प्राधिकरण 2005–2006 से लेकर 31जुलाई, 2012 (लागत 129.62 करोड़)

क्रं. सं.	कार्य का नाम	हरियाणा में ल0 (कुल परियोजना की ल०)	लागत (करोड में)
1.	अम्बाला–जीरकपुर उच्चमार्ग 22/21	05 कि.मी. (कुल लं0 35.06 कि.मी.)	298.00 करोड (परियोजना की लं0 35.06 किमी.)
2.	जीरकपुर–परमाणु उच्चमार्ग 22	21.00 कि.मी. (कुल ल0 35.06 कि.मी.)	295.00 करोड़ (परियोजना की ल0 27.59 किमी.)
3.	दिल्ली राश्ट्रीय राज मार्ग–8 के उपयोग में गुडगांव खण्ड के	18.825 किमी. (कुल लं0 27.700 किमी.)	701.62 करोड़ (परियोजना की ल0 27.700

	रूपांतर 14.300 (दिल्ली राम तुला मार्ग) से 42.000		किमी.)

(ख) भारतीय राश्ट्रीय राज मार्ग प्राधिकरण कार्यालय (लागत 7853. 25 करोड़)

क्रं. सं.	कार्य का नाम	हरियाणा में ल0 (कुल परियोजना की ल०)	लागत (करोड में)
1.	बहादुरगढ–रोहतक वर्ग उच्च मार्ग–10, 4/6 लेन।	60 कि.मी.	486.00 करोड़
2.	रोहतक–पानीपत वर्ग उच्चमार्ग–71 ए लेन।	80.85 कि.मी.	807.00 करोड़
3.	पानीपत–जलन्धर उच्चमार्ग–1, 4/6 लेन	116 कि.मी. (290 कि. मी.)	2747.00 करोड़ (कुल परियोजना लागत 290 कि. मी. के लिए
4.	बावल–रोहतक वर्ग उच्चमार्ग–71, 4	83.65 कि.मी.	650.00 करोड़

	लेन।		
5.	गुडगांव–जयपुर वर्ग उच्चमार्ग–8 कि'.मी. 42.700 से 273.00 (हरियाणा और राजस्थान राज्य में)	64.4 कि.मी. (कुल 225.600 कि.मी.)	1895.00 करोड़ (कुल परियोजना लागत 225.600 कि.मी. के लिए)
6.	यमुनानगरी–पंचकुला वर्ग से कि.मी. 71. 640 से कि.मी. 179. 249।	107 कि.मी.	985.00 करोड़
7.	रोहतक–जींद वर्ग उच्चमार्ग–71, 4/6 लेन	49.840 कि.मी.	283.25 करोड़

(ग) भारतीय राश्ट्रीय राज मार्ग प्राधिकरण में पाईपलाईन (लागत 906.67 करोड़

क्रं. सं.	कार्य का नाम	हरियाणा में ल0 (कुल परियोजना की ल०)	लागत (करोड में)
1.	रोहतक–हिसार वर्ग राजमार्ग–10, 4/6	100 कि.मी.	906.67 करोड़

	लेन (कि.मी. 87.00 से कि.मी. 170.00 तक)		

(घ) (i) 1990 से 2005 तक 3 रेलवे उपरगामी पुलो/भूमिगतों पुलों केा निम्रण हो चुका है।

(ii) 2005 से जुलाई 2012 तक 30 रेलवे उपरगामी पुलो/भूमिगत पुलो का निर्माण होचुका है।

क्र. सं	कार्य का नाम	पूर्ण होने की अवधि	लागत (करोड़ मे)
1999 से 2005 तक			
1.	बाटा चौक फरीदाबाद में बअनया गया रेवले उपरिपुल।	सितम्बर, 2000	24.00
2.	अम्बाला भाहर में राश्ट्रीय राज मार्ग–1 पर बनाया गया रेवले उपरिपुल	2001–2002	25.00
3.	अम्बाला छावनी में राश्ट्रीय राज मार्ग–1 पर बनाया गया रेलवे उपरिपुल	2001–2002	18.00

		कुल (क)	67.00

2005 से जुलाई 2012 तक

1	रेवाडी में नारनौल रोड पर लेवल कोसिंग नं0 58 ए पर बनाया गया उपरिपुल।	सितम्बर, 2006	16.00
2.	कुरूक्षेत्र में यमुनानगर –पीपली पेहवा रोड पर लेवल क्रोसिक नं0 116 पर बनाया गया रेवले उपरिपुल (फेस–II)	माच, 2007	16.00
3.	केसरी (अम्बाला) में साहा– ााहबाद रोड पर लेवल क्रोसिग नं 116 पर बनाया गया रेवले उपरिपुल	सितम्बर, 2007	11.00
4.	पलवल (फरीदाबाद) में पलवल–अलीगढ़ रोड पर लेवल क्रोसिंग नं 565 बी पर बनाया गया रेलवे उपरिपुल	जनवरी, 2008	12.00
5.	करनाल मतें करनाल–कचवा– ाामली रोड़ पर लेवल क्रोसिंग नं0 71 बी पर बनाया	जुलाई, 2008	12.65

	गया उपरिपुल		
6.	हिसार में ठण्डी सड़क पर लेवल क्रोसिंग नं0 92 ए पर बनाया गया रेलवे उपरिपुल	सितम्बर, 2008	13.30
7.	गन्नौर में गन्नौर– ाहपुर रोड पर लेवल क्रोसिंग नं0 92 ए पर बनाया गया रेलवे उपरिपुल	सितम्बर, 2008	12.00
8.	रोहतक में राश्ट्रीय राज मार्ग नं0 71 पर लेवल क्रोसिंग नं0 63 बी पर बनाया गया रेलवे उपरिपुल	दिसम्बर, 2008	18.37
9.	बल्लभगढ़ में बल्लभगढ़–सोहना रोड पर लेवल क्रोसिंग नं0 575 बी पर बनाया गया रेलवे उपरिपुर	दिसम्बर, 2009	10.00
10.	रोहतक में रोहतक–भिवानी रोड पर लेवल क्रोसिंग नं0 61 ए पर बनाया गया 4 लेन रेवले उपरिपुर (एन.सी. आर.–एच.एस.आर.डी.सी.)	अप्रैल, 2009	36.53
11.	रोहतक में रोहतक झज्जर रोड पर लेवल क्रोसिंग नं0 59 ए पर बनाया गया रेवले उपरिपुल (एन.सी.	जुलाई, 2009	24.68

	आर–एच.एस.आर.डी.सी.)		
12.	गुडगांव में हेलीमझउी–कुलाना रोड पर लेवल क्रोसिंग नं0 45 ए/टी–3 ई पर बनाया गया रेलवे उपरिपुल (एन.सी.आर.–एच.एस.आर.डी.सी.)	जुलाई, 2009	15.31
13.	रोहतक में सरकूलर रोड पर आडी 1.20 पर लेवल क्रोसिंग नं0 58 बी पर बनाया गया रेवले उपरिपुल (एन. सी.आर.–एच.एस.आर.डी.सी.)	नवम्बर, 2009	28.84
14.	गुडगांव में गुडगांव मतें दौलताबाद–धर्मपुर रोड पर लेवल क्रोसिंग नं0 25 बी पर बनाया गया रेलवे उपरिपुल (एन.सी.आर.–एच.एस. आर.डी.सी.)	नवम्बर, 2009	22.75
15.	हिसार में सातरोड पर लेवल क्रोसिंग नं0 89 बी पर बनाया रेलवे उपरिपुल	दिसम्बर, 2009	12.45
16.	गुडगांव में गुडगांव–फरूखनगर–झज्जर रोड पर लेवल क्रोसिंग नं0 28 बी पर बनाया गया रेलवे उपरिपुल (एन.सी.आर.	दिसम्बर, 2009	18.12

	–एच.एस.आर.डी.सी.)		
17.	मनसा देवी काम्पलैक्स पंचकुला में पर लेवल क्रोसिंग नं0 132 सी पर रेलवे भूमिगत पुल	मार्च, 2010	7.82
18.	टोना में हिसार–टोहाना चण्डीगढ़ रोड पर लेवल क्रोसिंग नं0 162 सी पर रेलवे उपरिपुल	जुलाई, 2010	21.45
19.	महेन्द्रगढ़ में नारनौल–दादरी रोड पर लेवल क्रोसिंग नं0 सी 100 पर रेलवे उपरिपुल	जुलाइ, 2010	24.41
20.	बहादुरगढ़ में बहादुरगढ़–नाहरा रोड पर लेवल क्रोसिंग नं0 23 सी पर रेलवे उपरिपुल (एन.सी.आर.–एच.एस. आर.डी.सी.)	नवम्बर, 2010	21.02
21.	बराड़ा में काला आम–बराड़ा भााहबाद रोड पर लेवल क्रोसिंग नं0 110 बी रेलवे उपरिपुल	नवम्बर, 2010	27.90
22.	सिरसा में राश्ट्रीय राज मार्ग नं0 10 पर लेवल क्रोसिंग नं0 143 पर रेलवे	दिसम्बर, 2008	35.00

	उपरिपुर		
23.	दादरी में झज्जर–दादरी रोड़ पर लेवल क्रोसिंग नं0 33 बी पर रेलवे उपरिपुल	फरवरी, 2011	24.00
24.	कैथल में कैथल–जींद सड़क पर लेवल क्रोसिंग नं0 32 बी पर रेलवे उपरिपुल	जून, 2011	24.00
25.	रिवाड़ी में राश्ट्रीय राज मार्ग नं0 71 पर लेवल क्रोसिंग नं0 57 बी पर रेलवे उपरिपुल	अगस्त, 2011	29.22
26.	तरावड़ी में तरावड़ी रोड़ लेवल क्रोसिंग नं0 78 बी पर रेलवे पर उपरिपुल	दिसम्बर, 2011	28.85
27.	कोसली रेलवे स्टे ान के नजदीक रिवाड़ी हिसार भटिंडा रेलवे लाईन लेवल क्रोसिंग नं 19 सी पर सुबाना–कोसली–नाहर–कनीना सड़क पर रेलवे उपरिपुल का निर्माण (एन. सी.आर–एच.एस.आर.डी.सी.)	अगस्त, 2011	19.47

28.	भिवानी में भिवानी–तो ाम रोड पर लेवल क्रोसिंग नं0 53 सी पर रेलवे उपरिपुल	मई, 2011	23.48
		योग (ख)	566.22
हरियाणा भाहरी विकास प्राधिकरण			
29	रोहतक में रोहतक–पानीपत रेलवे लाईन पर रेलवे उपरिपुर	मार्च, 2010	30.25
30.	दिल्ली–भटिण्डा–रोहतक रेलवे लाईन पर रेलवे उपरिपुल	मई, 2011	34.51
		योग (ग)	64.76
		कुल योग (ख) + (ग)	631.38

(ड) (i) 25 रेलवे उपरिपुलों/भूमिगत पुलों पर निर्माण कार्य चल रहा है।

क्र. सं.	कार्य का नाम	लागत (करोड़ में)

1.	जी.टी. रोड से ब्रहम् सरोवर सड़क पर दिल्ली–अम्बाला रेलवे लाईन (चार लेन) पर रेलवे उपरगामी पुल का निर्माण	46.35
2..	अम्बाला– ाहर में अम्बाला–लुधियान रेलवे लाईन (दो लेन) लेवल क्रांसिंग नं 268/24–26 पर रेलवे उपरगामी पुल का निर्माण	27.91
3.	रिवाड़ी–रोहतक नई रेलवे लाईन क्रांसिंग नं 11. कि.मी. पाहलावास के नजदीक लेवल क्रांसिग नं0 11 कि.मी. 18.766 पर चार लेन का रेलवे उपरगामी पुल	39.00
4.	सोनीपत–गोहाना सड़क पर सोनीपत में लेवल क्रोसिंग नं0 27 पर रेलवे उपरगामी पुल	40.04
	कुल (क)	153.30
हरियाणा राज्य सड़क विकास योजना (राश्ट्रीय राजधानी क्षेत्र के कर्ज के अधीन)		
5.	समालखा–कुलकाना सड़क की आर.डी. 1.00 कि. मी. पर दिल्ली–अम्बाला रेलवे लाईन की लेवल क्रोसिंग नं0 42 पर दो लेन वाला रेलवे उपरगामी पुल का निर्माण (ओ.डी.आर)	21.24

6.	पलवल–अलावल मार्ग पर दिल्ली–पलवल रेलवे लाईन एल.सी. 566 पर 2 लेन वाला रेलवे उपरिपुल का निर्माण	35.92
	कुल (ख)	57.16
हरियाणा राज्य औद्योगिक आधारभूत विकास कारपोरे ान		
7.	फरीदाबाद में बाईपास सैक्टर 59/61 पर दिल्ली मथुरा रेलवे लाईन पर रेलवे उपरगामी पुल का निर्माण	39.06
8.	फरीदाबाद से बड़खल चौक से अंखीर चैक को जाड़ने वाली सड़क पर लेवल उपरगामी पुल का निर्माण	19.12
9.	पुराने फरीदाबाद में दिल्ली रेलवे लाईन पर रेलवे उपरगामी पुल का निर्माण	15.48
10.	सैक्टर 7–8 तथा 36–38 की विभाजित सड़क पर पानीपत में दिल्ली–अम्बाला रेलवे लाईन पर रेलवे लाईन पर रेलवे उपरगामी पुल का निर्माण	38.55
	कुल(ख)	57.16

हरियाणा राज्य औद्योगिक आधारभूत विकास कारपोरे ान		
11.	दिल्ली–अम्बाला रेलवे लाईन की चेनेज 5.097 उपरगामी पुल का निर्माण	9.44
12.	दिल्ली–रोहतक रेलवे लाईन की चेनेज 33.749 पर रेलवे उपरगामी पुल का निर्माण	8.74
13.	गुडगांव–फरूखनगर रेलवे लाईन की चेनेज 66.385 पर रेलवे लाईन उपरगामी पुल का निर्माण	7.05
14.	गुडगांव–रेवाडी रेलवे लाईन की चेनेज 72.430	8.12
	कुल (ग)	33.35
भारतीय राश्ट्रीय उच्च मार्ग प्राधिकरण–बी.ओ.टी.		
15.	गांव इस्माईला के नजदीक चेनेज 59.863 कि.मी. पर दिल्ली रोहतक भाग के लेवल क्रोसिंग नं 87 ए पर 3 लेन रेलवे उपरगामी पुल का निर्माण (एन. एच.–10)	
16.	रोहतक के नीजदीक चेनेज नं0 70.002 पर दिल्ली–रोहतक भाग के लेवल क्रोसिंग नं0 60/2 ए पर 4 लेन रेलवे उपरगामी पुल का निर्माण (एन. एच–10)	50.00

17.	रोहतक के नजदीक चेनेज नं 86.108 पर रोहतक–भिवानी भाग पर 4–लेन रेलवे उपरगामी पुल का निर्माण (एन.एच.–10)	50.00
18.	रोहतक के नजदीपक चेनेज नं 71.581 पर रोहतक–रिवाड़ी भाग के रेलवे उपरगामी पुल का निर्माण (एन.एच.–10)	50.00
19.	रोहतक के नजदीक चेनेज नं0 11.64 पर रोहतक–पानीपत भाग पर 4–लेन रेलवे उपरगामी पुल का निर्माण (एन.एच.–71–ए)	50.00
20.	रूखी गांव के नजदीक चेनेज नं0 22.745पर रोहतक –पानीपत भाग पर 4–लेन रेलवे उपरगामी पुल का निर्माण (एन.एच.–71–ए)	50.00
21.	पानीपत के नजदीक चेनेज नं0 79.875 पर दिल्ली–अम्बाला भाग पर 4–लेन रेलवे उपरगामी पुल का निर्माण (एन.एच.–71–ए)	50.00
22.	माहरा गांव के नजदीक चेनेज नं 30.18 पर रोहतक–पानीपत भाग पर 4–लेन रेलवे उपरगामी पुल का निर्माण (एन.एच.–71–ए)	50.00
23.	गुड्ढा गांव के नजदीक चेनेज नं0 386.988 पर रोहतक–रिवाड़ी भाग पर 4–लेन रेलवे उपरगामी	50.00

	पुल का निर्माण (एन.एच.–71)	
24.	रिवाड़ी के नजदीक चेनेज नं 434.6 पर रोहतक–रिवाडी भाग पर 4–लेन रेलवे उपरगामी पुल का निर्माण (एन.एच.–71)	50.00
25.	रिवाड़ी के नजदीक चेनेज नं0 436.643 पर दिल्ली–रिवाड़ी भाग पर 4–लेन रेलवे उपरगामी पुल का निर्माण (एन.एच.–71)	50.00
	कुल (ड)	535.00
	कुल योग (क + ख + ग + घ + ड)	891.02

क्र. स.	कार्य का नाम	लागत (करोड)
(ii) 48 रवेले उपरिपुल/भूमिगत पुल रेलवे भेज दिए हैं और जिन पर धन की उपलध्बता और साइट पर बनाने योग्य होने के आधार पर आने वाले वित्तीय वर्शो में कार्य किया जाऐगा।		

क्र. सं.	कार्य का नाम	लागत (करोड़)
1.	भिवानी–हासी सड़क पर रेलवे क्रोसिंग नं 53–बी	25.00

	पर रेलवे उपरगामी पुल।	
2	करनाल–मुलक सड़ की आर.डी. 2.10 पर दिल्ली–अम्बाला रेवले लाईन के लेवल क्रोसिंग नं सी–69 कि.मी. 120/11–13 परन 2–लेन रेवले उपरगामी पुल का निर्माण	23.00
3.	नीलोंखेड़ी से रेलवे क्रोसिंग नं0 78–ए–बी पर 139 कि.मी. में दिल्ली–अम्बला रेलवे क्रोसिंग नालोखेडी–कौल–डाण्ड सड़क पर करनाल जिले में 2–लेन का उपरगामी पुल का निर्माण।	31.73
4.	भााहबाद लेवल क्रोसिंग नं 98–ए–सी पर 179/19–21 कि.मी. से दिल्ली–अम्बाला रेलवे लाईन क्रोसिंग भााहबाए –ठोल–कुरूक्षेत्र जिले में 2–लेन रेवले उपरगामी पुल का निर्माण।	36.00
5.	फतेहाबाद जिले में भाटटू–लूडेसर जमालपुर रोड (एम.उी.आर 103) एल.सी. 122 पर रेलवे उपरगामी पुल।	25.00
6.	हिसार जिले में नालवा–उमरा एल.सी. 80 पर उपरगामी पुल।	25.00
7.	भिवानी जिले में भिवानी–हांसी रोड से तो ाम	25.00

	बाई पास एल.सी. 54–ए पर रेलवे उपरगामी पुल।	
8.	हिसार जिले में हिसार–गुडगांव सड़क (एस.एय. 10) एल.सी. 1000 पर रेलवे उपरगामी पुल।	25.00
9.	करनाल जिले मे बजिदा जटां–सिरसा एल.सी. 67 पर रेलवे उपरगामी पुल	25.00
10.	करनाल जिले में उचाना में रूखानपुर कि.मी. 2 एल.सी. 73 पर रेलवे उपरगामी पुल।	25.00
11.	फतेहाबाद जिले में जाखल–कुलान–भाट्टू मार्ग एल.सी. 167 पर रेलवे उपरगामी पुल।	25.00
12.	झज्जर जिले में दिल्ली–भटिण्डा रेलवे लाई एल.सी. 167 पररेलवे उपरगामी पुल	32..27
13.	सोनीपत जिले में रोहतक पानीपत गोहना रेलवे लाईन क्रोसिंग एल.सी.31 पर गोहाना जींद सड़क पररेलवे उपरगामी पुल	29.15
14.	सांपला में सोनीपत खरखौदा सांपला झज्जर सड़क के दिल्ली भटिण्डा रेलवे लेवल के रेलवे क्रोसिंग नं0 38 पर रेलवे उपरगामी पुल।	44.89
15.	कैथल के बाईपास सम्पर्क कैथल जींद सड़क व	15.00

	कैथल खनौरी सड़क पर रेलवे भूमिगत पुल।	
16.	सिरसा जिले में डबवाली टाउन एल.सी. 32 बी पर गोहाना जींद रोड पर उपरगामी पुल	62.25
17.	दिल्ली भटिण्डा रेलवे लाईन पर लेवल क्रोसिंग नं0 113–बी जींद में 296.00 कि.मी. उच्चर्मा पर उपरगामी पुल 4 लेन।	46.36
राश्ट्रीय राजधानी क्षेत्र		
18.	होडल हसनपुर सड़क पर पल सड़क पर पलवल मथुरा रेलवे लाईन के लेवल क्रोसिंग नं0 553 पर रेलवे उपरगामी पुल	21.32
19.	नाहरा बहादुरगढ़ सड़क पर दिल्ली अम्बाला रेलवे लाईन के लेवल क्रोसिंग नं0 21 पर रेलवे उपरगामी पुलु	59.68
20.	भुगर मिल के नजदीक सोनीपत पुरखास सड़क परि दिल्ली अम्बाला रेलवे लाईन के लेवल क्रोसिंग नं0 29 पर रेलवे उपरगामी पुल।	39.24
21.	10 प्रति ात पानीपत जाटल सड़क पर दिल्ली अम्बाला लेवल क्रोसिंग नं0 52 पर रेलवे उपरगामी पुल।	27.81

22.	रेवाड़ी सुजानपुर (नजदीक अनाज मंडी) एस.एच. 24 लेवल क्रोसिंग नं0 61–ए पर रेलवे उपरगामी पुल	30.36
23.	बेरी भटिण्डा रेलवे लाईन क्रोसिंग नं0 60 पर रेलवे उपरगामी पुल।	57.60
	हरियाणा भाहरी विकास प्राधिकरण	
24.	दिल्ली रिवाड़ी सैक ान बसाय धनकोट स्टे ान उत्तरी परिधीय सड़क रेवले कि.मी. 37/3–4 लेवल क्रोसिंग नं0 29 ओर 30 के बीच रेलवे उपरगामी पुल।	20.00
25.	डिवाइडिंग रोड सैक्टर 45/46 फरीदाबाद में रेलवे भूमिगत पुल	9.60
	डी.फ.ओ.टी. (राई मलिकपुर–भिवानी)	
26.	भिवानी बाई पास लेवल क्रोसिंग 48/2 पर भिवानी रेवाड़ी रेलवे लाईन पर उपरगामी पुल।	डी.फ.ओ. टी के आधार पर
27.	लेवल क्रोसिंग सी 100 पर रेवाडी महिन्दगढ़ लोहारू लाईन पर उपरगामी पुल।	डी.फ.ओ. टी के

		आधार पर
28.	लेवल क्रोसिंग सी 46 पर रेवाड़ी फुलैरा रेवले भाग पर उपरगामी पुल।	डी.फ.ओ. टी के आधार पर
	कुल (छ)	786.26

क्र. सं.	कार्य का नाम	लागत (करोड़)
20 रेलवे उपरगामी/भूमिगत (क्रंमाक संख्या नं 29 से 48 तक) रेलवे को उने वर्कप्रोग्राम में भाामिल करने क लिए भेजे जा चुके है।		
29.	अम्बाला जिले में अधोया छापड़ा सड़क एल.सी. 109 पर रेलवे उपरगामी पुल	25.00
30.	अम्बाला जिले में पुरान दिल्ली से जान्डली गांव (एल.सी. 124) अम्बाला भाहर में रेलवे भूमिगत पुल।	10.00
31.	अम्बला जिले में जी.अी. रोड से गांव मछौन्डा को	25.00

	जोडऋने वाले मार्ग (एल.सी. 102–2) पर रेलवे उपरगामी पुल	
32.	अम्बाला जिले में जी.टी. रोड से गां घेल को जोड़ने वाले मार्ग (एल.सी. 128. सी) पर उपरगामी पुल	25.00
33.	कुरूक्षेत्र नरवाना रेलवे लाईन पर रेलवे उपरगामी पुल के नीचे कैथल जींद रोड पर भूमिगत पथ का निर्माण	8.80
34.	रेलवे भूमिगत पुल भानि मन्दिर के नजीदक पुरखास अड्डा से गोहाना सड़क पर 2 लेन से 4 लेन तक चौड़ा करना	2.41
35.	रिवाड़ी जिले मे रिवाड़ी नारनौल सड़क (एस.एच. 26) लैवल क्रोसिंग नं0 13 पर रेलवे उपरगामी पुल।	40.26
36.	दिल्ली अम्बाला रेलवे लार्ठन लैवल क्रोसिंग नं 49 पानीपत जिले में जी.टी. रोड दाहर वाया सिवाह पर उपरगामी पुल	29.91
37.	जीद पानीपत रेलवे ट्रैक रेवले क्रोसिंग नं 54 दिल्ली जल वाहक चैनल के सथ रेलवे उपरगामी	34.18

	पुल	
38.	दिल्ली उम्बला रेवलेव लाईन लैवल क्रोसिंग नं 58 पानीपत जिले में जी.टी. रोड बाबरपुल काचरौली पर रेलवे उपरगामी पुल	29.20
39.	दिल्ली भटिण्डा रेलवे लाईन लैवल क्रोसिंग नं 79 रोहतक जिले में लाखन माजरा महम सड़क एस. एच. 16–ए पर रेलवे उपरगामी पुल	25.51
40.	दिल्ली रिवाड़ी रेलवे लाईन लैवल क्रोसिंग नं034 गुडगांव जिले में वजीरपरु स फारूख नगर सड़क पर रेलवे उपरगामी पुल।	46.00
41.	रेलवे क्रोसिंग नं 39 जमालपुर–फारूखनगर सड़क पर (ओ.डी.आर) नजदीक गांव ताजनगर, गुडगांव जिले में रेलवे उपरगामी पुल	46.90
42.	दिल्ली रिवाड़ी रेलवे लाईन लैवल क्रोसिंग नंअ48 गुडगाव जिले में पटौदी रिवाडऋी सड़क पर रेलवे उपरगामी पुल	47.00
43.	दिल्ली मथुरा रेलवे लाईन लैवल क्रोसिंग नं 579 –ए फरीदाबाद जिले में रेलवे उपरगामी पुल	35.35
44.	दिल्ली अम्बाला रेलवे लाईन लैवल क्रोसिंग नं0 55	32.27

	पर पानीपत जिला में रेलवे उपरगामी पुल	
45.	रिवाड़ी भटिण्डा रेलवे मार्ग (कि.मी. 57.565) बाईपास दिल्ली भिवानी और दादरी बोन्ड मार्ग नजदीक गांव रावलधी दिल्ली हरियाणा मे ंरेलवे उपरगामी पुल का निर्माण	27.63
46.	हिसार सदरपुर रेलवे लाईन से डाबरा चौक, हिसार जिला में (2 लेन) रेलवे उपरगामी पुल।	39.67
48.	रोहतक में गीतानगर और श्रीनगर कालोनी के लिए 2 नम्बर कम उंचाई के भूमिगत पथ	20.18
	कुल (झ)	550.27
	कुल योग (छ + झ)	1336.53

ROB on the Delhi Patiala Railway Line

1170 Sh. Hari Chand Middha: Will the PWD (B&R) Minister be pleased to state—

(a) The time which the construction work of Railway over bridge is likely to be staredt on th eDelhi Patiala Railway Line in Jind city and

(b) The number of lanes likely to be constgructed onthe above said Railway over bridge?

लोक निर्माण मंत्री (श्री रणदीप सिंह सुरजेवाला)

श्रीमानः—

(क) जींद भाहर में दिल्ली पटियाला रेलवे लाईन पर रेलवे उपरिपतुल का कार्य प्रथम नवम्बन 2012 तक आरम्भ किए जाने की संभावना है।

(ख) चार मार्गीय रेलवे उपरिपुल बनाया जाएगा।

Generla Life Span of the People

1191 Sh. B.B. Batra: Will the Health Minister be pleased to state:—

(a) The general life span of the people in Haryana State:

(b) The number of infaints died during the year 2010-2011;

(c) The ratio of haemoglobin of the Children in the state and together with steps taken by the Government to improve the haemoglobin of the Children;

(d) Whether all the civil hospitals as well sa primary health centers are fully equipped with the medical equipments and

(e) The time span to clear the pending bills of supplers of Materials/Medicines/Equupments etc?

स्वास्थ्य मंत्री (राव नरेन्द्र सिंह): श्रीमान जी, सदन के लिए वक्त्वय प्रस्तुत है:–

वक्तव्य

(क) स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्रालयक, भारत सरकार के परिवार स्वास्थ्य सर्वेक्षण 2011 के अनुसार हरयिाणा राज्य में 2006–10 के दौरान पुरूशों का जीवनकाल 67.9 तथा महिलाओं का 69.8 वर्श हो गया।

(ख) सिविल रजिस्ट्रे ान सिस्टम वर्श 2011 के अनुसार मृत नवजात ि ा ुओं की संख्या 6873 है। हालांकि मृत ि ा ुओं की संख का कम पंजीकरण को देखते हुए यह संख्य मृत ि ा ुओं की संख्या को पूर्ण रूप से नही द ार्ाती।

(ग) राश्ट्रीय परिवार स्वास्थ्य सर्वेक्षण–3 (2005–06) के अनुसारा राजरू में 72.3 प्रति ात ि ा ु अनीमिया से ग्रस्त पाए गए है। इनमें से 25.8 प्रति ात सामान्य अनीमिक, 42.2 प्रति ात माध्यम अनीमि, 4.3 प्रति ात गंभीर अनीमिक थे। हरियाणा सरकार द्वारा ि ा ुओं के हीमोग्लोबिन स्तर को सुधारने के लिए निम्नलिखित कदम उठाए गए है:–

* इंदिरा बाल स्वास्थ्य योजना के अनतर्गत ि ाक्षा विभाग ओर महिला एवं बाल विकास के सहयोग से सरकारी स्कूलों तथा आंगनवाड़ी केन्द्रों के 0–18 वर्श के सभी बच्चों की

अनीमिया की जांच की जाती है। वर्श 2010–11 में 30.65 लाख बच्चों एवं 2011–12 में 32.06 लख बच्चो की जाचं की गई।

* हल्के व मध्यम अनीमियासे पीड़ित बच्चों को आयरन फॉलिड एसिड की गोलिया महीनेवार दी जाती है।

* पेट के कीड़े मारने के लए सभी बच्चों को वर्श में दो बार दवाई दी जाती है।

* गम्भीर बच्चें की पैरिफेरल फिल्म्स तैयार की जाती ताकि अनीमिया के कारणाों को पता लगाया जा सके तथा ईलाज भी किया जाता है।

* वर्श 2010–11 में 11,008 बच्चों को जिनमें गंभीर अनीमियिा (7 ग्राम से कम) पाया गया उन्हें आग्र उपचार के लिए जिला अस्पतालों में रैफर कर दिया गया।

* गंभीर एनीमियासे ग्रस्त बच्चों के उचित ईलाज क लिए हर जिले में उचित ट्रेकिंग प्रणाली विकसित की जा रही हैं

* वर्श 2012–13 में, 0–5 वर्श आयु के लिए आयरन फोलिक ऐसिढ सिरप, टेबलेप एवं एलबेंडाजोल की गोलिया की खरीद के लिए 134.00 लाख रूप्ए एवं 5 वर्श से अधिक आयु के बच्चों` लिए181.87 लाख रूप्ए के बजट का प्रावधान कियागया है।

* पूरक पोशाहार आंगनवाड़ियों तथा स्कूलों में मिड–डे–मील कार्यक्रम के तहत दिया जा रहा है।

(घ) हां, श्रीमान जी, लगभग सभी सामान्य अस्पताल एवं प्राथमिक स्वास्थ्य केन्द्र नियमानुसार एवं आव यकतानुसार स्वास्थ्य उपकरणो से लैंस है। हालांकि चिकित्सा उपकरणों की खरीद एवं बदलाव लगातर चलने वाला उपक्रम हैं अतः समय–समय परइनकी आव यकता अनुसार पूर्ति की जाती है।

(ड) साधारणतयः वस्तुओं/औशधियों केा भुगतान 30 दिन के अन्दर सामान पाने वाले स्थान पर आपूर्ति की जांच/स्वीकृति एवं साथ ही आपूर्ति के संतोशजनक जांच नोट, प्राप्ति रसीद एवं अन्य दस्तावेजों की जांच करके दिया जाता है।

Post Graduate Courses at BPS Mahila University

1164 Sh. Jagbir Singh Malik: Will the Educatio Minister be pleased to state:—

(a) Whether there is nay provisonof Post Graducate Courses inHistroy. Pol. Sc., Gegraphy, Sociology, Hindi, Psychology, Physics, Chemistry, Biology and Math in the BPS Mahiala University Khanpur Kalan; and

(b) If not, whether there is any proposal to start the abov said post Graduate Course together with the time by which the same are likely to be started?

ि ाक्षा मंत्री (श्रीमती गीता भुक्कल):

(क) जी हां, महोदय

(ख) इतिहास, राजनीति भाास्त्र, भूगोल, समाज ाास्त्र, हिन्दी, मनोविज्ञान, भौतिक विज्ञान, रसायन भाास्त्र, जीव विज्ञान तथा गणित स्नातकोत्तर पाठ्यक्रमों को चरणबद्ध तीरके से क्रम ाः आरम्भ किया जाऐगा।

भगत फूल सिंह महिला वि ववविद्यालय, खानपुर कलां (सोनीपत) 2006 में स्थापित किय गया था। लोकोपकारी भगत फूल सिंह के नाम पर स्थापित यह वि ववविद्यालय में कई घटक संस्थाएं नामतः भगत फुल सिंह उच्चतर ि ाक्षा संस्थान, भगत फूल सिंह अध्यापक प्रि ाक्षण और भाोध संस्थान, विधि विभाग, भगत फूल सिंह महिला पॉलिटेक्निक, एम.एस.एम. आयुर्वेद संस्थान, महिला महाविद्यालय एवं दो विद्यालय हैं

वि ववविद्यालय में प्रथम भौक्षणिक सत्र अगस्त 2007 से आरम्भ किया गया ओश्र तब से वि ववविद्यालय ने असी प्रगति की हे। और इसमें मूलभूत सुविधाओं और ि ाक्षाो सुदृढ़िकरण एवं विकास किया गया हैं हरियाणा के ग्रामीण गढ़ में स्थापित इस वि ववविद्यालय का उद्दे य महिलाओं को ि ाक्षित करके उनका मुक्तिकरण एवं स ाक्तिकरण हैं वि ववविद्यालय का उद्दे य समाज पर सकरात्मक प्रभाव डालने के लिए सहयोगी सदस्यों का निर्माण करना है। यह सुनि ाचत करने के लिए कि वि ववविद्यालय अपने निर्धारित लक्ष्यों की प्राप्ति करेर, प्रारंभिक चरण मे बुनियादी ढांचे की ओर वि ोश ध्यान दिया जा रहा है। वि ववविद्यालय ने विभिनन संस्थाएं जैसे कि केन्द्रीय पुस्तकालय, छात्रावास और

प्राध्यकों के लिए संकाय केक्ष चलाए जा रहे रहे। मौजूदा ओर प्रस्तावित नये पाठ्यक्रमों के लिए नये संसथानों ओ भौक्षणिक खण्डों जोकि नवीनतम मूलभूति सुविधाओं से सुसज्जित है, छात्रावास, प्राध्यापक के लिए आधुनिक मकान ओर कर्मचारियों के लिए मकान तेजी से बनए जा रहे हैं

वि वविद्यलाय द्वारा एक भॉपिक कॉम्पलैकस स्थापित किया गया है, जहां छात्र अपनी प्रत्येक जरूरत की चीजों को खरीद सकत `है। इस छोट से बाजार में फोटोकॉपी ओर अन्य स्टे ानी समान की सुविधाएं उपलब्ध हैं वि वविद्यालय प्र ाासन द्वारा पर्याप्त सुरक्षा उपाय किए गस हैं पूरे परिसर में सी.सी.टी.वी. कैमरे स्थापित किए गए हैं छात्र, वि वविद्यालय के उपकुलपति, रजिस्ट्रार ओरअन्य अधिकारियों को जब भी उनकी किसी समस्या का सामना करना पड़ताहै, मिल सकते हे।

वि वविद्यालय द्वारा प्रदान किए जा रहे है भौक्षणिक कार्यक्रम पूर्णतः रोजगार उन्नमुखी हैं वर्तमान में वि वविद्यालय द्वारा अंग्रेजी, सामाजिक कार्य और अर्थ ाास्त्र, इंजीनियरिंग और विज्ञान, मैनजमेंट स्टडीज, विधि विदे ाी भाशाओं, ि ाक्ष, फार्मेसी, आयुर्वेद और पॉलिटेक्निक आदि हिदायते प्रदान की जा रही हैं वि वविद्यालय द्वारा कई नए कार्यक्रम जैसे कि ग्रामीण विकास योजना ओर प्रबंधन में स्नोतकोत्तर, नेटवर्क सरुखा एवं फै ान प्रोद्योगिकी में एम.टेक, अंग्रेजी तथा अर्थ ाास्त्र आदि integrated में कार्यक्रमें भी प्रदान किये जा रहे है। वि वविद्यालय में संयुक्त

राज्य अमेरिका और ब्रिटेन आदि में चल रहे विदे ाी वि वविद्यालयों के साथ भौक्षणिक आदान–प्रदान कार्यक्रम किया गया हैं यह एकमात्र ऐसा वि वविद्यालय है। जिसमें चिकित्या (आयुर्वेदिक ओर एलोपैथिक) और इंजीनियरिग दोनों कार्यक्रम प्रदान किए जा रहे है। भगत फूल सिंह महिला वि वविद्यालय, खानपुर कला (सोनीपत) एक नया वि वविद्यालय है जो अभी निर्माणवधि में है आर इसमे ंनए पाठ्यक्रम/कार्यक्रम हर साल भाुरू किए जा रहे है। इतिहास, राजनीतिक विज्ञान, भूगोल, समाज ाास्त्र, हिन्दी, मनोविज्ञान, भौतिक विज्ञान, रसायन विज्ञान, जीव विज्ञान तथ गणित में स्नातकोत्तर पाठ्यक्रमों को क्रम ाः आरम्भ किया जाऐगा।

Repair of Dams

1160 Rao Bahadur Singh: Will the Irrigation Minister be pleased to state—

(a) Whether it is a fact that Dams constructed to check the rainy water in Nangal Chudhry Constituency were damaged tow year ago, and

(b) If so, the time by which abovesaid Dams are likely to be repaired or re-constructed?

सिंचाई मंत्री (श्री हरमोहिन्द चट्ठा):

(क) हां, श्रीमान जी। छ बांध जो कि नांगल चौधरी निर्वाचन क्षेत्र के गांव धोनखेड़ा, मसनौता, ब्राह्म्णवास मुकंदरा,

नापला ओर मेघोत बिंजा में स्थित है, 2010 की वर्शा ऋतुल में आन्छित रू‍प से क्षतिग्रस्त हो गए थे।

(ख) उपरोक्त सभी बांधों की मरम्मत कर दी गई हैं

New Co-Education Government College in Madlauda

1190 Sh. Krishan Lal Panwar: Will the Education Minister be pleased to state whether there is any proposal under consideration of the Government to open a new Co-Education Government College at village Madlauda. District Panipat; if so, the time by which the aforesaid college is likely to be opened?

ि ाक्षा मंत्री (श्रीमती गीता भुक्कल मातनहेल):

नही, श्रीमान जी।

Repair of Roads

1180 Sh. Mamu Ram: Will the PWD (B&R) Minister be pleased to state:-

(a) Whether the following roads of Nilokheri constuency are in very bad condition:—

(i) Bhola Khalsa to Ramana-Ramani.

(ii) Shamgarh to Taraori;

(iii) Ranipur Roadan to Badolu Via G.T. Road;

(iv) Taraori to Anjanthali; and

(v) Badthal to Raipur Roadan: and

(b) If so, the time by which the aforesaid roads are likely to repaired?

लोक निर्माण मंत्री (श्री रणदीप सिंह सुरजेवाला):

(क तथा ख) श्री मान जी, सड़क अनुसार उत्तर निम्न से है:–

क्रं सं.	सड़क का नाम	मलिकाना	सड़क की स्थिति	मरम्मत की तिथि	टिप्पणी
(i)	भोला खालसा से रमाना रमानी	लो.नि.वि.	असंतोशजनक	30.06. 2013	मरम्मत के लिए निविदाए 31.08.12 तक प्राप्त कर ली जाएंगी। कार्य की अनुमानित लागत 66. 69 लाख रूपए है।
(ii)	भामगढ़ से तरावड़ी	ह.रा.कृ. वि. बोर्ड	असंतोशजनक	30.09. 2012	मरम्मत कार्य समिति को आबंटित कर दिय गया हैं

					कार्य की अनुतानित लागत 27. 11 लाख रूप्ए हैं
(iii)	श्रायपुर रोडान से बड़सालू बाया जी.टी. रोड	ले.नि.वि.	असंतोशजनक	30.09. 2012	इस समय, समय सीमा निर्धारित नही की जासकती। फिर भी सड़क का रख–रखाव सामान्य पैच कार्य रखा हुआ है।
(iv)	तरावडत्री से अंजनथली	लो.नि.वि	असंतोशजनक	30.06. 2013	मरम्मत के लिए निविदाए 27.08.2012 तक प्राप्त

					कर ली जाएंगी। कार्य की अनुमानित लागत 76. 65 लाख रूपए है।
(v)	बड़थल से रायपुर रोडान	ह.रा.कृ. वि. बोर्ड	अंसतोशजनक	30.06. 2012	70.19 लाख रूपए के अनुमान प्रक्रिया के अधीन है इस समय सीमा निर्धारित नही की जा सकती।

Purchase of Ventiator Machines

1174 Smt. Sumita Singh: Will the Health Minister be pleased to stae whether it is a fact that two ventilator Machines were purchased for government Hopital, Karnal if so, the coast and status thereof?

स्वास्थ्य मंत्री (राव नरेन्द्र सिंह): हां, श्रीमान जी, सामान्य हस्तपाल, करनाल के लिए वर्श 2000–2001 में दो वैटिलेटर खरीद किए गए थे। जिनकी कीमत 807500/– रूपए और 800000/– रूपए थी। ये वैटिलेटर चालू हालत में है। यद्यपि इन वैटिलेटरों केा समुचित संख मे ंप्रि ाक्षित एनस्थीसिया डाक्टर उपलबध न होने के कारण प्रयोग मे ंनही लाया जा सका क्योंकि वैटिलेअर को चलाने के लिए 24 घंटे एनस्थीटिस्ट ओर प्रि ाक्षित डॉक्टरों की आव यकता होती है।

Supply of Drinking Water

1194 Sh. Subhas Chaudhary: Will the Public Health Engineering Minister be pleased to state whether it is fact that the pipelines for supplying water inBagpur Khurd and twelve othe adjacent villages of Khadar area of Palwal has ben laid down and water has not reched in these villages so far; if so, the time by which the work for supplying water in the aforesaid area is likely to be completed?

जन स्वास्थ्य अभियांत्रिकी (श्रीमती किरण चौधरी:)

नही, श्रीमान जी।

गांव बागपुर खुर्द/कलां, सेनहेरी का नंगला, राजुपरु खादर, सोलरा,पेनरू कानंगला, बहरामपुर भोखपुर, नंगलिया झुप्पा ओर भुड़ खेदली में कुछ भागों में पाईप लाईने बिछाई जा चुकी है और मौजूदा टयूबवैलों के माध्यम से पानी का वितरण किया जा

रहा है। इसके अतिरिक्त, गांव सोलना में अतिरिक्त पाईप लाई बिछाई जा युकी हैं जो कि 31.10.2012 तक चालू हो जाएगी।

दूसरो गावों में नामतः ामले सिंह का फार्म, बम्बु का नंगला, दोस्तपुर और भोनरा में भूजल का पानी पीने योग्य है तथा इन गावों में रहने वाले लोग पानी के पानी के लिए हैंड पम्पों को प्रयोग करते हैं इसके अतिरिक्त गांव माले सिंह का फार्म में एक टयूबवैल लगा दिया है और पाईप लाईन 31.10.2012 तक बिछा दी जाएगी। इसके साथ ही गांव दोस्तपुर के लिए टयूबवैल और पाईप लाईन का 28.00 लाख रूप्ए की लागत का अनुमान स्वीकृत हो चुका हैं और यह कार्य 31.03.2013 तक पूरा हो जाएगा।

Opening of Government College

1196 Sh. Charanjeet Singh: Will the Education Minister be pleased to state whether there is an proposal under considerationof the Government to open a Government CFollege in Kalanwali Mandi; if so, the time by which the aforesaid college is likely to be opened?

ि ाक्षा मंत्री (श्रीमती गीता भुक्कल मातनहेल): नही श्रीमान जी।

Meaures to Cheeck Foolds

1203 Sh.Bishan Lal Saini: Will the Irrigation Minister be pleased to state the meaures adopted by the Government to check the floods in Yamuna river togethrewith the amount spent thereon?

सिचाई मंत्री (श्री हरमोहिन्द सिंह चट्ठा): श्रीमान जी, विवरणी सदन के पटल पर प्रस्तुत है।

विवरणी

सरकार ने यमुना नदी मे बाढ़ को रोकन के लिए अनेक कदम उठाए है जैसे कि यमुना नदी पर स्टड के निर्माण, स्टीनिंग, तटबन्ध आदि की पिचिंग। हालंकि ये कदम पिछले कई सालों से उठाए जा रहे हैं एक वि ोश परियोजना इस कामों को व्यापक तरीके से करने के लिए एक केन्द्र प्रयोजित योजना के तहत सहायता प्राप्त करने के लिए प्रस्तुत की गई। इसके बाद भारत सरकार ने एक परियोजना 11.08.2009 को 173.75 करोड़ रूप्ए की लागत से मंजूरी की है ंपरियोजना को कार्यान्वयन के लिए लिया गया हे, हालांकि इसमें व्यापक परियोजना की जरूरत है ओर 186. 74 करोड़ रूपए की रा ि ा की एक विस्तृत परियोजना रिपोर्ट केन्द्रीय जल आयोग को प्रस्तुत की गई। समाप्त किए गए कार्य व कार्यान्वित कार्यों का विवरण क व ख तालिका में दी गई है।

तालिक 'क'

(पूर्ण किए गए कार्यो का जिला क्रम विवरण)

क्रं स.	कार्य का नाम	टनुमानित लागत (लाख रूपए	वर्तमान स्थिति

		में)	
1.	Estimate for renovation 5 Nos. C.C. Block studs providing 750 boulder masonry and crated apron 4 thick C.C. 1:3:6 in a length of 4000 bund for protection to village Beligarh on river Yamuna	83.34	कार्य पूरा हो चुका है।
2.	Estimate for const. of 3 Nos. stone studs protecting to village Kanyawala on river Yamuna.	23.32	कार्य पूरा हो चुका है।
3.	Estimate for protection to village Khannuwala from river somb by restoration of 6100 bund 2350 pitching and 6 Nos. bed bars.	76.23	कार्य पूरा हो चुका है।
4.	Estimate for protection to village Rampur Gainda form river Somb by restoration of 1500 bund with pitching	46.87	कार्य पूरा हो चुका है।
5.	Estimate for restoration of 1000 bund with pitching and 5 NOs. Bed bars for protection to village Ranjipur from river Somb.	40.26	कार्य पूरा हो चुका है।

6.	Const of Nos. Bed bars and 1000 bund with pitching or protection to village Tihane from river Somb.	37.20	कार्य पूरा हो चुका है ।
7.	Estimate for const. 7 Nos. Stone studs and 630 steining opposite village Bhilpura on river Yamuna.	83.92	कार्य पूरा हो चुका है ।
8.	Const. of 5 Nos. Bed bars for protection to village Jaitpur form river Pathrala.	11.67	कार्य पूरा हो चुका है ।
9.	Const. of 4 Nos. Stone studs and 1805 steining for protection to village Karera la Chapper from river Yamuna.	170.29	कार्य पूरा हो चुका है ।
	योग	574.10	

जिला करनाल			
1.	Providing protection to Nabipur Compled by Constructing 4 Nos. Noew stone studs. Repair & strengthening of 3 Nos. old damaged studs, checking erosion& lop formation of River	279.61	कार्य पूरा हो चुका है ।

	Yamuna after flood of 2011		
2.	Providing protection to Kalsora Complex by construction 10 NOs New stone studs, repair & strengthening of 2 Nos. old kamaged studs, on River Yamuna after flood of 2011	176.75	कार्य पूरा हो चुका है।
3.	Providing protection to Kamalpur Gadrian Complex by constructing 8 Nos. New stone studs & Cheecking erosion & loop formation between the studs, on River Yamuna after flood of 2011	180.75	कार्य पूरा हो चुका है।
4.	Providing protection to Sadanpur Complex by constructing 4 Nos. new stone studs on River Yamuna after flood of 2011	60.44	कार्य पूरा हो चुका है।
5.	Constructing V.R. Bridge cum cause way at RD 57000 of Dhanaua Escape.	30.62	कार्य पूरा हो चुका है।
	योग	728.17	कार्य पूरा हो चुका है।

जिला पानीपत			
1.	Controlling loop formation and checking erosion at Tamsabad complex A/F 2011	62.00	कार्य पूरा हो चुका है ।
2.	Controlling loop formation an checking erosion at Mirzapur Complex A/E 2011	95.00	कार्य पूरा हो चुका है ।
3.	Providing protection to Mirzapur Compled by reparing 4 Nos. stone studs A/f 2011	13.58	कार्य पूरा हो चुका है ।
4.	Construction of 7 NOs. Stone Studs and S. Revertment = 61 Mtr.	141.24	कार्य पूरा हो चुका है ।
5.	Providing protection to Bilaspur Complex on River Yamuna. Stone Studs = 2 Nos. S. Revertment = 152 Mtr., S. Pitching = 1370 Mtr.	226.00	कार्य पूरा हो चुका है ।
6.	Providing protection to Bilaspur Complex on river Yamuna.	42.06	कार्य पूरा

	Stone study = 2 Nos.		हो चुका है ।
	योग	579.86	

जिला सोनीपत			
1.	Providing protection to Bega Complex Stone studs = 2 No.	95.44	कार्य पूरा हो चुका है ।
2.	Providing protection to Baroli Complex stone studs = 8 No.	160.28	कार्य पूरा हो चुका है ।
3.	Providing protection Manauli Compled Stone Studs = 12 No.	261.71	कार्य पूरा हो चुका है ।
4.	Providing protection to Mimarpur Complex Stone Studs = 10 No. S. Revertment = 67 Mtr.	242.00	कार्य पूरा हो चुका है ।
5.	Providing protection to Tikela Complex Stone Studs = 2 No.	49.04	कार्य पूरा हो चुका

			है ।
6.	Providing protection to agriculture land stone studs = 12 No.	19.4	कार्य पूरा हो चुका है ।
	योग	827.87	

जिला फरीदाबाद			
1.	Edge protection for village Abadi i.e. Villages Ismialpur, Rajpur Kalan and Dungarpur, Stone Study = 57 No.	637.53	कार्य पूरा हो चुका है
	योग	637.53	

जिला पलवल			
1.	To protect the agriculture land and village abadi i.e. villages Sutlanpur, Mewlipur, Mohali, Stone Studs = 14 No. and 1500 ft.	150.40	कार्य पूरा हो चुका है
	योग	150.40	

क्र. सं.	कार्य का नाम	अनुमानित लागत (लाख रूपये में)	वर्तमान स्थिति
जिला यमुनानगर			
1.	Const. 4 Nos. Stone studs and 650 steining for protection to village Kanaur from river Yamuna	70.08	प्रगति में
2.	Tajewala Compled (constructing Apron around damaged edge to Tajewala Barrage)	137.41	प्रगति में
	योग	204.49	

जिला करनाल			
1.	Bringing to design RD 0-27410, 37910-53410 & section on river Embankment form 71150-87150	295.19	मिट्टी का कार्य पूर्ण व पक्का कार्य प्रगति पर
	योग	295.19	

Construction of Drain

1198 Sh. Kali Ram: Will the Irrigation Minister be pleased to state—

(a) Whether it is a fact that there is no provision for the disposal of wather form the Pillukhera Mandi in Safidon Constiuency; and

(b) If so, whether there is any proposal under consideration of the Government to construct drain for the disposla of water as at (a) above?

सिंचाई मंत्री (श्री हरमोन्दि सिंह चट्ठा):

(क) नही, श्रीमान जी,। इस उद्दे च के लिए एक छोट पक्का नाला हरियाणा राज्य कृशि विपान बोड द्वारा हले से ही बनाया जा चुका है।

(ख) उपरोक्त (क) के मध्यनजर सवाल पैदा नही होता।

Extension of Lai Dora

1219 Sh. Pardeep Chaudhary: Will the Revenue and isaster Management Minister be pleased to state whether there is any proposal under consideration fo the Governme to extend La Dora of Villages inDistrict Panchkula; if so, by which the Lal Dora is likely to he bextended?

राजस्व एवं आपदा प्रबन्ध मंत्री (श्री महेन्द्र प्रताप सिंह):

(क) जी, नही।

Upgradation of Prithal as Block

1205 Sh. Raghubir Singh Tewatia: WIll the Chief Minister be pleased to state whether Prithal has been up graded to Block; ;if so, the time by which the Block level officers/oficials are likely to be appointed there so that the work can be performed somoothly?

मुख्य मंत्री (श्री भूपेन्द्र सिंह हुड्डा): हां, श्रीमान जी। खण्ड स्तर के अधिकारियों/कर्मचारियेां के पदो के स्पीकृत होने तक अतिरिक्त कार्यीाार नियुक्त कर दिया गया है।

Relief to Drought Stricken Areas

1208 Sh. Aftab Ahmed: Will the Revenue and Disaster Management Minister be pleased to state—

(a) The measures/steps taken for providing relief to the drought hit areas of the state.

(b) Whether there is anhy proposal under constructio for conduction special Girdawari for drought his areas; and

(c) Whether any measure has been taken in the past by the Government from the year 2000 onwards in such situations?

राजस्व एवं आपदा प्रबन्धन मंत्री (श्री महेन्द्र प्रताप सिंह):

श्रीमान जी, सूचना सदन के पटल पर रखी हे।

सूचना

(क) वर्शा की कमी से उत्पन्न स्थिति से निपटने के लिए उपाय किए गए ळैं मुख्य सचिव की अध्यक्षता में गठित सचिवों की एक समिति लगातार स्थिति का जायजा ले रही है। सम्बन्धित विभागों यानि कृशि, सिंचाई, विद्युत, जन स्वास्थ्य अभियात्रिकी और प ाुपापलक द्वारा आव यक कदम उठाए गए हैं

कृशि क्षेत्र में आपूर्ति के लिए मास जून–जूलाई में अतिरिक्त बिजली क्रय की गई थी। कृशि विभाग द्वारा आपातकानलीन योजना तैयाद की गई हैं सभी क्षेत्रों में पेयजल की आपूर्ति सुनि ि चत ककी जा रही हैं सिंचाई विभाग द्वारा नहर नैट वर्क का उपयोग सुनि ि चत किया जा रहा है।

इसके अतिरिक्त 4.051 करोड़ रूपए की वित्तीय सहायता प्रदान करने के लिए भारत सरकार को ज्ञापन दियागया हैं केन्द्रीय मंत्री श्री भारद पवार ओर श्री जयराम रमे ा की अध्यक्षता में कन्द्रीय टीम ने दिनांक 10 अगस्त, 2012 को चण्डीगढ का दौरा कया ता तथा रके साथ विस्तृत विचार–विम र्ा ुआ। स्थिति पर बारीकी से नजर रखी जा रही है। हालांकि पिछले दो सप्ताह के दौरान वर्शा की स्थिति सुधार हुआ है।

(ख) नही, श्री मान जी।

(ग) राज्य में वर्श 2002 तथा 2009 में सूखे की स्थिति उत्पन्न हुइ थी और केन्द्रीय राहत के लिए ज्ञापन भारत सरकार

को प्रस्तुत किए गए थे। वि ोश गिरदावरी के उपरान्त वर्श 2002 में 85 करोड़ रूपए तथा वर्श 2009 में 82.00 करोड़ रूपए की राहत रा ि ा प्रदान की गई थी।

अतारांकित प्र न एवं उत्तर

Quantum of Electricity Supply

218 Sh. Parminder Singh Dhull: Will the Power Minister be pleased to state—

(a) The queantum of electicity provided to the whole of Haryana state during the years 2010-11, 2011-12 and upto July, 2012.

(b) The name of the sources form where the arrangements of electricity has been made;a nd

(c) The quantum of electricity generated by the Haryana State by its own sources?

बिजल मंत्री (कैप्टन अजय सिंह यादव):

श्रीमान,

(क) वर्श 2010–11, 2011–12 तथा जुलाई, 2012 तक के दौरान पूरे हरियाणा राज्य के लिए आपूर्ति की गई बिजली की मात्रा क्रम ा: 34543.98 मिलियन यूनिट (एन.यू), 38394.79 एम.यू. तथा 13109.67 एम.यू. है।

(ख) मुख्य स्त्रोत जहां से बिजली के प्रबन्ध किए गए है, निम्न प्रकार है।

(i) राज्य की उत्पान यूनिटे

(ii) केन्द्रीय उत्पाादन यूनिटे

(iii) अक्षय ऊर्जा प्लांट

(iv) स्वतंत्र विद्युत उताादन (आई.पी.पी.)

दैनिक आधार पर खुल टैंडर/विद्युत विनिमयों के माध्यम से बैकिंग, अनिर्धारित इंटरचेंज (यू. आइ.) तथा क्रय के माध्यम से अल्प अवधि विद्युत।

(ग) वर्श 2010–11, 2011–12 तथा 2012–13 (जुलाई, 2012 तक) के दौरान हरियाणा राज्य के अपने उत्पादन विद्युत केन्द्रों द्वारा उत्पादित बिजली की मात्रा क्रम ः 15907 एम.यू., 18815.61 एम.यू. तथा 5126.85 एम.यू. हैं

External Development Charges

229 Smt. Kavita Jain: Will the Chief Minister be pleased to state—

(a) The amount collected so far after the implementation of the External Development Charges by the department; and

(b) The details of items on which the amount has been spent out of the above said collected amount?

मुख्य मंत्री (श्री भूपेन्द्र सिंह हुड्डा):

(क) सूचना के संग्रह में किए जाने वाले प्रयास ओर संसाधन इस सूचना से प्राप्त होने वालो लाभ के महत्व के अनुरूप नही है।

Loss th crops Due to Frost

221 Master Dharmapal Obra: Will the Revenue and Disaster Mangagment Minister be pleased to state:-

(a) Whether it is fact that heavy loss was caused to the Rabi crops such as mustard, gram wheat etc. and aslo to the vegetables due to frost in district Bhiwani and Mahendergarh during the year 2012 and the Government has also got conducted special gridawari by the Revenue Department; and

(b) If so, Whether there is any proposal under consideration of the Government to grant compensation to the affected farmers togetherwiththe rate at which the compensationis likely to be granted in view of fact htat forst has been considered as natural calamity by the Central Government; if not, the reason thereof?

राजस्व एवं आपदा प्रबन्धन मंत्री (श्री महेन्द्र प्रताप):

(क) जी हां।

(ख) श्रीमानजी, भारत सरकार से ज्ञापन के माध्यम से पाला/सर्द हवाओं को राज्य आपदा प्रतिक्रिया कोश की योजना में सम्मिलित करने हेतु अनुरोध किया गया हैं। 300 करोड़ रूपये की रा ि ा प्रदान किए जाने का अनुराध किया गया जो कि विचारधीन हैं

Re-Constructio of Road

232 Dr. Hari Chand Midha: Will the PWD (B&R) Minister be pleased to state—

(a) Whether there is any proposal under consideratio of the Government to reconstruct the damaged road from village Nirjan to Gohana road via Pandu Pindara place of Pilgrimage;a nd

(b) If so, the time by which the abovesaid road is likely to the reconstructed?

लोक निर्माण मंत्री (श्री रणदीप सिंह सुरजेवाला):

(क) हां, श्रीमान जीं

(ख) इस समय, समय सीमा तय नही की जा सकती।

Up-gradation of School

237 Sh. Krishan Lal Panwar: Will the Education Minister be pleased to state whether ther eis anyh proposla under consideration of the Government toupgrade the Goovernment Middle School of Village Schodapur in District

Panipat to Government Hight School; if so, the time by which the abovesaid school is likely to be uggraded?

ि ाक्षा मंत्री (श्रीमती गीता भुक्कल): नही, श्रीमान जी, ऐसा कोई प्रस्ताव विधारधीन नही है क्येांकि यह विद्यालय दर्जा बढ़ान के निर्धारित मापदण्ड पूर्ण नही करता।

Widening ans strengthening of Road

239 Sh. Ram Pal Majra: Will the PWD (B&R) Minister be pleased to state whether there is any proposal under consideration of the Government to widening and strengthening of Raod from National Hightway-65 to Railway Stations as Kalayat; if so, the timeby which aforesaid work is likely to the materialized?

लोक निर्माण मंत्री (श्री रणदीप सिंह सुरजेवाला): हां, श्रीमान जी। प्रस्ताव विचारधीन है। फिर भी इस समय, समय सीमा निर्धारित नही की जा सकती।।

Disbursal of Old Age Pension

240 Col. Raghbir Singh: Will the social justice and Empowernment Minister be pleased to state—

(a) Whehter it is a fact that old age pension is not being disbursed in Badhra Constituency for the last serveral months; if so, the reasons thereof; and

(b) Whether the Government will make arrangement to disburse the old age pension every month in the abovesaid Constituency?

सामाजिक न्याया एवं अधिकारित मंत्री (श्रीमती गीता भुक्कल मातनहेल):

(क) नही, श्रीमान जी। वास्तव मे ंपिछले एक माह से बाढ़डा ब्लॉक में खण्ड विकास एवं पचायत अधिकारी न होने के कारण मास जून, 2012 की पैं ान की अवितरित रा ि ा बैक से नही निकालवाई जासकी। अब उपमण्डल अधिकारी (ना0), दादरी को खण्ड विकास एवं पंचायत अधिकारी, बाढ़डा की ड्यूटी दी गई तथा तदानुसार, अब यह पै ान बंट चुकी हैं

(ख) जी हां, श्रीमान जी। सभी लाभपत्रों को डाटाबेस अपडेट कर दिया गयाहैं और पै ान वितरण प्रणाली का सरलीकरण भी किया गया है ताकि प्रत्येक माह की 1 तारीख को पै ान बांटी जानी सुनि ि चत हो। इसके साथ–साथ जुलाई, 2012 से पै ान की रा ि ा सीधे ग्राम पंचायतों/ ाहरों स्थानीय निकायों के समर्पित खातों में जमा की जा रही है। जुलाई, 2012 की पै ान अगस्त, 2012 में वितरितकी गई जोकि 1 अगस्त, 2012 से बांटी जानी आरम्भ की गई।

CHC at Mohana

247 Sh. Jagbir Singh Malik: Will the Health Minister be pleased to state whether CHC for Mohana has been sanctioned; if so the time by which the construction work of the aforesaid CHC is likely to be stared?

स्वास्थ्य मंत्री (राव नरेन्द्र सिंह):

नही, श्रीमान जी।

Job of Family Member

248. Sh. Bishan Lal Saini: Will the Power Minister be pleased to state whether there is any proposal under consideratio of the Government to provide job to any member of those families whos land was acquired for thermal Power Plant. Yamunanagar.

विद्युत मंत्री (कैप्टन अजय सिं यादव):

नही, श्रीमान जी।

Foreign Tours Undertaken by CM/Ministers

241. Sh. Abhay Singh Chautala: Will the Chief Minister be pleased to state—

(a) The details of foreign tours undertaken by the C.M./Minister/CPS/Officers etc., during the period from 1-4-2005 to 31-07-2012;

(b) The number of persons officials and non officials who accompained each delegation during foreign tours alongwith the total expenditure involved on each tour as at (a) above/

(c) The details of the total investment, if any, made in the state of Haryna separately on the invitation/motivationof th delegations as at (a) above; and

(d) The consequential benefiits, if any, offuring to the stae as a result of foreign tours?

मुख्य मंत्री (श्री भूपेन्द्र सिंह हुड्डा):

श्रीमान जी, इस सूचना को एकत्रित करने के लिए जो प्रयास अपेक्षित है, वे मिलने वाल परिणाम के अनुरूपनही होगे।

Payment of Sixth Pay commission Arrears

245 Sh. Krishan Lal Kamboj: Will the Co-operation Minister be pleased to state whether it is fact that arrenar from the period 1-2-2006 to 31-12-2008 of 6th pay Commission hs not yet been paid to the class III and IV employees of central Co-operative Banks in the State; if so, the reasons thereof together withtime bywhich the aforesaid arrears are likely to be paid by the Government?

सहकारिता मंत्री (श्री सतपाल सांगवान):

श्रीमान जी, छठे वेत आयोग के आधार पर 1.1.2006 से केन्द्रीय सहकारी बैकों के कर्मचारियों को वेतनमान दिए गए थे। यद्यपि केन्द्रीय सहकारी बैकों की कमजोर वित्तीय स्थिति को देखते हुए वित्तीय लाभ 1.1.2009 से दिए गए थे, परन्तु वेतननिर्धारण के लिए काल्पनिक लाभ 1.1.2006 से दिया गयाथा कुछ केन्द्रीय सहकारी बैकों के कर्मचारी संगठनों ने 1.1.2009 की बजाए 1.1.2006 से बकाया का भुगतान करने के लिए माननीय पंजाब एवं हरियाणा उच्च न्यायालय में याचिका दायर की थी। माननीय पंजाब एवं हरियाणा उच्च न्यायालय द्वारा कुछ मामलों में बकाय रा ि। जारी करने के लिए निर्दे । दिए गस। संबंधित केन्द्रीय सहाकरी बैकों द्वारा माननीय पंजाब एवं हरियाण उच्च

न्यायालय के इन निर्णयों के विरूद्ध अपील दायर की जा रही हैं यह मामला सरकार के पास भी विचारधीन है।

Shortage of Drinking water

2343 Sh Pardeep Chaudhary: Will the Public Health Engineering Minister be pleased tostae whether it is a fact there is acute shortage of drinking water in Bhoj Tipra, Bhoj Koti, Kothi Baladwala. Bhoj Naggal, Bhoj Naita and Bhoj Dharti villages of Morni Block district Panchkula. If so, the steps being taken by the Government to solve the problem of drinking water in the aforesaid villages?

जन स्वास्थ्य अभियांत्रिकी मंत्री (श्रीमती किरण चौधरी):

जी हां, श्रीमान यह तथ्य है। कि ब्लॉक मोरनी, जिला पंचकूला के भोज टिपरा, भोज कोटी, कोठी, बलदवाला, भोज नग्गल , भोज नेता तथा भोज धरती गावों में वि ोशकर गर्मी के मौसम में पीने के पानी की कमी हेाती हैं

ब्लॉक मोरनी, जिला पंचकूला के लिए एक 6.02 करोड़ रूपये की जल आपूर्ति बढ़ौत्तरी परियोजना तेरहवे वित्त आयोग क अन्तर्गत भारत सरकार के पास विचारधीन हैं ओर भोज टिपरा, भोज कोठी, भोज नग्गल, भोज नैता तथा भोज धरती गावों को भी इस परियोजना में भाामिल किया गया है। इसके अतिक्ति गांव बदलवाला में टयूबवैल लगाने के लिए 17.25 लख रूपए के एक अनुमान का जुलाई, 2012 में प्र ाासकीय अनुमोदन करवाया गया है ओर यह टयूबवैल 31.3.2013 तक चालू हो जाएगा।

Repair of Roads

251. Sh. Ashok Kashyap: Will the PWD (B&R) Minister be pleased to state whether there is any proplsal under consideration of the Government ot repair the link roads from Gheer to Kunjpura via Mohdinpur, Indri to Binan, Indri tot Choughma via-Umapar. Indri to Dhanoura via Jainpar and Hinori via Badagav to Landora and Indri to Ladwa?

लोक निर्माण मंत्री (श्री रणदीप सिं सुरजेवाला):

श्रीमान् जी, सड़के अनुसार उत्तर निम्न है:—

क्रं सं.	सड़क का नाम	भाग	मालिकाना	लम्बाई (कि. मी. में)	टिप्पणी
1.	घोड से कुंजरा वाया मोहदीनपुर सड़क	घोड से कुंजरा वाया मोहदीनपुर मुगल माजरा से कुंजपरु	लो.नि.वि लो.नि.वि.	5.94 3.40	अनुमान तैया किया जा रहा है। सड़क का रख रखाव सामान्य पैच कार्य द्वारा किया जाता है।
2.	इन्द्री से ब्याना	इन्द्री से	लो.नि.वि.	6.30	सड़क 294 लाख रूपए की अनुमानित

	सड़क	ब्याना सड़क			रा ि ज्ञ से 2011–12 के वर्क प्लान में स्वीकृत हैं तकनीकी व प्र ाासनिक औपचारिकाए पूर्ण करने के उपरान्त सड़क की मरम्मत की जाएगी।
3.	इन्द्री से चौगामा वाया उमरपुर	इन्द्री से गढ़ी बीरबल	लो.नि.वि.	11.10	सड़क 552.83 लाख रूपए की की अनुमानित रा ि ा से 2011–12 के वर्क प्लान में स्वीकृत हैं तकनीकी व प्र ाासनिक औपचारिकताएं पूर्ण करने के उपरान्त सड़क की मरम्मत की जाएगी।
		पहुंच सड़क से उमरपुर	लो.नि.वि	1.30	सड़क को रख रखाव सामान्य पैच कार्य द्वारा किया जा रहा है।
		गढ़ी	लो.नि.वि	1.61	सड़क का रख रखाव सामान्य पैच पैच

		बीरबल			कार्य द्वारा किया जा रहा है।
		चन्द्रा से चौगामा	लो.नि.वि.	1.79	कार्य एफ.डी.आर. कार्यक्रर्म में स्वीकृत हैं निविदाए 27.08.12 को प्राप्त होनी है।
4.	इन्द्री से धनौस वाया जैनपुर तथा हिनोरी	इन्दी से बढेड़ी	लो.नि.वि.	3.10	कार्य एफ.डी.आर. कार्यक्रर्म में स्वीकृत हैं निविदाएं 14.09.12 को प्राप्त होनी है भोश भाग आर. डी. 2.60 से 3.10 की स्थिति पूर्ण करने के उपरान्त संतोशजनक है।
		बढेड़ी से केहरबा	ह.रा.कृ. वि. बोर्ड	2.81	कार्य हाल में ही समिति को आंबटित कया गया है तथा 2 महीने में मरम्मत किए जाने की संभावना है।
		केहरबा से जैनपुर	लो.नि.वि.	0.43	सड़क का रख रखाव सामान्य पैच कार्य द्वारा किया जा रहा है।

		जैनपरु से टापरियों बुढनपुर	लो.नि.वि.	2.95	सड़क का रख रखाव सामान्य पैच कार्य द्वारा किया जा रहा है।
		टापरियां स छापरिया	लो.नि.वि.	1.80	कार्य 27.20 लाख रूपए की रा ि ा से ह. रा.कृ.वि. बोर्ड से सड़कों के कार्यक्रम में स्पीकृत हैं निविदाएं 31.08.2012 को प्राप्त होनी है।
		छापरियां से हिनोरी	लो.नि.वि	2.47	सड़क का रख रखाव सामान्य पैच कार्य द्वारा किया जा रहा है।
		हिनोरी से लाडवा जिाल सीमा तक	लो.नि.वि	0.45	सड़क का रख रखाव सामान्य पैच कार्य द्वारा किया जा रहा है।

		हिनोरी से भोखूपुरा	लो.नि.वि	1.84	सड़क का रख रखाव सामान्य पैच कार्य द्वारा किया जा रहा है।
5.	बड़गांव से लंडौरा	बड़गाव से लंडौरा	लो.नि.वि	2.60	सड़क का रख रखाव सामान्य पैच कार्य द्वारा किया जा रहा है।
6.	इंद्री से लाडवा	इंद्री से लाडवा	लो.नि.वि	11.50	7.78 कि.मी. बी.एम. सतह तक तथा 3.72 कि.मी. में चौड़ा करनेका कार्य पूरण कर लियाहै, समिति ने कायर्क अधूरा छोड दिया हैं भोश कार्य की निविदाए 14.09. 12 को प्रापत होनी है।

Demand and supply of Electricity

219 Sh. Parminder Singh Dhull: Will the Power Minister be pleased to state:—

(a) The detail of demand and supply of electricity during the period from the year 2010-11 to July, 2012; in the villagees of Jullana constituecy; and

(b) The number of new transformer installed during the period form the year 2010 to July, 2012?

बिजली मंत्री (कैप्टन अजय सिंह यादव):

(क) श्रीमान जुलाना निर्वाचन क्षेत्र के गावों में वर्श 2010—11 से जुलाई, 2012 तक की अवधि के दौरान बिजली की मांग एवं आपूर्ति का ब्यौरा नीचे तालिका में दिया गया हैः—

वर्श	मांग (लाख यूनिट में)	बिजली आपूर्ति (लाख यूनिट में)
2010—11	1840	1532
2011—12	2110	1758
2012—13 (जुलाई 2012 तक)	715	594

बिजली की मांग का निर्धारण ठीक तरहसे नही किया जा सकतस। मांग के अस्थायी आंकड़ों का अनुममान विद्युत विनियामक द्वारा अपनाए गए मानदण्डों के अनुसार लगाया जाता है।

(ख) वर्श 2010 से जुलाई, 2012 तक की अवधि के दौरान जुलाना निर्वाचन क्षेत्र के गांवों में स्थापित नए ट्रांसफार्मरों की संख्या का विवरण नीचे तालिका में दिया गया है:–

वर्श	जुलाना निर्वाचन क्षेत्र के गावों में स्थापित नए ट्रांसफार्मरों की संख्या
2010–11	29
2011–12	31
2012–13 (जुलाई, 2012)	9

Constructionof ROB

230 Smt. Kavita Jain: Will the PWD (B&R) Minister be pleased to state:-

(a) the number railway over bridges sanctioned in the state by the Railway during the last ten years together withthe names of places thereof; and

(b) The number and the names of the places where the construction work of aforesaid ROB has been started?

लोक निर्माण मंत्री (श्री रणदीप सिंह सुरजेवाला):

श्रीमान् जी, इसकी जानकारी निम्न प्रकार से है।

रेलवे द्वारा राज्य में पिछले 10 वर्शो से 58 उपरगामी/भूमिगत पुलों को स्वीकृत किया गया हैं (वर्श 2002–2003 से 2011–2012) जानकारी निम्नलिखित है।

(क) पिछले 10 वर्श में 58 उपरगामी/भूमिगत पुलों को स्वीकृत किया गया है।

स्थान	संख्या	स्थान	संख्या	स्थान	संख्या
करनाल	2	दादरी	1	कुरूक्षेत्र	1
हिसार	3	टोहाना	1	फरीदाबाद	2
रेवाड़ी	3	बहादुरगढ़	1	पानीपत	1
केसरी (अम्बाला)	1	समालखा	1	मोहरी (अम्बाला)	1
गन्नोर	8	तरावड़ी	1	जींद	1
रोहतक	2	बराड़ा	1	सांपला	1
पलवल	1	नीलोखेड़ी	1	गोहाना	1

बलबगढ़	1	भााहबाद	1	असौघा	1
गुडगावं	1	सोनीपत	3	डबवाली	1
हैली मण्डी (गुडगांव)	1	यमुनानगर	1	हांसी	1
दौलताबाद (गुडगावं)	1	कोसली	1	भटटू (फतेहाबाद)	1
सिरसा	3	पंचकूला	1	होडल	1
महेन्द्रगढ़	1	बडखड (फरीदाबाद)	1		1
योग	**29**	**योग**	**16**	**योग**	**13**
कुल योग = (29 + 16 + 13) 58					

(ख) 36 उपरगामी व भूमिग पुल पूरे हो चुक है/नीये दिखाया गए स्थानों पर टेबल के अनुसार

स्थान	सख्या	स्थान	संख्या	स्थान	संख्या
करनाल	1	दोलताबाद	1	तरावड़ी	1

		(गुडगांव)			
हिसार	2	सिरसा	1	बराड़ा	1
रेवाडी	2	भिवानी	1	कोसली	1
केसरी (अम्बाला	1	महेन्द्रगढ़	1	पंचकूला	1
गन्नौर	1	दादरी	1	बड़खल (फरीदाबाद)	1
रोहतक	5	कैथल	1	कुरूक्षेत्र	1
पलवल	2	टोहाना	1	फरीदाबाद	2
बलबगढ	1	बहादुरगढ़	1	सोनीपत	1
गुडगांव	1	समालखा	1	मारनी (अम्बाला)	1
हैलो मण्डी (गुडगांव)	1				
योग	**17**	**योग**	**09**	**योग**	**10**

कुल योग = (17 + 9 + 10) 36

Number of Doctors and specialists in the CHC/PHC

222. Master Dharmapal Obra: Will the health Minister be pleased to state:-

(a) The number of sanctioned posts of doctors particularly of the specialists in the community Health Centre of Lohaur and Siwani and Primary Health Centre of Nakipur, Behal and Dighawa togetherwith th number of posts of Doctors lying vacant alongwith the time by which the aforesaid vacant post of doctors and specialists are likely to be filled up; and

(b) Whether it is a fact that many posts of Pharmacists are also lying vacant in the CHCs and PHCs as referred to in part (a) above; if so, the time by which the vacant posts of Pharmacists are likely to be filled up?

स्वास्थ्य मंत्री (राव नरेन्द्र सिंह): श्रीमान् जी,

(क) सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र, लोहारू में एक वरिश्ठ चिक्त्या अधिकारी तथा 7 चिक्त्या अधिकारी के पद स्वीकृत है इनमें से 3 चिक्त्या अधिकारियों के पद पर रिक्त है। सामान्य हस्पताल, सिवानी में 6 अधिकारियों के पद स्वीकृत है। इनमें से 1 चिक्त्या अधिकारी का पद पर रिक्त हैं प्राथमिक स्वास्थ्य केन्द्र नकीपुर में, बहल ओर ढिगावा प्रत्येक मे चिक्त्या अधिकारियों के 2 पद स्वीकृत है उनमे सें एक पद प्रत्येक प्राथमिक स्वास्थ्य केन्द्र नकीपुर में, बहल और ढिगावा में रिक्त हैं। राज्य मे ंवि ोशज्ञों

चिक्त्या अधिकारियों के पद चिहिन्त किए गए हैं काई वि ोशज्ञ नियुक्त नही किया गया क्योंकि वि ोशज्ञ चिकित्सकों की कमी है। प्राथमिक स्वास्थ्य केन्द्रों में वि ोशज्ञ उपलब्ध करवाने बारें काई नीति नही है।

(ख) सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र लौहारू में फार्मेसिस्टों के पद स्वीकृत है। इनमें से 1 पद रिक्त हैं सामान्य अस्पताल, सिवानी में फार्मेसिस्टों के 2 पद स्वीकृत है, इनमे ंसे एक पद रिक्त है। प्राथमिक स्वास्थ्य केन्द्र नकीपुर में, बहल और ढिगावा में प्रत्येक में फार्मेसिस्ट का एक पद स्वीकृत है, सभी भरे हुए हैं फार्मेसिरटों के 165 रिक्त पदों को भरने हेतु मांग पत्र हरियाणा कर्मचारी चयन आयोग को भेजा हुआ है। चयन होने के प चात् रिक्त पदों का भरने के प्रयत्न किए जाऐगे।

Desiting of Hansi Branch Canal

233 Dr. Hari Chand Middha: Will the Irrigation Minister be pleased to state:-

(a) The date on which the last desiting work of Hansi. Branch canal was done; and

(b) The amount spent on th edesilting and the improvenment of the Hansi Branch canal after the year 2000?

सिंचाई मंत्री (श्री हरमोहिन्द्र सिंह चट्ठा):

(क) तथा (ख) हांसी ब्राच जिसकी क्षमता भ्रुरूआती छोर पर 8000 क्यूसिक ओर लम्बाई 72.66 कि.मी. है, मुनक हैड से

निकलती है। इस नहर की साइडों को 1999 से 2004 के बीच 16. 32 करोड़ रूपए की लागत से पक्का किया गया था क्योंकि बर्म काटने का कार्य भी इस काम का हिस्सा था। अतः इस की गाद निकालने की और जरूरत नही है।

238 Sh. Krishan Lal Panwar: Will the Industrial Trainign Minister be pleased to state whether there is anyproposal under consideration of the Government to open an ITI in village Madlouda of District Panipat; if so, the time by which aforesaid ITI is likely to be opened?

ि ाक्षा मंत्री (श्रीमती गीता भुक्कल मातनहेल):

हां, श्रीमान जी।

उपयुक्त भूमि उपलबध होने पर भारत सरकार की कौ ाल विकास योजना के अन्तर्गत पी.पी.पी. मोड में आई.टी.आई. खोलना विचारधीन है। इस स्थिति में कोई भी समय सीमा निर्धारित नही की जा सकती।

Repair of Roads

249. Sh. Bishan Lal Saini: Will the PWD (B&R) Minister be pleased to state the time by which the link road form village Damla to Khurdi of Redaur Constituency is likely to be reparied.

लोक निर्माण मंत्री (श्री रणदीप सिंह सुरजेवाला):

इस समय, समय सीमा तय नही की जा सकती।

Expenditure on Ifthar Party

242 Sh Abhay Singh Chautala: Will the Chief Minister be pleased to state:-

(a) Whether it is a act that the ifthar parties in the state were organized state expenses by the Government during the period from 1-4-2005 to date; and

(b) If so, the details of the expenditure incurred by the state Government on each Ifthar Pary organized during the period mentoned at (a) above?

मुख्य मंत्री (श्री भूपेन्द्र सिह हुड्डा):

(क) एवं (ख) हां, श्रीमान् जी, तथ्य यह है कि राजय में 2006, 2007, 2008, 20011, 20012 में राज्य सरकार द्वारा राज्य के खर्चो पर इफ्तार पार्टियां आयोजित की गई हैं इस अवधि के दौरान आयोजित की गई प्रत्येक इफ्तार पार्टी पर राज्य सरकार द्वारा किए गए खर्चे का ब्यौरा निम्न प्रकार है:–

क्रमांक	वर्श	खर्च
1	2006	2715216
2.	2007	2217799
3.	2008	3381895
4.	2011	4400000

5.	2012	उपायुक्त, मेवात से अभी खर्च का वितरण प्राप्त नही हुआ है।

Facilities to the Retired Employees

246. Sh. Krishan Lal Kamboj: Will the Co-operation Minister be pleased to state:-

(a) The faciliites being provided to the retired employees of Central Co-operative Banks in Haryana;

(b) Whether there is any provision for paying monthlymedical allowance to the retired employees of centrl Co-operative Banks and whether the expenses incurred as indoor patient are reimbursheabel;

(c) Whether LTC facility has been provided to the retired employees of Central Co-operative banks; and

(d) Whether there is any provision for giving pension to the employees of Central Co-operative Banks?

सहकारिता मंत्री (श्री सतपाल सांगवान):श्रीमान्, जी,

(क) केन्द्रीय सहाकारी बैकों के कर्मचारियेां की सेवाए हरियाणा राज्य केन्द्रीय सहाकारी बैकों के कर्मचारी सेवा नियम 1975 के अधीन नियंत्रित है और सभी सुविधाए उपरोक्त नियमों के प्रावधानों अनुरूप उपलब्ध करवाई जाती है। ये नियम केवल

कार्यरत कर्मचारियों के लिए ही लागू होते है न कि सेवानिवृत कर्मचारियें के लिए।

(ख) कथित सेवा नियमों में सेवानिवृत कर्मचारियेां को मासिक चिकित्या भत्ता देने को कोई प्रावधान नही हैं लेकिन केन्द्रीय सहकारी बैक करनाल अपने सेवानिवृत कर्मचारियों को बैंक के लाभ से सृजित किए गए कल्याण कोश से चिकित्या सुविधाएं उपलब्ध करवा रहा है। केन्द्रीय सहकारी बैकों के सेवानिवृत कमचारियों को अतरंग रोगी के रूप में आने वाले खर्च की प्रतिपूर्ति नही की जा रही।

(ग) कथित सेवा नियों में सेवनिवृत कर्मचारियों के लिए एल.टी.सी. सुविधा का कोई प्रावधान नही है।

(घ) नही, केन्दीय सहाकारी बैक के कर्मचारियों को पै ान देने का कोई प्रावधान नही है, क्योकि केन्द्रीय सहकारी बैक कर्मचारियों के भविश्य निधि में समान मात्रा में अं ादता देता हैं।

Payment of Compensation

244. Sh. Pardeep Chaudhary: Will the Minister of state for Labour and Employment be pleased to sate whether any order in regard to payment of compensation ot th eretrenched workers of Bhupindra Cement Factry (Company), Surajpur (Panckhula) has been issued/passed by the Secretary of labour Department; if so, the steps taken by the department to implement the aforesaid order?

श्रम एवं रोजगार राज्य मंत्री (श्री ि ावचरण लाल भार्मा): नही श्रीमान् जी, इस प्रकार का कोई आदे ा पारित नही किया गया।

Transfer of Panchayat Land

220. Sh. Parminder Singh Dhull: Will the Consolidation Minister be pleased to state the details of total Panchayat Land transferred in favour of private persons by variour Director Genrals of Consolidation by using the power under section 42 of Consolidation Act throughout Haryana since 2005 ownward?

राजस्व एवं आपदा प्रबन्ध मंत्री (श्री महेन्द्र प्रताप):

श्रीमान जी, मांगी सूचना निदे ाालय चकबन्दी में उपलब्ध नही हैं अधीन धारा 42 के फैसले के प चात् पूरा रिकॉड उपायुक्तो ंको जमा करवा दिया जाता हैं यह सूचना एंक्ट के अधीन फैसले में केवल जिला सोनीपत, गुडगांव, पलवल तथा मेवात एट नूह में पंचायत भूति का स्थानान्तरण पाया गया है। ऐसी भूति जो स्थानान्तरण की गई है क गांव एवं जिला सहित विस्तार से स्थिति अनुसार हैः–

क्रं सं.	नाम गांव	रकबा
1.	पुगथला	1–14

2.	ढाणीकुतबपुर	1—04
3.	पुरखास राठी	0—06
4.	बेगा	4—00

क्रं सं.	नाम गांव	रकबा
1.	बहरामपुर	44—16
2.	बहरामपुर	44—12
3.	बहरामपुर	44—17
4.	बहरामपुर	02—04
5.	बलौला	02—10
6.	बलौला	07—08
7.	उलहावास	06—12
8.	घाटा	04—13
9.	ग्वाल पहाड़ी	53—06
10.	ग्वाल पहाड़ी	00—01

11.	ग्वाल पहाड़ी	01—01
12.	ग्वाल पहाड़ी	24—00
13.	बन्धवाड़ी	54—02
14.	बन्धवाड़ी	18—19
15.	बन्धवाड़ी	09—13
16.	बन्धवाड़ी	22—11
17.	बाद ाहपुर	08—00

जिला पलवल		
1.	जनौली	11—10
2.	फजलपुर	00—12

जिला मेवात		
1.	फतेहपुर	01—05

Generator Sets for Water Boosting Stations

231 Smt. Kavita Jain: Will the publice Health Engineering Minister be pleased to state:-

(a) The number of the Water Boosting Stations where th facility of generator sets is available in the state togheterwith the name of places thereof; and

(b) If the replytopart (a) is in negative whethe ther eis any proposal under consideration of the Government to install generator sets on water Boosing Station for thesupply of drinking water.

जन स्वास्थ्य अभियात्रिकी (श्रीमती किरण चौधरी):

(क) जी हां, श्रीमान। राज्य में 30 वाटर बूस्किंअग स्टे ानों पर जरेटर सेट्स की सुविधा उपलब्ध हैं और उनक स्थानों के नाम द ार्ान वाल स्टेटमैंट सदन पर रखी है।

(ख) जनरेटर सेट्स आव यकता अनुसार वि ोश स्थानों पर लगाए जाते हे।

स्टेटमैंट

वाटर बूस्टिग स्टे ानों पर लगाए गए जनरेटस सैट्स का विवरण

क्रं सं0	जिला का नाम	वाटर बूस्टिंग स्टे ान का नाम	लगाए गए जनरेटर सेट्स की संख्या
1	2	3	4

1.	अम्बाला	बूस्टिंग स्टे ानप इन्दिरा पार्क, अम्बाला	1
2.	अम्बाला	बुस्टिंग स्टे ान सुभाश कालोनी, अम्बाला	1
3.	भिवानी	बुस्टिंग स्टे ान न्यू हाउसिंग बोर्ड कालोनी, दादरी गेट, भिवानी	1
4.	गुडगांव	बुस्टिंग स्टे ान सोहना	1
5.	कैथल	बुस्टिंग स्टे ान कलायत भाहर	1
6.	कैथल	बूस्टिंग स्टे ान, होगरान गेट, कैथल	3
7.	मेवात	मुख्य बुस्टिंग स्टे ान मरयाकी	2
8.	मेवात	इंटरमिडियेट बुस्टिंग स्टे ान, मरयाकी	1
9.	मेवात	इंटरमिडियेट बुस्टिंग स्टे ान, मरयाकी	1
10.	मेवात	इंटरमिडियेट बुस्टिंग स्टे ान, सुडाका	1
11.	मेवात	इंटरमिडियेट बुस्टिंग स्टे ान,	1

		सांगल	
12.	मेवात	इंटरमिडियेट बुस्टिंग स्टे ान, पुन्हाना	1
13	मेवात	इंटरमिडियेट बुस्टिंग स्टे ान, खानपुर घाटी	1
14.	पलवल	इंटरमिडियेट बुस्टिंग स्टे ान, सिंकरावा	1
15.	पलवल	मुख्य बुस्टिंग स्टे ान, रहीमपुर	3
16.	पलवल	मुख्य बुस्टिंग स्टे ान, कोंडल	2
17.	पलवल	मुख्य बुस्टिंग स्टे ान, महोली	2
18.	पलवल	इंटरमिडियेट बुस्टिंग स्टे ान, कोंडल	1
19.	पलवल	इंटरमिडियेट बुस्टिंग स्टे ान, हुच्छीपुरी	1
20.	पलवल	इंटरमिडियेट बुस्टिंग स्टे ान, रूपराका	1
21.	पलवल	इंटरमिडियेट बुस्टिंग स्टे ान, मंडकोला	1
22.	पंचकूला	बूस्टिंग बुस्टिंग स्टे ान,मोरनी	1

23.	पंचकूला	बूस्टिंग बुस्टिंग स्टे ान, चामला	1
24.	पंचकूला	बूस्टिंग बुस्टिंग स्टे ान, बारीसर	1
25.	पंचकूला	बूस्टिंग बुस्टिंग स्टे ान, सुन्न	1
26.	पंचकूला	बूस्टिंग बुस्टिंग स्टे ान, टिक्कर	1
27.	पंचकूला	बूस्टिंग बुस्टिंग स्टे ान, हाउसिंग बोर्ड, कालका	1
28.	पंचकूला	बूस्टिंग बुस्टिंग स्टे ान, लोहगढ़	1
29.	पंचकूला	बूस्टिंग बुस्टिंग स्टे ान, सिउड़ी	1
30.	पंचकूला	बूस्टिंग बुस्टिंग स्टे ान, बिटना	1
	कुल	30 नम्वबर	1

Security and other Charges of Tube-well connections

223. Master Dharampla Obra: Will the Power Minister be pleased to state:—

(a) Whether it is a fact that the security and other charges for tube-well connections has been increased heavily by the Haryana Vidyut Parsaran Nigam Limited; and

(b) If so, whether there is any proposal under consideration of the Government to rollback the above said increase in the rates and charges?

बिजली मंत्री (कैप्टन अजय सिंह यादव):

उत्तर सदन के पटर पर प्रस्तुत है।

विवरणी

(ए) एच.ई.आर.सी. के विनियों के अनुसार, नलकूप कनेक ान के संबंध में नए कनैक ान क लिए आवेदन से वसूली योग्य बिजली उपभोग्ता की प्रतिभूति की लागू दरें 100 रूपए प्रति किलोवाट है। तथ्ज्ञा यह वर्श 2005 से सं ाोधित नही की गई है। यद्यपि, नलकूप कनेक ानों को जारी करने के लिए सं ाोधित स्कीम के अनुसार, जिन किसानों को दिनांक (31.12.2010 तक) डिमांड नोटिस जारी किए गए हैं तथा धनरा ि ा पूर्ण रूप से जमा करवाई गइ है, तो कनेक ान पुरानी पॉलिसी के अनुसार जीर किए जाएंगे तथा जिन किसानो ंने केवल 20000 रूपए जमा करवाए है, उनको 12500 रूपए प्रति स्पैन की दर पर जमा करवान के बाद कनेक ान जारी किए जाएंगे।

जिन किसानों ने दिनांक 01.01.2011 को यह इसके बाद कनेक ान के लिएआवेदन किया है, उनकों कनेक ान जारी करने के लिए 12500 रूपये प्रति स्पैन जमा करवाने होगे।

(बी) वर्तमान समय में, उपरोक्त प्रभारनों को वापस लेने के लिए कोई प्रस्ताव सरकार के विचारधीन नही है।

Upgradation of Schools

234 Dr. Hari Chandi Middha: Will the Education Minister be pleased to state:—

(a) Whether there is any propolal under consideration of the Government to upgrade the Government Middle School of Village Barodi and Government Middle School of village Dariyawala of Jindi constituency; and

(b) If so, the time by which the above said schools are likely to be upgraded?

ि ाक्षा मंत्री (श्रीमती गीता भुक्कल मातलहेल):

(क) नही, श्रीमान, जी ऐसा कोई प्रस्ताव विचारधीन नही हक्योंकि यह विद्यलाय दर्जा बढ़ाने के निर्धारित मापदण्ड पूर्ण नही करतौ।

(ख) यह प्र न नही नही उठता।

Repair/Replacement of Transformers

250 Sh. Bishan Lal Saini: Will the Power Minister be pleased to state:-

(a) The Time limit prescribed to repari/replace transformers particularly of 100 K.V.A. installed on tube-wells of farmers; and

(b) Whether any amount is being charged form the farmers for the repair of the abovesaid transformers; if so, the details thereof?

बिजली मंत्री (कैप्टन अजय सिंह यादव):

(क) हर्क के विनिमय दिनांक 16.07.2004 के अनुसार जारी किए गए सैलज सर्कूलर नं0 34/2004 के तहत कृशि नलकूपों के लिए ट्रांसफार्मर के बदलने की समय सीमा 48 घण्टे हैं

(ख) नही, श्रीमान्।

Construction work of Regional Centre of K.U.

235. Hari Chand Middha: Will the Educaiton Minister be pelased to state:-

(a) The time by whjich the construction work of Regional Centre of Kurukshetra University is likey to be completed which is under oconstruction in Jind.

(b) The phase upto which the construction work of the aforesaid REgional Centre has been completed; and

(c) Whether the place where the classes are being held is suitable for the course started in the aforesaid Regional Centre?

ि ाक्षा मंत्री (श्रीमती गीता भुक्कल मातनहेल):

(क) महोदय, लड़कियों के छात्रावास के निर्माण काकर्य 31.12.2012 तथा ि ाक्षण खण्ड का निर्माण 30.04.2013 तक पूरा होने की सम्भावना है।

(ख) प्रथम चरण में दोनों भवनों नामतः खण्ड और लड़कियों के लिए एक छात्रावास का निर्माण कार्य भाुरू कर दिया

गया हैं द्वितीय चरण मे ंआव रूक सड़क निर्माण कार्य, पानी की आपूर्ति, सीवरेज लाईन और बिजली सेवाओं का निर्माण कार्य 31.12.2012 तक पूरा होने की सम्भावना है।

(ग) जी हां, महोदय।

Opening of Girls College

224. Master Dharam Pal Obra: Will the Education Minister be pleased to state:-

(a) Whether it is fact that an announcement was made by the Hon'ble Chief Minister in the Vikas Rally in Loharu in March, 2011 with regard to oepning a Girls College in Behal Town of Loharu Constituency but no action has been taken in the regard up till now;

(b) Whether any grant etc. has ben sanctioned for the construction of the building for the proposed Girls College and

(c) The time which the classes are likely to be stared in the proposed Girls College?

ि ाक्षा मंत्री (श्रीमती गीता भुक्कल मातनहेल):

(क) 26.03.2011 को लोहारू में हुई रैली में माननीय मुख्यमंत्री द्वारा बहल में कन्या महाविद्यालय खोलने हेतु घोशणा इस भार्त पर की गई थी कि यदि ग्राप पंचायत द्वारा भूमि उपलब्ध करवा दिी जाऐ।

(ख) नही, श्रीमान जी।

(ग) सरकार द्वारा बहल में भौक्षिक सत्र 2012–14 से राजकीय कन्या महाविद्यालय खोलने का निर्णय लिया गया हैं

मुख्य संसदीय सचिव श्री जयवीर सिंह के विरूद्ध धमकी एवं दुर्व्यवहार करने का मामला उठाना। (पुनराम्भ)

उद्योग मंत्री (श्री रणदीप सिंह सुरजेवाला): अध्यक्ष महोदय, भाायद आज तक का यह विधान सभा का सबसे दु:खद दिन है जब एक दिलत सदस्य को जो कि हाउस के सम्मानित सदस्य है तथा मुख्य संसदीय सचित भी है, उनको ने केवल धमकी दी गई बल्कि इससदन के पटल पर सम्मानित सदस्य क्ष्द्वारा उनको जाति सूचक गालिया दी गई उस सम्मानित सदस्य ने आपे सामने एक दरख्वास्त है विपक्ष के नता ओर वे जो सदस्य जिनका नाम हयां लिखा गया है, उनके खिलाफ कारर्वाई की ए। सर, इन्होने जो कहा है वह सारे सदन ने सुना है, उसे लिए ये माफी मांगे। सर, वे माननीयसदस्य यहां मौजूद हैं किसी सदस्य को जातिसूचक गाली दी गई हैं इससे गम्भर विशय ओर कोई नही हो सकता। (ाोर एवं व्यवधान)

श्री अ ाोक कुमार अरोड़ा: अध्यक्ष महोदय, इन्होने गलत भाब्द कहे है। (ाोर एवं व्यवधान)

श्री अध्यक्ष: आप बैठिए, आप बैठिए। (ाोर एवं व्यवधान)

श्री जगदीश नैय्यरः अध्यक्ष महोदय, गालियां तो मुझे भी दी गई थी। (ाोर एवं व्यवधान)

श्री अध्यक्षः ठीक है, आप भी लिख कर दे दीजिए। मेरेा पास श्री जयवीर सिंह बाल्मीकि की तरफ से एक लिखित में ि ाकायत आई जिसमें उन्होने लिखा हैः–

''आज सदन की कार्यवाही के दौरान विपक्ष के नेता श्री ओम प्रका ा चौटाल ने मुझे जयवीर सिंह, विधायक खरखौदा, बाल्मीकि जाति से संबंध रखता हूं। धमकाने लगे औरफिर विधायक श्री अभय चौटाला ने मुझे गालियां दी, जान से मारने की घमकी दी औ तै ज्ञ में आकर मेज पर रखी हुए किताब उठाकर मारने की कोि ा ा की।'' (ाोर एवं व्यवधान)

श्री अ ाोक कुमार अरोड़ाः अध्यक्ष महोदय, विपक्ष के नता को गलत भाब्द कहे गए थे (ाोर एवं व्यवधान)

श्री अध्यक्षः यम मामला बहुत ही सीरियस है। This is very serious matter एक बाल्मीकि जाति के व्यक्ति को जातिसूचक भाब्द कहना बहुत ही सीरियस बात है। (ाोर एवं व्यवधान)

Sh. Randeep Singh Surjewala: Sir, let the Hon'ble Member speak. (Interruption)

श्री जयवीर सिंहः सर, मै तो यह चाहता हूं कि इस पर कार्यवाही हो। (ाोर एवं व्यवधान)

(इस समय श्री ओम प्रका ा चौटाल को छोड़कर इंडियन नै ानल लोकदल के सदन में उपस्थिति सभी सदस्य तथा ि ारोमणी अकाली दल के सदस्य और कांग्रेस के कुछ सदस्य अपनी सीटों से उठ कर सदन की वैल में आकर बोलने लगे।)

श्री अध्यक्षः अभय चौटाला जी आप अपनी स्टेटमैंट दीजिए। (ाोर एवं व्यवधान)

श्री अ ाोक कुमार करोड़ाः अध्यक्ष महोदय, ये दस एम. एल.ए. कए दलित का सहारा ले रहे है। (ाोर एवं व्यवधान)

(इस समय कांग्रेस पक्ष के कुछ सदस्य और विपक्ष के कुछ सदस्य वैल में आकर नारे बाजी करने लगे।) (ाोर एवं व्यवधान)

श्री अध्यक्षः Members go back to your seats मैं श्री अभय चौआल का ब्यान लूगा। (ाोर एवं व्यवधान) आप सभी अपनी–अपनी सीटों पर जाओ। श्री अभय चौटाला जी आप अपनी स्टेटमैंट दो। (ाोर एवं व्यवधान)

Mr. Speaker: Sh. Abhey Singh Chautala will make a statement. (Interruption)

Sh. Randeep Singh Surjewala: Speaker Sir, I want to make a humble submission before that. Sh. Jaiveer ji should be permitted to make his submission because he is the one who has made an application. (Interruption)

Mr. Speaker: Sh. Jaiveer Ji, you have made an application. So, you may speak firs. (Interruption)

श्री जयवीर सिंहः अध्यक्ष महोदय, यह इस सदन में सबसे दुखद घटना है, इस बारें मं वैसे मैने सारी बातें लिखित रूप में आपकों ऐप्लीके ान दे दी है श्री ओम प्रका ा चौटाला जी अपनी बात कहने के लिए जैसे उठे, तो बची में जवाब देने के लिए मै भी जैसे ही उठा तो उन्होन मुझ वहां वरसदन के सामान धमकाया ओर मुझ बार–बार जान से माने की धमकी दी गई और मुझे जाति सूचक भाब्द कहे। (ाोर एवं व्यवधान) ओर मुझे चूडा तक बोला गया।

श्री अध्यक्षः यह आपकों किसने बोला? (ाोर एवं व्यवधान)

श्री जयवीर सिंहः अध्यक्ष महोदय, श्री ओम प्रका ा चौटाला और श्री अभय चौटाला ने। (ाोर एवं व्यवधान) स्पीकर सर, अगर ऐसे ही हरिजनों पर अत्याचार होत रहे है। (ाोर एवं व्यवधान)

श्री अध्यक्षः चौटाला जी, सह एक बड़ा सीरियस मैटर है। Now, Sh. Abhey Singh Chautall Ji will make a statement, please. (Interruption)

श्री जयवीर सिंहः स्पीकर सर, पब्लिक हमकों चुनकर इससदन में भेजती है ताकि हम उनकी आवाज को इस महान

सदन में उठा सके ओर यहां पर हम हरिजनों, दलितों व पिछडो की आवाज को दबाया जाए, जातिसूचनक भाब्दों का प्रयोग हमारे खिलाफ किया जए, हमे धमकाया जाए व गाली देकर बोला जाए तो हम लोग इंसाफ की बाम और कहां पर कर सकते है? मेरी आपसे प्रार्थना है कि इनके ऊपर सख्त से सख्त कानूनी कार्यवाही की जाए ताकि हम दलितों को न्याया मिल सकें। (ाोर एवं व्यवधान)

श्री अध्यक्षः अभय चौटाला जी, आप बोलिए। (ाोर एवं व्यवधान)

Sh. Randeep Singh Surjewala: Speaker Sir, you may ask Sh. Abhey Singh Chautala to speak please. (Interruption)

चौधरी ओम प्रका ा चौटालाः स्पीकर सर,..... (ाोर एवं व्यवधान)

श्री अध्यक्षः चौटाला जी, मैने तो अभय चौटाला को अलाउ किया था और आप खड़े हो गये और बलने लग गए हो? मैनते तो अभय चौटाला को ब्यान देने के लिए कहा था?

चौधरी ओम प्रका ा चौटालाः स्पीकर सर, मैने तो चौटाला सुनकर समझा कि अपने मेरे को अलाउ किया है इलिए मै बोलने लगा गया था (ाोर एवं व्यवधान) आप हाउस के कस्टोडियन हैं मै आपकों बताना चाहता हूं कि ट्रेजरी बैचिज की

एक आदत हैं आज के इसी सदन मे ंपहले एक महिला को लेकर यह प्र न उठाया गया था कि महिलाओं को अपमानित किया जा रहा है, अब एक बाल्मीकि को खड़ा कर दिया गया ओर कहा गया कि उसको बाल्मीकी के नाम से गाली दी जा रही हैं अध्यक्ष महोदय, आप हमें अलाउ करत हो तो ट्रेजरी बैचेज के दूसरे लोग बीच मै कैसे आ जाते है?

श्री रणदीपसिंह सुरजेवालाः अध्यक्ष महोदय, क्या इन्होने श्रीमती कविता जैन को बोलने दिया? क्या उनका प्र न खत्म हो गया था, स्पीकर सर, वह तो अभी भी आपने बोलेन का इंतजार कर रही है।

श्री ओम प्रका ा चौटालाः स्पीकर सर, हाउस की एक परंपरा है कि लडर ऑफ द हाउस किसी समय भी इंटरवीन कर सकता है लेकिन इकसे अलावा काअैर कोई बीच में बोलता है, वह अच्छी बात नही हे।

श्री अध्यक्षः माननीय सदस्यों, बिना मेरी परमि ान के कोई नही बोलेग। अभय जी, आप बोलिए। Please don't speak with my permission.

श्री ओम प्रका ा चौटालाः स्पीकर सर, आप सत्ता पक्ष की ओर तो देखते ही नही है बल्कि हमारे वाले को ही कहते रहते है कि आपको नेम कर दिया जाएगेा, निकाल दिया जाऐगा। (ाोर एवं व्यवधान)

श्री अध्यक्षः चौटाला जी, ऐसा कुछ नही है। अभय जी, जो आपके खिलाफ ऐलीगे ज्ञन है कि आपे जाति सूचक भाब्द कहे है, धमकी दी व उठाकर फैकने की बात की है आप उसके संदर्भ मूं ब्यान दें?

श्री ओम प्रका ाचौटालाः अध्यक्ष महोदय, आप स्पीकर है, कोई अदालत के चेयरमैन नही है, हाउस के कस्टोडियन है। यह आदालत थोड़े ही है कि आप दरखवासत लगे, गवाहियां लेगे या फैसले करोगे ओर ापके दिए हुए फैसले ही मान जाऐगे? (ाोर एवं व्यवधान)

श्री अध्यक्षः अभय चौटाला जी, आप बोलिए।

श्री अभय सिंह चौटालाः स्पीकर सर, एक माननीय सछसय ने आपको मेरे खिलाफ कुछ लिखकर दिया उसके लिए मै आपको उत्तर देना चाहता हूं। मै सबसे पहले यह पूछना चाहता हूं कि इस माननीय सछसय ने जो मुझ पर आरोप लगाए है कि मैने उसके खिलाफ जाातिसूचक भाब्दों का प्रयोग किया है, धकाया है तथा गाली देकर बोला है क्या उसन वह भाब्द अपनी सीट पर खड़े होकर सुने थे या सीट से बाहर आक सुने थे? (ाोर एवं व्यवधान)

Mr. Speaker: Please sit down. (Interruption) Sit down please. Let him make a statement.

श्री अभय सिंह चौटालाः स्पीकर सर, मै सदन मे ंअपनी सीट से उठकर जो बात कह रहा हूं वह केवल आपके अलाउ करने पर ही कर रहा हू। उसे बावजूद भी लोग अपनी मर्जी से बची में खड़े हो जाते है, कोई इ ारा कर देता है तो फिर संबंधित बात को भटाकाकर दूसरी बात पर लाने का प्रयास किया जाता हैं हकीकत यह है कि जब चौधरी ओम प्रका ा चौटाला जी आपसे अपनी बात कह रहे थे और रिक्वैस्ट कर रहे थे कि अगर आपने हाउस को ठीक से चलाना है तो हम प्रश्न काल में इंट्रप्ट नही करेगे लेकिन आप आ वासान दें कि उसे बाद जा हमारा काम रोकों प्रस्ताव है उस पर चर्चा होगी। उस बात पर सबसे पहले सुरजेवाल जी खड़े हुए ओर जैसे ये खड़े हुए पीछे से जयवीर बाल्मीकि जी खड़े होकर यहा आ गए ओर आकर के उन्होन अप ाब्द बोलने भाुरू कर दिए उस बात प मैन `उनको टोका था कि आप अप ाब्द बोलने की बजाय अपनीसीट पर जाकर बैइ जाए। मामला सिर्फ इतना हैं इसको बिना मतलब बढ़ाया गया हैं इसमें कही बाल्मीकि की बात नही कही गई है यह कोइ॒नयी बात इस हाउस म ंनही हुइ है। इससे पहले एक दफा यहां पर स्पोट्स डिपार्टमैंट से रिलेटेड क्वे ाचन चल रह हैं उस क्वै चन के ऊपर भी एक दलित महिला थी जो उइनके हल्के की थी उनके बारे में भी इन्होन बहुत कुछ कहा था लेकिन मेरा इसमे ंकोई कसूर नही हैं मै तो अपनीसीअ पर बैठा था और वे जब यहां आकर के खड़े हेाकर के अप ाब्द बोलने लगे तब मैने कहा था कि आप अपनी

सीअ पर बैठ जाइए। आप इस तरफ की भाशा का प्रयोग न करें। (ाोर एवं व्यवधान)

श्री अध्यक्षः ये जो भाब्द इसमें लिख है वे अपने नही कहे। (ाोर एवं व्यवधान)

श्री अभय सिंह चौटालाः स्पीकर सर, नही कहे। मैने कोई भी ऐसी बात नही कही जिसकी वजह से किसी दलित मैंम्बर की भावनाओं को ठेस पहुंचे। हमारी पाट्री के दस मैम्बर दलित हैं इनकी पार्टी में तो गलती से 2–4 दलित सदस्य चुनकर आ गए है, अबकी बार ये भी नही आएंगे। (ाोर एवं व्यवधान)

(इस समय बहुत सारे माननीय सदस्य एक साथ बोलने के लिए खड़े हो गए)

श्री रणदीप सिंह सुरजेवालाः अध्यक्ष महोदय, आपको इस बारें में दो ओर माननीय सदस्यों ने भी साइन करके दिए हैं (ाोर एवं व्यवधान) अध्यक्ष महोदय, मुझे आप आपनी बात कहने का मौका दे। श्री अभय सिं चौटाला ने यहां मेरा नमा नेकरकहा कि जब श्री ओम प्रका ा चौटाला जी अपनी बात कर रहे थे जब मैने व्यवस्था का प्र न उठाया था। अध्यक्ष महोदय, यह बात सही है। Speaker Sir, you are the custodian of th House It is my duty to point out that an Hon'ble Member of th Bhartiya Janata Party, Smt. Kavita Jain, was waiting on her legs for 45 minutes to speak but the Members of the Indian National Lok Dal were not permitting her to ask the qeustion. (Interruption)

I am not Chief Parliamentary Secreatary, first you must corec yoursefl. (Interruption)

श्री अध्यक्षः आप मुझसे कौन सा पूछकर बोल रहे है? (ाोर एवं व्यवधान)

श्री अभय सिंह चौटालाः सुरजेवाल जी, मै आपको चीफ पालियामैंट्री सैक्रेटरी नही कर रहा बल्कि यह कह रहा हूं कि क्या एक चीफ पालियामैट्री सैक्रेटरी आनी सीट से बगैर चेयर की परमी ान के लिए यहपं बैल में आ सकता है?

श्री नरे ा कुमार बादलीः क्या आप गाली दे सकते है, भाई साहब? (ाोर एवं व्यवधान) * * *

श्री अध्यक्षः नरे ा जी, आप बैइ जाए। जो नरे ा कुमार कह रहे है, वह रिकॉर्ड न किया जाए Nobody will speak without mypermission. Yes Mr. Surewala, you may speak.

श्री रणदीप सिंह सुरजेवालाः अध्यक्ष महोदय, चौटाला साहब का लाहजा उस समय बड़े ही गुससे वाला और धमकी भरा था। (ाोर एवं व्यवधान)

श्री अध्यक्षः आप सभी लोग बैठ जाइए। इस समययहां एक बहुत ही सीरियस इ ाू डिस्कस हो रहा है। (ाोर एवं व्यवधान)

श्री रणदीप सिंह सुरजेवालाः अध्यक्ष महोदय, जब मै व्यवस्था का प्र न प्वायंट आउट कर रहा ाि उस समय श्री ओम

प्रका ा चौटाला जी ने कोईसारे सदस्यों को खासतौर से श्री बाल्मीकी जी को बहुत गुस्से से कई भाब्द कहे। इतनी ही देर में इंडियन ने ानल लोकदल के सभी साथी यहां वैल में आ गए। बाल्मीकि जी भी यहां थे ओर बाकी केसदस्य भी यहां थे, जब ये वाक्या हुआ तब बहुत सारे साथी यहां साथ थे। (ाोर एवं व्यवधान) दो साथियों ने आपको दस्तखत करके भी दिए है।

श्री अ ाोक कुमार अरोड़ाः स्पीकर सर,..... (ाोर एवं व्यवधान)

Mr. Speaker: I will allow you to speak. Mr. Arora Ji. let him complete first. (Interruption)

श्री रणदीप सिंह सुरजेवालाः अध्यक्ष महोदय, मै आपसे रिक्वैस्ट करना चाहता हूं कि श्री जयवीर बाल्मीकि जी को ऐप्लीके ान के साथ दो और माननीय सदस्यों ने भी उसकीताईद करके उस परसाइन करके दिए हैं मेरी यह दर्खास्त है कि यह बड़ा संगीन मामला हैं (ाोर एवं व्यवधान) सर, बाबा साहब भीमराव अंबेडर की फोटो यहा लगी है जो संविधान के निर्माता है ओर राश्ट्रपति महात्मा गांधी की फोटो भी यहा लगी है। इस दे ा के सभी नागरिक समान है। इस देश में किसीव्यक्ति को यह अधिकार नही कि किसी गरीब आदमी के बारें मेंा कोई ऐसी बात कहे। (ाोर एवं व्यवधान) स्पीकर सर, मैने तो इनका नाम ही नही लिया। ये लोग इतने विचलित ओर चिंतित क्यो हो रहे है? किसी को भी यह अधिकार नही है कि वह किसी दलित की आवाज को

दबाये, किसी दलित को धमकाए, किसी गरीब साथी के लिए जाति सूचक भाब्द इस्तेमाल करे, चाहे वह कितना ही बड़ा व्यक्ति क्यों न हो? सर, यह बड़ा गम्भीर मामला है। (ाोर एवं व्यवधान) स्पीकर सर, जो बात श्री बाल्मीकि जी ने कही है उसकी ताईद में दे ओर माननीय सदस्यो ंने लिखकर दिया हैं यह बड़ा गम्भीर मामला है।

Mr. Speaker: I can't make out from the signautes कि यह कौन है? (ाोर एवं व्यवधान)

श्री रणदीप सिंह सुरजेवालाः सर, श्री नरे ा कुमार भार्मा व श्रीमती भाकुतला खटक ने भी इस बारें में लिखित में ताईद की है। सर, मेरी आपसे प्रार्थना है कि इस प्रकार से किसी सदस्य के अधिकारों को हनन नही किया जा सकता? (ाोर एवं व्यवधान) इनके खिलाफ कड़ी अनु ाासनिक कार्यवाही की जाए। यदि आपचाहे तो आप इन दोनों माननीय सदस्यों को बुलाकर इनकी राय जान ले या इस सदन मते ंआप इनका भी वक्तव्य ले ले। (ाोर एवं व्यवधान) जो बाकी के साथी है उनका भी वक्तत्वय आप ले ले।(ाोर एवं व्यवधान)

श्री अ ाोक कुमार अरोड़ाः स्पीकर सर, हमारे एक साथी ने हमारे विधायक पर आरोप लगाया। हम सभी लोगों को यहां लोगों ने चुनकर भेजा हैं हत किसी एक कास्ट के वोटों पर चुनकर यहां नही आए हैं बल्कि सीाी को दलित ओर स्वर्ण जातियों ने वोट दिए है। (ाोर एवं व्यवधान) हम सभी लोग दलितों को सम्मान करते हैं और दलितों के सम्मान की वजह से

ही हमारी पाटी के और ट्रेजरी बैचिज की पार्टी के दलित चुनकर आये है क्योंकि यह संविधान में रिजर्वे ान का प्रावधान है। जहां तक इस इ यू की बात है। जैसा कि चौधरी ओम प्रका ा चौटाला जी ने आप से कहा कि मै एक सुझाव देना चाहता हूं और आपने श्री चौटाला जी को बोलने के लिए अलाउ किया। इस बारे में मेरी आपसे एक रिक्वैस्अ है कि इन्होने जो अरोप लगाए है आप इसके लिए हाउस की कमेटी बना दीजिए ओर उस कमेटी में भाामिल हो ओर वह कमेअी यह देखे कि जब चौटाला जी बोल रहे थे तो उन्होने क्या कहा। जब माननीय मुख्य मंत्री जी बोलते है तो हम इनका सम्मान करते है। जब लीटर ऑफ दि अपोजी ान बोल रहे थे तो श्री जयवीर बाल्मीकि जी ने अपनी सीट पर से उठकर लीडर ऑफ दिी अपोजी ान के बारें में गलत भाब्द कहे।

श्री अध्यक्षः किसने गलत कहा?

श्री अ ाोक कुमार अरोड़ाः अध्यक्ष महोदय, श्री जयवीर बाल्मीकि जी ने यहां वैल में आकर गलत भाब्द कहे हैं हाउस में कैमरे लगे हुए है आप उनमें देख लीजिए।

श्री रणदीप सिंह सुरजेवालाः अध्यक्ष महोदय, लीडर ऑफ दि आपोजी ानी ने यह बात खुद भी नही कही है। अरोड़ा जी, खुद यह बात कहकर लीडर ऑफ दि अपोजी ान के मुह में डालने का प्रयास कर रहे है ंये इस प्रकार की बात कह कर बच

नही सकते क्यों इनकी आदत हैं सर, लीडर ऑफ दि अपोजी ान ने खुद भी यह बात नही कही हैं

श्रीमती गीता भुक्कल मातनहेलः स्पीकर सर,..... (विध्न)

Mr. Speaker: Hon'ble Minister please resume your seat. I will give you a chance to speak.

Sh.Randeep Sing Surewalal: Sir he can not mislead the House in the fashion. लीडर ऑफ दि अपोजी ान ने खुद भी बोलते हुए यह बा तनही कही ओर अरोडा जी अब माननीय लीडर ऑफ दी अपोजी ज्ञन के मुंह में यह बात डाल रहे है।

श्री अ ोक कुमार अरोड़ाः अध्यक्ष महोदय, हाउस में कैमरे लगे हुए आप देख लीजिए माननीय सदस्य श्री जयवीर बाल्मीकि जी ने हाउस की वैल में आकर सबसे पहल खुद यह बात कही। जब हमारी पार्टी की तरफ से उनको कहा गया कि आप ऐसे भाब्द मत कहिए। इस प्रकार दलित के नाम पर यह बाम कहना चाहत `है। आज हमने काम रोकों प्रस्ताव दिया था औश्र उस परचर्चा करने कलिए आपसे कहा। प्रदे ज्ञ के अन्दर जितने मुद्दे है उनकोखत्म करने के लिए इस प्रकार का खेल रचा गया है जोकि बिल्कुल गलत है।

श्री भोर सिंह बड़ ागीः अध्यक्ष महोदय, मै आपके माध्यम से एक स्पश्टीकरण देना चाहता हूं। अभी श्री सुरजेवाला

जी ने खड़े हो कर कहा है being a Parliamentary Affaris Minister हाउस की व्यवस्था को देखने की मेरी जिम्मेदार बनती हैं अध्यक्ष महोदय, सबसे पहले तो मै यही कलेरीफिके ान चाहता हूं कि सुरजेवाला जी की कोई जिम्मेवारी नही बनती।

श्री रणदीप सिंह सुरजेवालाः अध्यक्ष महोदय, मैने यह कहा है कि you are the custodian of the House. (Interruption)

Sh. Sher Singh Badshami: Let me sumit first. (Interruption) हाउस की व्यवस्था बनाकर रखना मुख्य मंत्री जोकि लीडर ऑफ दि हाउस है उनकी जिम्मेवादी बनती हैं जब भी मुख्य मंत्री जोकि लीडर ऑफ दि हाउस है वे किसी सदस्य को बोलने के लिए अलाउ करते है या डेलीगेट करते है कि आप इस विशय पर बोले तभी सदसरू बोल सकता हैं। सुरजेवाला जी हमे ाा खडे. हो पॉज करते है। कि हाउस की व्यस्था बनाने के लिए सारी जिम्मेवारी मेरी बनती हैं जब कि मुख्य मंत्री जी ने इस विशय पर बोलने के लिए उनके अलाउ नही किया है। वे इस तरह पॉज करने का मामला हर बार उठाते हैं अगरयह कही रूल में है ते हमें बता दे। वे बार–बार अपने आपको सुपर मिनिस्टर की तर जंचाने का प्रयास करते है।

श्री अनिज विजः अध्यक्ष महोदय, आपने श्री जयवीर बाल्मीकि द्वारा लिखकर जो दिया है वह पढ़कर सुनाया गया है आर उसके बाद श्री अभय सिंह चौटाला जी ने इस सारी बात की डिनाई किया कि ऐसी कोई ागत नही हुई। इस बारें में मेरा

आपसे सुझाव है कि हम सभी चुने हुए प्रतिनिधि है ओर जिम्मेवार लोग है। इसलिए इन सारी बातों को यही परखत्त किया जाए। इस सारे मामले को एक्सपैंज किया जाए। यह बात अगर बाहर जाती है then it will spread hatred among the masses. इस बारें मं क्लैरिफिके ान भी आ गई है कि यह बात नही कही गई। हम जिम्मेवार लेाग है। तो इस मामले को खत्क करके आगे की कार्यवाही चलानी चाहिए।

श्रीमती गीता भुक्कल मातनहेलः स्पीकर सर, हमारे सम्मानित सदस्य चीफ पार्लियामैट्री सैक्रेटरी ने आपको लिखित रूप में दिया है। मुझे इस बात का ऑब्जैक ान हे कि श्री अनिल विज जी ने यह बात कही कि ऐसी कोई बात नही कही गई है। उनहोने इस बारे में लिखित में दिया है ओर यह एक पूरे समाज के मान–सम्मान की बात हैं जब श्रीमती भाकुंतला खटक जी और श्री जयवीर बाल्मीकि जी वहां पर थे तो हमें बचाव के लिए वहां पर जाना पड़ा क्योंकि काफी स्थिति खराब हुई। जब लीडर ऑफ दि अपोजी ान ने मुख्यमंत्री जी के लिए गलत भाब्द बोले उसके कारण ट्रेजरी बैचिज के कुद सछसय हाउस की वैल में आ गए ओर इस तरह की स्थिति में सभी सदस्यां का वैल मे आना बना भी है। जो सही बात थी।

श्री अध्यक्षः खटक जी, आप बताये कि आपने इस ि ाकायत पर दस्तखत किए है, अगर किए है तेा आप बताये कि क्या बात है?

श्रीमती भाकुंतला खटकः अध्यक्ष महोदय, मैने इस पर दस्तखत किए है कि ओम प्रका ा चौटाला जी ने वाकई में ही उनको जातिसूचक गाली थी। (विध्न) अभय सिंह चौटाला ने बकायदा यहां से कागज उठाकर जयवीर सिंह बाल्मीकि को धमकाया है ये मेरे सामन की बातहे। अध्यक्ष महोदय, ओम प्रका ा चौटाला ने गाली दी ओर हम वहां से उठकर हाउस की वैल में आए। ओम प्रका ा चौटाला जीने गाली दी ओर अभय सिंह चौटाला ने वाकई यहां से कागज उठाकर धमकी दी ओर बाद में यह कहा कि इसको बाहर देखेगे और इसका एक थप्पड़ मारेगे पता नही कहा पाएगा। अभय जी, यह मेरे सामने की बात जहै, अगर आपने यह बात नही कही हो तो बता दें। (ाोर एवं व्यवधान) अध्यक्ष महोदय, पिछले सै ान में भी ओम प्रका ा चौटाला जी ने गीता भुक्कत जी को अप ाब्द बोले थे। ओम प्रका ा चौटाला ने हमे ाो दलितों को दबान का प्रयास किया है। (ाोर एवं व्यवधान)

श्री राजपाल भूखड़ीः अध्यक्ष महोदय, क्या सी.पी.एस. लैवल का माननीय सदस्य इस सदन में झूठ बोल सकता है, क्या उसका अपना कोई आत्म सम्मान नही है। क्या वह एक घास खोदने वाला चमार है? नही, वह इस समय प्रदे ा सरकार का चीफ पालियामैंट्री सैक्रेटरी

श्री अध्यक्षः आप सब अपनी सीटों पर बैठिए। (विध्न)

श्री जगदी ा नैय्यरः अध्यक्ष महोदय, मै भी इस बारें में अपनी ि ाकायत लिखित में देना चाहता हूं।

(इस समय श्री जगदी ा नैय्यर ने लिखित में अपनी ि ाकायत स्पीकर महोदय को दी।)

श्री मोहम्मद इलियासः अध्यक्ष महोदय, जिस वक्त अखिर में हयां भाोर भाराबा हो रहा था तो अपने जयवीर सिंह जी से यह पूछा थी कि क्या आपने खुद ने गाली सुनी है या अपने किसी दूसरे से सुनी है। अध्यक्ष महोदय, मै भी वही था तो इसने यह कहा थक मुझते तो दूसरे ने कहा था अध्यक्ष महोदय, मै ईमानदारी की बात ऑन ऑथ कहना हूं। आपने इससे पूछा था वो उधर खड़ा था और मै यहां खड़ा था। (विध्न) अध्यक्ष महोदय, मै यह बत ऑन ओथ कहता हूं और अगर यह बात गलत हो तो आप मुझे जो सजा देगे वह मुझे स्पीकर होगी।

श्री रणदीप सिंह सुरजेवालाः अध्यक्ष महोदय, कृपया इस गम्भीर मामले को इस तार मजाक मत बनने दीजिए। यह बहुत गम्भीर मामल हैं इा हाउस के किसी सदस्य कोयह अख्तियार नही है कि इतने गंम्भीर मामले का इस प्रकार से मजाक बनाए। अध्यक्ष महोदय, चूंकि वे एक गरीब साथी है तो आज ये उनकी बात नके नही मानेगे। अध्यक्ष महोदय, हाउस की वैल में एक सम्मानित सदस्य एक्टिंग करके दिखा रहे है। अध्यक्ष महोदय, इय इस तरह से हाउस की कार्यवाही चलेगी।

श्री मोहम्मद इलियासः अध्यक्ष महोदय, * * *

(ाोर एवं व्यवधान)

Mr. Speaker: Be silent. Nothing is to be recorded.

श्री आनंद सिंह दांगीः अध्यक्ष महोदय, हम यहा किस लिएआते है और हमारी क्या जिम्मेवारिया है इस पर विचार करने की आव यकता है। प्रदे ा की जनत हमारे लिए बहुत कश्ट और दिक्कत उठाती है और हमारे प्रति बहुत आ ाएं भी रखती हैं पूरे प्रदे ा की हर तरह की जिम्मेवारी 90 के 90 विधायकों की बनती है आर जनता इनको यहां चुनकर भेजती है जिस तरह से आज अढ़ाई धटे से सदन का समय बर्बाद हो रहा है क्या हमारी यही जिम्मेवारी बनती है? क्या हम इस समय का सही इस्तेमान नही कर सकते? अध्यक्ष महोदय, मै आपसे प्रार्थना करना चाहता हूं कि जितनी बार भी यहां इस तरह की जो हरकतेह हुई है आप भी उनको मुस्मकराकर ले रहे हो। अध्यक्ष महोदय, सदन को ठीक ढंग से चलाने के लिए सबसे बड़ी जिम्मेवादी आपकी बनती है। ठीक है सदन में रूलिंग और अपोजी ान दोनों की तरफ से बातें होती है लेकिन उसको सदन में हैल्थी हिसाब से रखने की आव यकता होती है। ओर ऐसा नही होना चाहिए जैसा आज हो रहा है जो लोग द र्क दीर्घा में सदन की कार्यवाही देख रहे है। वे बाहर जाकर प्रदे ा की जनता को कया कहेगे ओर हमारे प्रति जनता में क्या मैसेज जाऐगा। लोग भी सोचेगे कि वे हमे किस बात के लिए यहां भेजते है। जो आज हो रहा है ऐसा तमा ाा सदन मे

नही होना चाहिए। जो आज की कार्यवाही में देखने को मिला है यह बहुत सीरियस ई ू है। यदि कोई मसला है या किसी प्रकार की ात है तेा हमारे पास सभी प्रकार की एजैंसीज है। जो जांच करती हैं यदि कोई मुद्दा है या बात है तो उसको ढंग से प्रस्तुत करना बहुत जरूरी होता है, कम से कम सदन में जो रूरी हैं बाहर तो आदमी खुल्ले मैदान में हाता है झूठ बोल देता है। या ऊंच–नीच की बात कर देता है लेकिन सदन के अंदर अच्छे हिसर से सच्ची बात करना बहुत आव यक होता है। सदन में सच्चाई के साथ बात करनी चाहिए नही तो जो यह पत्थर लगा है उसको उतारकर फेंद दी या उसे हिसाब से सदन को चलाए। बाहर की मीटिंग में आदमी कुछ भी बत करें लेनि यहां सदनप में ठीक हिसार से बात करने की आव यकता है। 6 महीने के बाए बड़ी मु ाकल से सै ान आता हैं लेकिन पता नही आज हम किस तरीके की बातें करके सदन का समय बर्बाद करने लग रहे हैं सदन की सारी गरिमाओं का हम भूल गए इसलिए इस पर विचार करने की आव यकता हैं

श्री कृश्ण लाला पंवारः अध्यक्ष महोदय, विपक्ष के नेता चौधरी ओम प्रका ा चौटाला जी सदन को कन्टीन्यू चलाने की लिए प्रार्थना कर रहे थे अैर हम सारे मैंम्बर्ज अपनी सीटों पर बैइे हुए थे। हमारे सम्मानित साथी जयवीर सिंह जी एक एकदम सीटा छोटकर आगे आए और तैंस मे बोले। हम भी सारे देख रहे हथे ओर भाई अभय सिंह जी अपनी सीट पर बैठे थे। अध्यक्ष महोदय,

मै भी दलित परिवार से हूंओरचार बार कन्टीन्यू चौधरी ओम प्रका ा चौटाला जी के आ ार्वाद से इस महान सदन का सदस्य चुना गया हूं।

श्री अध्यक्षः लोगों के आ ार्वाद से चुनकर आये हो।

श्री कृश्ण लाल पंवारः अध्यक्षमहोदय, सभी सदस्यों को सदन में गरिमा से बात करनी चहिएं चौधरी ओम प्रका ा चौटाला जी ने सदन में आत तक अप ाब्द नही कहे है ओर भाई अभय सिंह चौटाला जी ने भी भी कोई अप ाब्द नही कहे।

श्रीमती अनीता यादवः अध्यक्ष महोदय,.....(विध्न)

श्री अध्यक्षः प्लीज आप बैठो, आपकों बोलने का अवसर दिया जाऐगा।

श्री आनंद सिंह दांगीः अध्यक्ष महोदय, आपने दोनों तरफ की बातें सुनी ली हैं। अब आप अपना डिसीजन दें ओर इस बात की आगे बढ़ाये।

Mr. Speaker: Dangi Ji, it is very serious matter.

श्री कृश्ण लाल पंवारः अध्यक्ष महोदय, मै कह रहा था कि हरि बारहाउस मे ंनये–नये प्रिविलेज मो ान सरकार की तरफ लाये जाते हैं इस प्रकार की जो प्रथा है इसको आज समाप्त कर सकते हैं आज भीयह मामलता इतना बड़ा नही था जितना इसको बढ़ाया गया हैं अध्यक्ष महोदय, आपसे अनुरोध है कि हमारी तरफ

से ऐसी कोई बात नही कही गई है इसलिए इसको यही समाप्त कर दिया जाए। भाई अभय सिंह चौटाला जी ने भी अपना स्पश्टीकरण दे दिया है और स्पीकर सर, स्वयं आपने चिट्ठी पढी जिसमें भाई अभय सिंह चौटाला जी का नाम लिखा है। और हमारी बहन भाकुंतला खटक जी कह गई कि चौधरी ओम प्रका ा चौटाला जी ने ऐसा कहा है। अब आप ही अंदाजा लगाये कि कौन सच्चा हैं इसलिए इस मुद्दे को यही खत्म कर दिया जाए।

Mr. Speaker: Yes, Mr. Ajay Chautala, I allow you to speak. This is a very serious matter which we are transacting here.

डॉ0 अजय सिंह चौटालाः स्पीकर सर, मुझसे पहले भी बहुत से साथियों ने इस विशय पर चर्चा कर ली हैं मै उन बातों को दुहरानकर हाउस का समय बर्बाद नही करना चाहूंगा। जो बाते की जा रही है वे उचित नही है और जिस तरीके सके की जा रही है। वह उससे ज्यादा निंदनीय है। अगर कसी माननीय सदस्य की तरफ से तल्खी में कोई बात कही गई है तेा बजाये इस सारे मामले को इत तरीके से करने आप आ इसका कारगर हल निकलाएि क्योंकि आपके पास सारे सोर्सिस है। पहले भी आपने हाउस की प्रोसिडिंग्ज देखी हैं है आपने रिकॉर्ड भी चैक किए हैं उसी तरीके से इस मामले में भी आप स्वयं फैसला करें परतु बार–बार उस बात को दोहाराया जाए, गवाहियों दिलवाई जाए ये तो उचित नही हैं सारे परिदृ य को आपने समाने बैठकर देखा है। कि कौन हाउस की वैल में आया और किस ने कैसी भाशा

इस्तेमाल की। यह सब जिस तरीके से किया जा रहा ` यह बहुत ही निंदनीय है और बहुत ही गलत हैं कम से कम इस तरह की बात सदन मे ंन हो। मै तो सदन के माननीय नेता से भी कहूंगा ओर हमारे अपोजी ान के लीडर से भी कहूंगा कि इस सारे मामले को क्लोज करके जो हाउस के जरूरी मुद्दे है, उन पर चर्चा की जाये।

श्री अध्यक्षः अभय जी, मै आपसे एक बात पूछना चाहता हूं कि सभी माननीस सदस्य इस हाउस के अंदर चर्चा करके अपनी बात कर सकतेहै या फिर हाउस की वैल में अकार स्लोगन– ाऊटिग करके ही अपनी बात कही जा सकती? सभी माननीय सदस्यों को दोनों में से एक रास्ता चुनना होगा।

डॉ0 अजय सिंह चौटालाः स्पीकर सर, मै आपसे भीएक बात पूछना चाहता हूं कि अगर सभी माननीय सदस्यों को अपनी–अपनी बात कहने का मौका मि जाये तो फिर हाउस की कार्यवाही भाांतिपूर्वक चल सकती है। लेकिन इसमें एक बात महत्वपूर्ण है कि इसमें सत्तापक्ष ओर विपक्ष दोनों तरफ से योगदान होना चाहिए।

श्री मोहम्मद इलियासः स्पीकर सर,..... (विध्न)

श्री अध्यक्षः इलियास जी, आप फिर बैठे–बैठे बोलना भाुय कर देते हैं अभी एक सीनियर मैम्बर ने अपनी बात यही तरीके से कही है जिस सभी ने बड़े ध्यान से सुना है लैकिन आप

बार–बार बैठे–बैठे भी कुछ भी ऐसह ही बोलते रहते हो, जैसे आपको यह सब करने की पूरी तरफ आजादी है।

श्री नरे ा कुमार बादलीः स्पीकर सर, इस विशय पर मै भी कुछ कहना चाहता हूं।

श्री अध्यक्षः नरे ा जी, मै आपको ंबोलने का मौका इस भार्त पर देता हूं कि आप बोलते समय हाउस की गरिमा का ध्यान रखेगे। आपसे मेरे रिक्वैस्ट है कि आप जो भी बोलेगे वह सदन की गरिमा ओर मर्यादा के अनुरूप बोलेगे और अगर आपसदन की गरिमा व मर्यादा का ख्याल नही रखेगे तेा मै आपको बिल्कुल भी बोलने नही दूंगा।

श्री नरे ा कुमार बादलीः ठीक है स्पीकर सर, मै बोलते समय सदन की गरिमा का पूरा–पूरा ध्यान रखूगा। सर, मै इस सदन का ध्यान इस तरफ दिलाना चाहता हूं कि एक दलित के बेटे का अपमान हुआ हैं विपक्ष के साथी इस बात को मानने के लिए भी तैयार नही है। कि यह जो कुद हुआ है वह बिल्कुल गलत हुआ हैं ओर ऐसा भविश्य मे ंनही दोहराया जाऐगा। अध्यक्ष महोदय, यह एक गम्भीर और चिता का विशय है। इस पर मै आपी व्यक्तिगत राय आपको देना चाहता हूं कि अगर हमारे एक माननीय साथी ने ऐसा कहा है तो कम से कम दो भाब्द माफी के तो कहें ओर इसके साथ–साथ पूरे सदन को यह भी वि वास दिलाया कि भविश्य में ऐसी बात नही दोहराइ जाऐगी। अध्यक्ष महोदय, क्या

अब हम अपनी आंखों को फोड़ ले जिनसे हमने उस परिदृ य को देखा और कानों में रूई डाल ले जिनसे हमने उन भाब्दों को सुना है? जो कुछ हमारे आंखों के सामने घटित हुआ है। उससे हम कैसे मुकर जाए। माननीय सदस्य ने किताब भी उठाई ओर सत्तापक्ष के एक माननीय सदस्य को जाति सूचक भाब्दों का इस्तेमाल करते हुए धमकाया भी गया है और एक बार नही 3–4 बार हम सबकों यह भी कहा गया है कि ''आओ बाहर''। अध्यक्ष महोदय, इस महान सदन को कु ती का अखाड़ा बनान की कोि ा ा की जा रही है। यह बात ठीक है कि हम कम पढ़े–लिखे है लेकिन हम सदन की मर्यादा का पूरा पूरा ध्यान रखे है। हम कभी मर्यादा नही तोड़ते। विपक्ष की तरफ से बार–बार धमकिया दी जाती है, सदन की मर्यादाओं को उल्लंधन किया जातस है ंओर सदन की गुमराह किय जाता हैं अध्यक्ष महोदय, मेरी आपसे प्रार्थना है कि यह * * * (विध्न)

श्री अ ोक कुमार अरोड़ाः स्पीकर सर, अभी जो भाब्द माननीय सदस्य ने कहें है उन्हें हाउस की कार्यवाही से निकलवाया जाए।

श्री अध्यक्षः ठीक है, इन भाब्दों कि सदन की कार्यवाही से निकाल दिया जाए।

श्री नरे ा कुमार बादलीः अध्यक्ष महोदय, इसलिए मै यह कहना चाहता हूं कि इसकी बातों पर ध्यान न दते हुए एक

दलित के बेटे के साथी जैसा व्यवहार करके उसका अपमान किया गया है। उसको न्याया दिया जाए। अध्यक्ष महोदय, मेरी आपस से बार–बार यही प्रार्थना है। जय हिन्द।

प्रो0 सम्पत सिंहः अध्यक्ष महोदय, आज जिस तरह से सदन की कार्यवाही भुरू हुई ओर उसके बार जिस तरह से हैप्निंग हुई है, यह न केवल भविश्य के लिए बल्कि दे ा के लिए, प्रजातंत्र के लिए ओर दे ा के डैमोक्रेटिक सिस्टम के लिए बहुत चिन्ताजनक बात हैं अध्यक्ष महोदय, आपने अंग्रेजी के डेली न्यूपेपर में देख होगा उनमें कइ जगह आर्टिकल छपे और उनके हैडिंग्ज यही है:–

"It is very easy to obstruct theproceedings of the House but it is very difficult to speak on the fact in the House."

यह पार्लियामैट के रवैये के बारें में छपा है। और Sir, sam thing is happening in the Haryana Assembly, मै आपसे कहना चाहता हूं कि आप जिस इ यू के ा, जिन मैटर को या जिस सब्जैक्ट को अलाउस करते है उस पर सदस्यों को खुलकर बोलने का मौका दे। अगर वे मैंटर ओर प्रोसडिंग्ज आपके रूल एंड रैगूले ान के अनुसार चलती हैं ओर उचित समय पर उठाए गए है तो आप निर्णय उसी समय उचित समय पर ले न कि निर्णर्य को लटकाया जाए। उसी वजह से आज खामियाजा भुगतना पड़ रहा हैं तकरीबन पौने तीन घण्टे को गए है ओर इस पौने तीन घण्टे

की कार्यवाही में कुद भी नही हुआ है। हर सदस्य अलग–अलग इ यूज पर तैयारी करके आत है। आपने–अपने हल्कों की समस्याओं के बारें, स्टेट के बारे में या जो पब्लिक इम्पोरटैंस के इ यूज होते है उनके बारे में तैयारी करके आता है।

श्री अध्यक्षः आप क्या कह रहे है यहां Question hour तो को भी obstruct किया जा रहा है।

Sh. Sampat Singh: Sir, that is most unfortunate.

श्री अध्यक्षः सै ान में मैम्बर्स बड़े अरमान के साथ आते है कि we will put questions regarding our constituency that is being stified.

प्रो0 सम्पत सिंहः अध्यक्ष महोदय, कोई स्टेट इ यू पर प्र न करताहै, कोई अपनी कांस्टीच्यूअंसी पर प्र न करता है हर आदमी अपनी क्षमता के अनुसार, अपनी कैपेबिलिटी, अपने एक्सीरिएंस के अनुसार जिसकों जितना ज्ञान होतहे वह पूरी तैयारी के साथ आता है हर मैम्बर ऑनरेबल मैम्बर है, चाहे किसी को थोड़ा ज्ञान हो चाहे किसी को ज्यादा ज्ञान हो अनुभव के हिसार से आदमी का ज्ञान बढ़ता रहता हैं वह दूसरे सीनियरसदस्यों के अनुभव से भीसीखता रहता है। वह आपसे ओर हाउस की प्रोसीडिंग्स से भी सीखता रहता हैं समय–समय पर आपकी डयरेक्सन्ज भी आती रहती है। हाउस के लीटर ऑफ अपोजी ान से औरसीनियर सदस्यों से भ आदमी सीखने का मौका तला ाता रहता है। हाउस से बढ़िया सीखने का कोई ओर

मौका नही होता। मे कहना चाहता हूं कि इसमें तुरन्त फैसला होना चाहिएं अन्यथा प्र न काल जो कि बहुत ही महत्वपूण्र है जिसमें कि हर सदस्य तरस्ता है कि मेरा प्र न लग जाए। पहली बात तो यह है कि प्र न लगता ही बहुत मु कल से है क्योंकि आपके पास बहुत सारे प्र न आ जाते हैं दूसरी बात यह है कि प्र न रैलिवैट है या बात डिसाइड करानी होती है अगर कोढ एडमिट हो जाता है तो यह डिसाइड करना हेा है कि यह स्टार्ड के लिए एडमिट हुआ या अनस्टार्ड के लिए हुआ है, क्या यह आन्सरेबल हैं या नही है, ये सारी चीजें डिसाइड करनी होती है। हर आमदी यह चाहता है कि असैम्बलजी में डिस्क ान हो। इसी प्रकार से स्टेट मैंटर परभी अलग–अलग तरीके से आदमी चिन्तित होताहै। कोई फिजिकल इन्फ्रास्ट्रक्चर के बारें में ओर कोई सो ाल इन्फ्रास्ट्रक्चर के बारें मं तथा कोई अपने हल्के के बारे में चिन्तित होताहै, कोई जो आज की हैप्निंग हो रही है, उस बरे में या पिछले 6 महीनों में जो हैप्निंग हुई हैं उसके बारें में कहना चाहता है। वे सरकार से पूछना भी चाहते है। ओर सरकार की अकाउंटेबिलिटी भी होती है। MLA is an MLA चाहे वह रूलिंग पार्टी का हो चाहे ओपोजी ान पार्टी हो, उसकस एम.एल.ए. के रूप में भी डयूटी करनी है ओर एम.एल.ए. के रूप में उसका अधिकार है कि वह यहां हाउस में अपनी प्रैजैन्टे ान दे से और आपके माध्यम से सरकार की तरफ से उसे जवाब मांग सके। अध्यक्ष महोदय, मेरा आपसे अनुरोध है कि आजकल डैमोक्रसी का जो सिस्टम चल रहा है, हर जगह यही चल रहाहै। उसे लिए हम

सारे दोशी हैं आज कल पब्लिसिटी किस बात की हो रही है? आजकल ऑब्सट्रक्ान की पब्लिसिटी हो रही है एडजॉर्नमैंट की पब्लिसिटी ही ज्यादा होती है और जो भाोर मचायेगा उसकी पब्लिसिटी हो रही हैं आप बोल रहे है उसकी पब्लिसिंट नही हो पाती यही कारण है कि लोग पब्लिसिटी के एंगल they go to violence they go the violent activites. से कि ये दोनो चीजे वायलैंस ओर वायलें हैल्दी नही है। Sir, it is most unhealth. (Interruption)

Mr. Speaker: Nobody will speak while sitting. Please. (Noise & Interruption)

श्री अभय सिंह चौटाला: अध्यक्ष महोदय, जो अपनी बात कहना चाहता है उसेा आप बैठा देते है और ये कुछ–कुछ बोले जा रहे है। आप इनको किस इ यू पर बुलवा रहे है? (ाोर एवं व्यवधान)

श्री अध्यक्ष: आप लोग बैठिए प्लीज, आपको भी बुलवायेगे। मैने सभी को बुलवाया है। आपकी तरफ से 6 आदमी बोल चुके है। (ाोर एवं व्यवधान)

श्री अ ाोक कुमार अरोड़ा: अध्यक्ष महोदय, आपने यह क्या सिस्टम बना रखा है? (ाोर एवं व्यवधान)

श्री अध्यक्ष: यह एक सीरियस इ यू है। अगर एक सदस्य यह ऐलिगे ान लगा रहा है कि उसकों जातिसूचक भाब्द

कहे गये है, उसको धमकाया गयाहै, उसको बाहर आने के लिए कहा गया है उसकी तरफ कोई डिब्बा उठाकर फेंकने की बात की गइ है या कागज फेंकने की बात कही गई है तो क्या आपकी नजर में यह सीरियस बात नही है? अगर नही हे तो आप जाने। अगर एक बाल्मीकि को जिसने लिखित में ऐलिगे ान लगाये है। (ाोर एवं व्यवधान)

श्री अ ाोक कुमार अरोड़ाः अध्यक्ष महोदय, आप एक कमेटी बनाओं ओर उसमे ंजो भी मुद्दा यहां उठा है, उसमे ंउसकी जांच करवाओ.....(ाोर एवं व्यवधान)

श्री अध्यक्षः जांच भी करवाएंगे। यह एक आम मुद्दा नही है कयोंकि जातिसूचक भाब्द कहा बहुत बड़ा मुद्दा है। (ाोर एवं व्यवधान) क्यायह ठीक है कि दलित को कोई कुछ भी कह दे? (ाोर एवं व्यवधान)

श्री जगदी ा नैय्यरः अध्यक्ष महोदय, जब हामरे बहुजन समाज के खिलाफ बोला गया था आपने क्या कार्यवाही की थी? (ाोर एवं व्यवधान)

श्री आंनद सिंह दांगीः बहुजन समाज के खिलाफ किसने बोल दिया?

श्रीमती भाकुन्तला खटकः अध्यक्ष महोदय, यह सारे ही तो चौटाला है। कुछ समय पहले श्री ओम प्रका ा चौटाला ने यह कहा था कि चौटाला का नमा लिया इसलिए मैं खड़ा हो गया।

मैने तो जो ज्ञ में कह दिया था कि यह तो सारे चौटाला है। लेकिन ओम प्रका ा चौटाला जी ने धमकी दी ओर अभय सिंह चौटाला ने गाली दी। (ाोर एवं व्यवधान) अध्यक्ष महोदय, यह मेरा इस मुद्दे पर व्यक्तिगत स्पश्टीकरण है। (ाोर एवं व्यवधान)

श्री अध्यक्षः अभय जी, अगर आपने ऐसा कहा है तो आप अपने भाब्द वापस लो। जो मुद्दा यहां उठाया गया है मै चाहता हूं कि उसको आपसी बात चीत मैं निपटाया जाए। लेकिन आगर आप नही चहाते है तो इससे सदन कासमय नश्ट होगा। (ाोर एवं व्यवधान)

श्री आनंद सिंह दांगीः अध्यक्ष महोदय, मै आपको पिछले सदन की बाति यद दिलाना चाहता हूं। यह बात हर सै ान में एक रीत सी बन गई हैं पिछले सै ान में भी यह बहुत बड़े मुद्दे के ऊपर बहुत बड़ी कंट्रावर्सी में हमारे माननीय साथी ने दूसरे ढंग से कोई भाब्द बोल दिया था, उसके ऊपर भी इसी तरह से मसरा मामला चला था। आपे माईन ऑन करके यह रिकौडिग सदन में सुनवायी थी। उस रिकॉर्डिग को सुनने के बादउसमें जो वर्डिग आई थी उसके बाद उस माननीय सदस्य को अपोलेासाइज करना पड़ा था। अगर किसी वजह से कोई गलत बात किसी के मुह निकल भी जाती है, किसी के प्रति अप ाब्द निकल भी जाते हैं तो यह सदन पूरे हरियाणा का एक परिवारहै अगर कोई ऐसी बात है तो उसको मान लेना चाहिए। पहले भी जब ऐसी बात कठिनाई बनकर आ गई थी अब अगर किसी के मुंह से कोई भाब्द निकल

भी जाता है। तो उसको रिएलाईज कर लेना चाहिए ताकि इस सदन कासमय नश्ट ना हो। (ाोर एवं व्यवधान)

वाक–आऊट

श्री अध्यक्षः श्री अभय चौटाला, अगर आपने भाबद कहे है तो आप उनको विड ड्रा कर दो। (ाोर एवं व्यवधान)

श्री अभय सिंह चौटालाः अध्यक्ष महोदय, न तो मैने ऐसी बात कही ळै आर न ही मै कुछ कहना चाहता हूं। इसके अलावा मै आपको कुछ बताना चाहता चाहता हूं कि इस हाउस के अन्दर हम बहुत सी बातों को इग्नोर कर देते है। (ाोर एवं व्यवधान) इस बारे में दू जाने की जरूर नही है, अगर साथी अपने ढंग से सही बाताएगा तो स्पीकर सर, मै आपके माध्यम से पंडित नरे ा बादली जी से पूछना कि आज उसने इस हाउस में खड़े होकर यह कहा है कि ''उल्टा चौर कोतवाल को डांटे''। आ इनसे यह पूछिये कि यह कौन सी भाशा है और यह बात जो इसेन कही थी वह किसके लिए उपयोग की थी। इसी तरह से बतरा जी ने भी हमारे एक साथी को भी कहा कि बगवास करने की जरूरन नही है, बद्तमीजी से बोने की जरूरत नही हैं स्पीकर सर, हम तो इनता होने के बावजूद भी इनबातों को इग्नोर कर देत`है और हाउस को चलाने में वि वास करते है लेकिन आप हाउस को चलाने की जगह इन लोगों को छूट दे दते हो कि आपकी जो मर्जी हो बोले जाओ, जो चाहे एलीगे ान लगाए जाओ। (विध्न)

श्री अध्यक्षः नरे ा जी, आप प्लीट बैठिये, अभी अभय जी बोल रहे है पहले उनको कंप्लीट करने दीजिए उसके बाद आपको भी बोलने का मौका जरूर दिया जाऐगा।

श्रीमती अनिता यादवः अभीय जी, लीडर ऑफ अपोजी ज्ञन इस बारें में बोले तो ठीक है लेकिन आप इस बारेम` ंक्यों बोल रहे हो?

श्री अभय सिंह चौटालाः बहन जी, स्पीकरसाहब, ने मुझे बोलने के लिए अलाउ किया है ओर रही बात लीडर ऑफ अपोजी ान के बोलने की तो हमारे मे ंसे ाकौन बोलेगा इसलिए हमें आपसे पूछने की कोई जरूरत नही है। (विध्न) स्पीकर सर, आप भार्मा जी से पूछिए कि इन्होने यह बात कही थी या नही। यह बिना बात का तमा ाा बनाने की कोि ा ा करते है। (विध्न)

डॉ0 अजय सिंह चौटालाः स्पीकर सर, मै इस गरमिामय सदन मे ंकिसी सम्मानित सदस्य से ऐसी बाते नही सुनना चाहता और न आगे से कभी सुनूंगा। इसलिए हम सदन से वॉक आऊट करते है।

(इस समय सदन में उपस्थिति इंडियन नै ानल लोकदल के सभी सदस्य तथा ि ारोमणि अकाली दल एक मात्र सदस्य सदन से वाक–आऊट कर गए)

श्री आनंद सिंह डांगीः स्पीकर सर, तीन घण्टे एक ही मुद्दे पर बर्बाद हो चुके है। (विध्न)

श्री अध्यक्षः आप लोग स्वय तो सदन को चलने नही दे रहे हो और इल्जाम सत्तापक्ष पर लगा रहे हो। (ाोर एवं व्यवधान)

श्री आनंद सिंह दांगीः स्पीकर सर, यह तो सारा दे ा ओर प्रदे ा जनता है कि ये लोग सच्चाई को कभी फेस नही कर सकते। ये मौका ढूंढते है ओर वाकआउट करके सदन से बाहर निकल जाते है जबकि इन लोगों को सच्चाई फेस करने की आव यकता है। (ाोर एवं व्यवधान) माजरा जी, जो बेहुदे भाब्द प्रैस में आपकों नेता ने मेरे बारें में कहे है मै उसे संबंध में आपको बताना चाहता हूं कि आनन्द सिंह दांगी एक बहजुत बड़े करैक्अर का आदमी है। (ाोर एवं व्यवधान) यह तो वही बात हु कि खिसयानी बिल्ली खंबा नीचे । इनके पास कोई मुद्दा तो है नही बेकार मे ंसदनका समय नश्ट कर रहे है। ये लोग कांडा की बात लेकर सदन में बवाल मचाने की कोि ा ा कर रहे है। (ाोर एवं व्यवधान) कांडा ने जो कुछ किया मुख्यमंत्री जी ने.....(ाोर एवं व्यवधान)

श्री भारत भूशण बतराः आप लोगों को ता बात करने की जरा तमीज नही है। अ(ाोर एवं व्यवधान)

श्री आनंद सिंह दांगीः स्पीकर सर, विधान सभा में ऐसे बुजदिल लोग हमने कभी नही देखे। बहस करने की हिम्मत है तो तो.....(ाोर एवं व्यवधान)

Mr. Speaker: Nothing to be recorded.

Sh. Randeep Singh Surjewala: Whether they have walked out? Either they should walk out or sit here san discusss. (Interruption) स्पीकर सर इन लोगो ंको तजुर्बा तो है ही नही है (ाोर एवं व्यवधान)

श्री आनंद सिंह दांगीः स्पीकरसर मुद्दों के ऊपर बहस करने की जरूरत है। प्रदे ज्ञ के हितों के ऊपर बात करने की जरूरत हजैं आज जिस तरह से प्रदे ा चहुंमुखी विकास के रास्ते पर चल रहा हैं उस तरह से तो इनके द्वारा उनको ओर सहयोग देने की जरूरत हैं (विध्न) बेबुनियादी बातों पर इस सदन कार समय बर्बाद करने की कोर्ठ जरूरत नही हे। (ाोर एवं व्यवधान) बार–बार कांडा की बात क्यो उठा रहे हो। कांडा की बात से इनका कोई मतलब नही। जो जैसी करेगा वैसी भरेगा। मुख्य मंत्री जी को जो जिम्मेदारी थी उसको उन्होने निभाया औरउन्होने 48 घण्टे के अन्दर उनका इस्तीफा लेकर मंत्रीमडल से उन्हें बाहर कर दिया सी.बी.आई. और दिल्ली पुलिस उसकी इन्कवायरी करने लग रही है। (ाोर एवं व्यवधान)

श्री भारत भूशण बतराः आप लोग क्या लॉ एण्ड आर्डर की बाित कर रहे हो। ओम प्रका ा चौआला ने तो राठौड़ को भी सम्मान प्रदान किया था। (ाोर एवं व्यवधान) उनका रूचिका कांड में जो रोल था उसकी आप लोग बात क्यो नही करते?

श्री आनदं सिंह दांगीः स्पीकर सर, यदि इन लोगों ने थोड़ी बहुत गरिमा बची है है तेा इनकेा इस्तीफा देकर जनता के बीच में जाकर लोगों से माफी मांगनी चाहिएं इन लोगों ने प्रदे ा को लूटने का काम किया हैं इन लोगों ने तो अपराधियों को आश्रय दिया हैं (ाोर एवं व्यवधान) स्पीकर सर, प्रदे ा में कोई भी अपराध होता है और अगर आप उसकी इन्कवायरी करवाकर देख लें तो आपको स्वयं पता लग जाएगा कि उसमें किन लोगों क`नाम आयेगे? (विध्न) आप सदन छोड के क्यो भाग रहे हो। अगर हिम्मत हौ तो आओं और सच्चाई को फेस करो (ाोर एवं व्यवधान)

श्री अनिल धन्तौड़ीः स्पीकर सर, इस गरिमामय सदन में अपोजी ान के लोगों का जो आचरण है उससे इस सदन की परंपरा और मर्यादा केा गहरा आघात पहुंचता हैं इस तरह का आचरण करके ये लोग हमारी आने वाली पीढ़ी को क्या सीख देगे?

Mr. Speaker: I will constitute an inquiry into the allegation leveled in the application given buy sh. Jaiveer Singh. I will pass an order in this regard.

ध्यानकर्शण प्रस्ताव

मारूति सुजूकी के मानसेरप्लांट में हिसा से संबंधित

Mr. Speaker: I have receive a Calling aTtention Notice from Sh. Anil Vij, MLA regarding violence inManeaer Plan of Maruti Suzuki. I have admitted it.

Sh. Ajay Singh Chautala and three othe MLAs have also given short Duration Discussion Notice No. 1 under Rule 73-A on the similar subject. These Members are also allowed to raise supplementarires.

Sh Sampat Singh M.L.A. has also given calling attention Notice No. 9 on the similar subject. He may also be abllowed to raise supplementary Now. Sh. Anil Vij may read out his Calling a Attention Notice.

श्री अनिज विजः सर, मैने दो नोटिस और दिए थे and I want to know the fate of my those notices. उनका क्या फेट है? सर, मैने एक ऐडजर्नमैंअ मो ान भी दिया था जो श्री गोपाल कांडा से संबंधित है। * * *

श्री अध्यक्षः श्री अनिज विज मारूति प्लांट के मो ान के अलावा जो कुछ कह रहे है। वह रिकार्ड न किया जाए। (Interruption) Vij Sahi, I am telling you that it has bee disallowed because that is a sub-judice matter. You may read out your calling attention motion.

श्री अनिल विजः सर, जो मैटर कोर्ट में पैडिग है उसके बारें में नोटिस ही नही दिया गया हैं मै यह कहना चाहता हूं कि हरियाणा सरकार का इस बारे में * * *

Mr. Speaker: Nothig is to be recorded. It is nothing to dow ith the Calling Attention Motion on Maruti-Suzuki.

Sh. Anil Vij: Speaker: Speaker Sir, * * *]

Mr. Speaker: I have disallowed it.

Sh. Anil Vij: Speaker Sir, * * *

Mr. Speaker: Nothing is to be recorded.

Sh. Anil Vij: Speaker Sir, * * *

Mr. Speaker: I have asked you to read out your Calling Attention Motion regarding Maruti first.

Sh. Anil Vij: Speaker Sir, * * *

Mr. Speaker: Nothing is to be recorded. I have disallowed it. The matter is in the Court. I have disallowed it. It does not pertain to the territory of Haryana. I have disallowed it.

Sh. Anil Vij: Speaker Sir, * * *

Mr. Speaker: Nothing is to to be recroded. You may read out your notice

Sh. Anil Vij; Speaker sir, * * *

श्री अध्यक्ष: अनिल विज जी, कालिंग अटै ान मो ान पढ़ने के अलावा जो कुछ भी बोल रहे है, वह रिकार्ड न किया जाए। विज जी, आप मो ान नही पढ़ना चाहते है तो बैठ जाइए। I have asked you to read out the notice. Do not waste the time of the House, please.

श्री अनिल विजः सर, मेरा एक कालिंग अटै ान मो ान अपना घर रोहतक के बारें में भी है। सर, यह मेरा अधिकार है कि जौ मैने नोटिस आपकी सेवा में दिए है उनके फेट का पता लगाऊ? आपने मेरा नोटिस किस आधार पर रिजैक्ट किया है क्या यह मै जान सकता हूं।

Mr. Speaker: I have allowed you rnotice regarding Mruit. Either you read out or I will ask to resume your seat.

श्री अनिज विंजः स्पीकर सर, * * *

Mr. Speaker; Nothing is to be recorded If you don't want to read this notice on Maruti then you may resume your seat. I am Calling upon you, please sit down. You may sit down, please. I am asking you please sit down.

श्री अनिल विजः स्पीकर सर, (विध्न)

श्री अध्यक्षः मि0 विज, यदि आप मारूति के बारें में अपना कालिंग अटै ानं मो ान पढ़ना चाहत है तो पढ़िये अन्यथा आप किसी भी ऐसे मुद्दे पर मत बोलिए। Please reaf you notice.

श्री अनिल विजः स्पीकर सर, (विध्न)

Mr. Speaker: Please read it. That is also important.

श्री अनिज विजः स्पीकर सर, * * *

Mr. Speaker: Whatever is spoken by Mr. Vij without my permission my not recorded.

श्री अध्यक्षः आप अपना मारूति के बारें में मौ ान पढ़े otherwise, I will ask you to resume your seat. Please speak on your Calling Attention Motion only. You hav moved a Calling Attenton Motion on Maruti. So, Please speak on Maruit Suzuki otherwise, don't speak.

श्री अनिल विजः सर, मै वह मो ान तो पढूंगा पर आप मेरे दूसेर मो ास का फेट भी बताए।

Mr. Speaker: I have disallowed them.

श्री अनिल विजः सर, मै जानना चाहता हूं कि मेरे दो और मो ांज क्यो डिआलाऊ किए है?

Mr. Speaker: I do not have to seek your persmission to disallow it. I have disallowed it.

Sh. Anil Vij: All right Sir, you need not my permission. But Sir, I must know the fate.

Mr. Speaker: I will pass a detailed order on that. Speak on Maruti if you want to speak. Speak on the Calling Attention Motion.

श्री अनिल विजः अध्यक्ष महोदय, मै इस महान सदन का ध्यान एक अत्याव क लोक महत्व के विशय की ओर दिलाना चाहता हूं कि हरियाणा के कैबिनेट मंत्री, कैप्टन अजय सिंह यादव ने एक वक्तत्वय में कहा है कि कहा है जैसा कि 20 अगस्त के

समाचार पत्रों में छपा है कि मारूति में जो बवाल हुआ था वह सुनियोजित साजि ा थी तथा सच जल्दी ही सामने आ जाएगा। मारूति दे ा की सबसे बड़ी कार निर्माता कम्पनी हैं आई.एम.टी. वरिश्ठ अधिकारी की मौत हो गइ तथा लगभक 100 लोग घायल हो एग थें इसे बाद कम्पनी ने 21 जुलाई को मानेसर प्लंट में ताबाबंदी की घोशणा कर दी थी तथा मारूति प्रबंधन ने पांच सौ स्थायी कर्मचारियों को बर्खास्त करने का फैसला लिया हैं मानेसर प्लांट में हर वर्श साढ़े पांच लाख गाड़िया निर्मित की जा रही है। यहां रोजाना लगभग 1600 कारों का उत्पादन होता हैं तालांबदी के कारण मूल्य अनुमान कम्पनी को प्रतिदिन 70 करोड़ रूप्ए का नुकसान हुआ हैं लेकिन ताजा घटनाक्रम से हुए नुकसान की भरपाई करना कम्पनी के लिए काफी महंगा साहिब हो सकता हैं मारूति के मानेसन प्लांट में श्रमिकों के हमले से उद्योग जगत का एन.सी.आर. और हरियाणा में कानून व्यवस्था से भरोसा उठा गयाहैं इससे भारत में निवे ा करने की योजना बनर रही कंपनियों को गलत संदे ा गया है। दे ा की छवि को धक्का पहुंचा हैं परन्तु इतना बड़ा बवाल केवल एक दिन की उपज तो नही हो सकती। प्र न उठता हैं कि श्रमिक अं ाांति का सरकार को समय रहते पता क्यों नही चला। वास्तव में मारूति सुजुकी के मानेसन प्लांट में श्रमिक विवाद नया नही है परन्तु इस समस्या को सुलझाने के लिए श्रम विभाग क्या उपाय कर रहा था। हरियाणा सरकार को इस मामले में तुरन्त हस्तक्षेप करना चाहिए था ताकि राज्य मे ंश्रमिक अ ाांति और असहयोग को रोका जा सकता। जब

पुलिस ने मानेसर मामले में करीब 55 वर्करों को आरोपी बनाया है ओर करीब डेढ़ सौ श्रमिकों को गिरफ्तार किय है तो फिर मारूति प्रबंधन न किस आधार पर पांच सौ स्थायी कर्मचारियों को बर्खास्त करने का फैसला लिया हैं इससे अ ाांति और अधिक बढ़ सकती है। यह श्रम विभाग ओर कम्पनी प्रबंधन के गठजोड़ के कारण वर्करों के भाोशण का मामला हो सकता है। मारूति की घटना को ऐसे प्रसारित किया जा रहा हहै जैसे कि यह केवल श्रमिकों के कारण ही हुआ था। परन्तु जैसा कि कैथ्बनेट मंत्री कैप्टन अजय सिंह यादव ने कहा है कि यह किसी गहरे ाड्यत्र की ओर संकेत करता है। उक्त ाड्यंत्र के पीछे कौन है पता लगना चाहिए। सरकार इतनी बड़ी श्रमिक अ ाांति का पहले से अनुमान क्यो नही लगा सकी। पुलिस की मौजूदगी में प्लांट में तोड़फोड व आगजनी होती रही परन्तु पुलिस इस मामले को मूक द र्ाक की भांति देखती रही? आज तक हरियाणा सरकार ने क्यो नही एक भी पुलिए कर्मचारी व प्र ाासनिक अधिकारी के खिलाफ कोई कार्यवाही की? क्या सरकार प्लांट को किसी अन्य जगह लगवाना चाहती है या यह प्लांट किसी अन्य प्रदे ा में जाना चाहता है। यह आव यक है कि इस घटना की सच्चाई जानता के सामन `आनी चाहिए। यदिउक्त अ ाांति बढ़ती है तो हमारे प्रदे से उद्योग प्लायन कर सकते है। फलस्वरूप हमारे प्रदे ा पर बहुत बुरा असर पड़ेगा इसलिए मै मुख्य मंत्री से निवेदन करता हूं कि वह इस सम्बन्ध में सदन के पटल पर एक वक्तव्य देकर अपनी स्थिति स्पश्ट करें।

वक्तव्य–

उपरोक्त ध्यानाकर्शण प्रस्ताव के संबंध में

Mr. Speaker: Hon'ble Members, now the Minister will give his statement.

Industries Minister (Sh. Randeep Singh Surjewala): Speaker Sir, the incident of violence of 18the July, 2012 at the Maruti Suzuki plant at Manesar (Haryana) was an unfortunate event. It is most regrettable that this violence resulted in the death of an executive of the company and injuries to many others.

The fact about this episode, as they are know at this state, are as follows:-

On 18-07-2012 there was a confrontation between a worker and a supervisor. The management decided to place the worker under suspension. The suspension letter was issued in the afternoon but the worker's union refused to receive it. Instead, they decided to sort out the issue through mutual discussion. The Labour department official discussed the issue separately with factory management at that time nd the worker's union representatives. The Management proposed to revoke the suspension but wanted to give in writing only on next day. The union insisted on revoking the suspension at that time itself. Negotiation continued. Thereafter the situation reached a flashpoint and violence erupted accompanied by arson.

The small contingent of police force available outside the building tired to control the violence. However, in view of the scale of violence, large police reinforcement were rushed form all over Gurgaon Distinct and the Gurgaon Police lines. The Fire Tenders from Fire Department and nearby factories were pressed into service. The fire was brought under control and all sensitive areas such as paint shop and other inflammable spot could be saved. The police personnel rescued 93 injured persons, including management officials and shifted them to different hospital in the city. Nine police personnel were injured. The situation was brought under control by 8-00 p.m.

A case FIR No. 184 dated 18-07-2012 u/s 147/148/149/302/307/436/452/323/332/353/427/114 IPC PS Manesar was registered against the miscreants. To conduct a comprehensive, transparent and expedition's investigations a special Investigation Team under direct supervision of Sh. K.K. Sindhu, IPS Dy. Commissioner of constituted for speedy investigation. Till date 144 accused persons have been arrested, statements of the witnesses have been recorded, expert examination of the place of inference was conducted and relevant material evidence has been saved. the case in under investigation. Every effort is being made to inquire into all the aspects of the incident. The final outcome of the investigation is still awaited.

In order to fortify the sense of security of the industries in IMT, Mansesar adequate police force has also been deployed in all plants belonging to the Maruti Suzuki India Ltd. in Guargaon was well as in Manesar, One battalion

comprising of (600 men) of IRB has bee permanently located in Manesar under a commandant.

It may me mentioned that the Labour Department of the state took crucial steps to improve communication between theworkers and management. It may be noted that there was no dspute or case of unrest of this unit under any labour law pendingwith the Labour Department. As such, there is no question of any collusion between the department and any of the parties in dispute as intimated by the Hon'ble member. As a result of sincere efforts of the state Government the lock out has bee lifted w.e.f. 21-08-2012. There can be no better evidence of the effectiveness of state Government intervention that the fact that the Maruti Suzuki unit, which many observers, including some members of the opposition, were expecting to remain closed for an indefinite period, starting functioning normally from 21-08-201. This clearly show the confidence reposed in the sincerity and efficient action of the Government by all the stakeholders. The factory is back in production and on 22-08-2012, 186 cars were produced. It is learnt that the dismissal of 546 regular workers has been done by the management on disciplinary grounds as per certified standing orders of the unit. It may be mentioned that Suzuki has four operational units in Haryana. The other units have been functioning normally, including one unit which is in the same campus.

The State Government has always taken measures to ensure confidence amongst investors and workers alike. In the instant case also all possible steps have been taken to build confidence amongst all stakeholders though prompt

action in accordance with law. The investor's confidence in the State's industrial climate remains fully intact. It would be incorrect to believe that one unfortunate incident can affect the faith of investors in Haryana and it progressive economic environment. In fact Haryana has of late become an outstanding example of industrial peace. The following table illustrates this well.

Year	No. of registered factores	No. of accidents	No. of strike lock outs	settlements
1991	5737	1411	74	757
1992	5875	1435	32	990
1993	6375	1038	35	849
1994	6707	730	41	994
1995	7001	729	54	1099
1996	7280	408	65	1329

1997	7495	450	61	1468
1998	7812	432	64	1883
1999	8292	429	43	2127
2000	8631	439	54	2544
2001	8804	389	38	2284
2002	8974	245	30	2148
2003	9084	181	19	2128
2004	9122	198	21	1737
2005	9282	272	17	1384
2006	9636	203	19	1989
2007	9954	145	8	2751
200	10102	36	3	2037

8				
2009	10273	31	9	2815
2010	10513	36	11	2064
2011	10580	52	6	2048
2012	10749	26	3	905
upto 31-05-2012				

The foundation of the State's industrial economy are resilient and there is full entrepreneurial faith in the investment climate in the state.

This Government has created and sincerely nourished an excellent industrial environment providing quality infrastructure and facilities which has enabled the leading international and Indian Companies to invest though out the State. Maruti Suzuki itself has expended its investment base first by setting up the Meanesar Plant in 2007 and recently by establishing its Motorcycle production/International Testing Track/R&D, facility in IMT Rohatak with investment of Rs. 3500 crores. In this particular case, Mangaement of Maruit Suzuki Ltd., has expressed full confidence in the Government's response to the incident and emphatically stated that the question of relocation of this unit to any where outside Haryana does not arise. A large number

of projects with huge investments are being implemented in the State affirming the full confidence of leaders of the industrial houses in Haryana. It would be wrong to suggest that on account of one aberration which itself has been addressed with promptness and effectiveness, there is any adverse impact on investor plans in any part of the State.

It is abundantly clear from the above that the allegations made by the Hon'ble member in his Notice are incorrect and without any foundation.

Our Endeavour is to restore mental trust between the workers and management. The Hon'ble Chief Minister has himself met the top management of the company twice. Normalcy has been restored to the industry and state Government is providing full security to the management and to the workers. The Chief Minister has written to the Hon'ble Prime Minister after this incident and had emphasized an I quote that "we should not allow anyone to vitiate the industrial peace in the State the well-being and security of the industrial community in Haryana is our responsibility which we shall dutifully discharge", The Hon'ble Prime Minister has appreciated the state Government's action for restoring normalcy.

Mr. Speaker: Hon'ble Members can ask two supplementary.

श्री अनिल विज: अध्यक्षम ोदय, माननीच मंत्री जी ने काफी डिटेल्ड रिप्लाई दी हें लेकिन कालिंग अटै ान नोटिस में मैने तो प्र न उठाये थे उनसमें मंत्री जी पूरी तरह से कन्नी काट

गय। अध्यख महोदय, मारूति कम्पनी मैं अपने प्रदे ा में पहली बार हड़ताल नही हुई है इससे पहले 33 दिन और 15 दिन की हड़ताल भी हुई थी। वहां लेबर अनरैस्ट बहुत दिनों से चल रहा था। वहां इतनी बड़ी आगजनी हुं जिसमें एक अधिकारी भी मारा गया ओर बहुत से लोग धायल ळाी हुए। यह सारा एक दिन में बिल्ड आपनही हुआ। मै सरकार से जानना चाहता हूं कि इतनी बड़ी घटना हो गई और हमार लेबर विभाग क्या करता रहा? इसके अतिरिक्त हमारे इटैलीजैंस विभाग को पहले से इसकी जानकारी क्यों नही हो पाई? स्पीकर सर, दूसरी बामें कहना चाहता हूं कि.... .....(विध्न)

Mr. Speaker: It is your second supplementary?

श्री अनिल विजः जी सर, ये मरेी दूसरी सप्लीमैट्री है। सर, जैसा कि कैप्टन अजय सिंह यादव जी ने कहाहै कि किसी सोची समझी साजि ा के तह यह सारा काम हुआ है। अध्यक्ष महोदय, यह बात किसी आम आदमी नह नही कही है। यह बात कैप्टन अजय सिंह यादव जी ने कही है जोकि मौजूदा सरकार मं एक कैबिनेट मेंत्री है। मै यह कहना चाहता हूं कि यह भी पता लगाया जाये कि यह सजि ा क्या है और वे कौन लोग है जो इसको बर्बाद करना चाहते है? मैं पुनः यह कहना चाहता हूं कि उस साजि ा का पता अव य लगाया जाऐ क्योंकि यह बेहद जरूरी है।

श्री रणदीप सिंह सुरजेवालाः स्पीकर सर, मेरे काबिल साथी ने दो प्र न पूछे है। सर, मारूति सुजुकी लिमिटिड में हमारी गवर्नमैंट की टैन्यार में इससे पहले केवल दो ही इंसीडैट्स हुए है जो पउसस पहले हुए है पहले मै उनकी चर्चा करूंगा। अध्यक्ष महोदय, मारूति सुजुकी लिमिटिड में अक्तूबर 2000 से जनवरी 2001 तक पिछले दस सालों के दौरान जब माननीय सदस्य की पार्टी के गठबंधन वाली सरकार हरियाण में सत्तारूढ़ थी। उस समय 80 वर्करज को मारूति लिमिटिड ने टर्मीनेट किया थाओर 1100 वर्करज को उस समय वहां पर वॉलंट्री रिटायरमैंट भी दी गई थी। यह स्ट्राईक 03 अक्टूबर, 2000 से 09 जनवरी, 2001 तक लगभग तीन महीनेवहां पर चली जो कि माननीय सदस्य की पार्टी के गठबंधन वाली सरकार के समय की बातह ै। दूसरा इंसीडैंट भारत सीट, गुडगांव में हुआ जो कि मारूति सुजुकी लिमिटिड को एनस्लरी है। वहां पर यह स्ट्राईक फरवरी, 2000 में हुई। वहां परकरीब 800 वर्करज थें वहां पर वॉयलैस भी हुई ओर 54 लोगों को वहा पर टर्मानेट भी किया गया। यह सब मै उस समय की बाम कर रहा हूं जब बी.जे.पी. और इंडियन ने ानल लोकदल की सांझी सरकार हरियाणा में सत्तारूढ़ थी। तब नवम्बन, 2000 से जनवरी, 2001 के बची में इण्डिस्ट्रियल अनरैस्ट मारूति सुजुकी लिमिटिड में हुआ। उस समय कोई लॉक–आऊट नही हुआ, कोई स्ट्राईक भी नही हुई। स्लो डाउन टैकनीक वर्करर्ज समय–समय पर अपनाते है। Here also the workers of Maruti-Suzuki restoed to a slow down. Finally, the issue was sorted

out. सर, अक्तूबर, 2000 में जब उन्होने इस इ यू के बारें में कहा तो उसके बाद this issue was intervened by the Labour Department and the Government of Haryana and the issue was sorted out. Not even one day of strike, not even one day of lock out, not even one worker was terminated. It is just for your kind information. Speaker, Sir. A second strike also tool place. There was a thirteen day's strike form 4th to 17th June, 2011 and then 29th August to 30th September. These strikes were finally resolved by the intervention of Government of Haryana. These tow incidents were resolved. We intervened init. We were proactive. Labout Department was proactive, the Government of Haryana was proactive. On 1st October, 2011, with out intervention, the management and the labour entered into an agreement और जो 18 लोग थे वे सस्पैडिड थे उनको समय पर "Good conduct bond" वापस ले लिया गया है और जो 44 लोग है उनका उलग से निर्णय किया गया है। सर, मै सारी बाते ंमाननीय सदस्य को बड़ी तफसील से बताना चाहता हूं। स्पीकर सर, मै आपके माध्यम से एक बात आपने काबिल दोस्त से कहना चहूंगा कि मुझे मालूम है। ओर वे भी इसके लिए चिंतित है। स्पीकरसर, इस समय इस मैटर को स्पै ाल इंवैस्टीगे ान टीम इंवैस्टीगेट कर रही है। इस समय ऑन दी फ्लोर ऑफ दी हाउस इस इ यू को प्री–जज करना is to prejudice the investigation. All aspects will be looked into including the aspects whether there was a conspiracy or not? It dies seem to be. Prima facie it appears to be. That is why the Hon'ble Minister also said and there is nothing wrong in it. We were also taken aback that there was not flesh point, there was not dispute, there

was nothing happening in factory premises. Our deputy Commissioner and Labour Department were in tough city them on the same day. The police force has been sent there and the Maruti-Suzuki people said that there was not need to enter them in the factory premises and suddenly, something happens. Was it premeditate? was it preconceived? was it part of a conspiracy? Were outside forces being it? was it an act that was spontaneous? Was it on account of some anger between management and worker or was it a premeditated conspiracy tiderip industrial peace in the State of Haryana? These are right questions that come to mylarned friend's mind. These are questions that cam to Hon'ble Chief Minister's mind too. The Special investigation team is looking into all these aspects. This matter was deliberated yesterday in the Parliament also. All that I want to point out is that till special Investigation Team Completes its investigation, it would be unfair on my part and on part of the Government to pre-judice the investigation or to give it a certain colour. We should wait for them to file a proper charge sheet and I sure truth would come out.

बिजली मंत्री (कैप्टन अजय सिंह यादव): अध्यक्ष महोदय, श्री अनिज विज ने मेरा नाम लेकर जो कॉलिग अटैन्शन मो ान दिय है तथा एक सनसनी फलेन की कोि ा ा की है। मारूति गुडगांव बेस्ट इंडस्ट्री है तथा उसके आसपास की बहुत सारी इनस्लीरज थ्झी जो उस पर डिपैंडैंट थी। इस बारें में मेरे कहने का तात्पर्य यह नही था जो विज साहब ने निकला है। इसके बंद होने से गुडगांव के आसपास इलाके में बेकारी हो जाती। इनको

पता होना चाहिए कि गुजरात के मुख्यमत्री ने जापान मे ंजाकर वहां पलर लोगों मिसलीड किया कि मारूति गुडगांव से पलायन कर रही हैं जैसा की रणदीप जी नके कहा है कि it is a matter of investiation मारूति ने जो भर्ती की उसमें हमारे गुडगांव के बहुत कम लोग लिए गये थे। वहां के लोगों को पंचातय हुई तथा उन्होन जो भर्ती हुई थी उस पर भी सवालिया नि ाान लगा दिया था। इसबात को लेकर मैने यह बात कही थी। उकसे ंश्री अनिल विज जी दूसरे सन्दर्भ में लेकर चल रहे है। तो यह उनकी मर्जी है। मै यह भी कहना चाहूंगा कि आज भी कुछ ऐसी यूनियन्स है जो कि कम्यूनिस्ट बेस्ट है और वे चाह रही है। कि यह इंडस्ट्री बंद हो। हमारी सरकार ने अच्छा कमद उठायाहै जिसके कारण यह फैक्ट्री आज दोबारा चलनी भाुरू हो गई है। उन्होनें 500 आदमी बाहर भी निकाले है। विज साहब, आप इस बात को दूसरे ढंग से मत लीजिए। आप अनाव यक ऐसी बात कह कर सनसनीफैलाना चाहता हे। मै फिजिक्ली जवाब दे रहा हू। (ाोर एवं व्यवधान)

श्री अनिल विंजः अध्यक्ष महोदय, अखबार में जो खबर छपी है मै सही बात कर रहा हूं। (ाोर एवं व्यवधान)

Mr. Speaker: Send it to me please. (Interruption)

कैप्टन अजय सिंह यादवः अध्यक्ष महोदय, जो भास्कर में खबर छपी है वह ठीक नही है। मैने प्रैस कांफ्रेंस कही पर की है। और अखबार ने कही से दिखाई हैं इस अखबार में रिवाड़ी से लिखा गया है ओर मैने प्रैंस कांफ्रेंस गुडगांव में की थी। ये

फालतु की बाते है ओर यह हाउस को किसलीड रकते है। (ाोर एवं व्यवधान)

श्री अनिल विजः यह बात आपको डिनाथ करनी चाहिए थी। (ाोर एवं व्यवधान)

कैप्टन अयज सिंह यादवः वह मैने डिनाय की है, उन्होन नही छापी तो न छापे। (ाोर एवं व्यवधान)

श्री अनिल विजः सर, मै स्टैप बाई स्टैप बात रहा हूं। (ाोर एवं व्यवधान)

श्री अध्यक्षः आप इस अखबार की एक कॉपी मुझे दीजिए। (ाोर एवं व्यवधान)

कैप्टन अजय सिंह यादवः अध्यक्ष महोदय, ये अनाव य बाते कह कर हाउस को मिसलीड करते है। यह इनकी पुरानी आदत है। (ाोर एवं व्यवधान)

श्री अनिल विजः अध्यक्ष महोदय, एक मंत्री जी कह रहे है कि साजि ा हुई ह, यह बहुत बड़ी बात है। इसमें लिखा है कि मारूति में जो विवाद हुआ था वह सुनियोजित साजि ा थी। (ाोर एवं व्यवधान)

कैप्टन अजय यादवः अध्यक्ष महोदय, उस बारें में मैने कह दिय है कि उसकी इन्वैस्टीगै ान एस.आई.टी. कर रही है। तो मैने इसमें गलत क्या कह दिया है? (ाोर एवं व्यवधान)

Sh. Anil Vij: In all your paras you were pointing towards the Government. (Interrutpion)

श्री अनिल विजः अध्यक्ष महोदय, इसमें हैडिंग ही यह है कि ''चाटूकारो से घिरे है हुड्डा'' अध्यक्ष महोदय, यह अखबार में नही छाप रहा हूं। ये बातें मेरी नही है, यह सेब अखबार की बातें है। (ाोर एवं व्यवधान)

श्री रणदीप सिंह सुरजेवालाः अध्यक्ष महोदय, मंत्री जी ने सारी बातें बता दी है, ये हाउस को गुमराह कर रहे है। (ाोर एवं व्यवधान)

कैप्टन अजय सिंह यादवः अध्यक्ष महोदय, मैने बाकायदा रोहतक में जो इनकी ब्यूरों चीफ है हेमन्त अत्रीत्र उनको ि ाकायत की। मैने उनको काह कि यह बात मैने नही कही थी, यह उनहोने गलत बात छापी है। मैने इस बात के लिए डिनाय किया है उन्होन नही छाप यह अलग बात है। हाउस में आकर हाउस को मिसलीड करना और सनसनी पैदा करना गलत बात है। औश्र यह विज साहब की पुरानी आदत है। कोई नई बात नही है। (ाोर एवं व्यवधान)

श्री अनिल विजः अध्यक्ष महोदय, मै आखिरी कंस्ट्रक्टिव प्र न पूछनाचाहता हूं। सर, मै यह जानना चाहता हूं कि ऐसा अनरैस्ट दोबारा न हो और भी इंडस्ट्रीज में भी नह हो, कया सरकार ने ऐसा कोई मकैनिज्म इवोल्व किया है जिससे कि इम्पलाईज की जो ग्रिवैसिज है। उनको सही समय और ठीक

तरीके से ऐड्रेस किया जा सकते उनको सोल्व किया जा सके? do we have mechanism in all the industries? मै समझता हूं क अगर उसमें भी होता तो यह इन्सीडैंड किया जा सकता था। (ाोर एवं व्यवधान)

सहकारिता मंत्री (श्री सतपाल): अध्यक्ष महोदय, विज साहब ने अपने कॉलिग अटैन् ान मो ान मे ंपहले ही 8 प्र न पूछ रखे हे। इन्होने पहला प्र न पूछ है कि सरकार इतनी बड़ी श्रमिक अ ाांति को पहले से अनुमान क्यो नही लगा सकी? दूसर प्र न पुलिस की मौजूदगी में प्लांट में तोड़फोड व आगजनी होती रही परन्तु पुलिस इस मामले में मूक द र्ाक की भांति देखती रही? And you asr asking form Sh. Anil Vij to put supplementaries again and again इससे आगे ओर भी प्र न पूछे गए है।(ाोर एवं व्यवधान)

श्री रणदीप सिंह सुरजेवाला: अध्यक्ष महोदय, मेरे काबिल दोस्त को भी और आपकी अनुमति से मुख्यमंत्री जी ओर सरकार की तरफ से पूरे सदन को मै आ वस्त करना चाहूंगा कि हमार लेबर डिपार्टमैंट व लॉ एण्ड ऑर्डर म ाीनरी भी पूरी तरह मुस्तैद है ओर ये उसी का परिणाम है कि एक परमिसिज में दो प्लांअ है। मारूति के एक प्लांट मै इन्सीडैन्ट हुआ और डैमेज भी हुआ हम मानते है, पर दूसरे प्लांट तक वह आग नही पहुंच पाई। मै मेरे काबिल दोस् को बताना चाहूंगा कि मारूति की इस समय तीन मैनुफैक्चरिंग फैसीलिटी हरियाणा में है। एक उनका

ओररिजनल प्लांट है गुडगांव में जहां पर उनहोने 1983 मे श्रीमती इंदिरा गांधी जी के मार्गदर्शन से पहली बार जब मारूति कार आई, वहां पर डनहोने प्रोडक ान भुरू किया था वह पहला प्लांट है मैनुफैक्चरिंग फैसीलिटी का और यह प्लांट इस समय नौ लाख के करीब कार बना रहे हे। वहां कोई इन्सीडैंट नही हुआ। वह प्लांट चलता रहा पूरी प्रोडक ान देता रहा। उनकी दूसरी फैसीलिटी सर, मानेसर मं हैं वहां भी दो प्लांट है। वहां भी एक प्लांट के अन्दर इन्सीडैट हुआ दूसरे प्लांट के अन्दर कोई इन्सीडैट और डैमेज नही हुआ। the way he reached out to both the management and the workers and the way we took prompt action againist those who are guilty मुख्य मंत्री जी की सक्रियाता से कोई हिंसा दूसरे प्लांट में नही हुई। Sir, can anybody pardon the fact that an executive of Maruit who was a friend of labour was burnt alive? Can anybody pardon ever the fact that a management that the entire management irrespective of which states they belong to whether they were shop level supervisors of whether they were top-most managers, were attached and over 96 people were injured? People and rumor-mongers who are saying that Maruti will go out of Haryana are wrong. We have taken action against the guilty and it is on account of that action. Maruit came out not once, not twice, not thrice but half a dozen times and they said that we are going to stay here. We are going to continue to invest. Now, Maruti is setting up a plant in the same facility at Manesar i.e. “C” plant at the cost of Rs. 1700 cores, if I remember the figures.

Sh. Anil Bij: You are not answering my question.

Sh. Randeep Singh Surjewala: Sir, Maruti have also been allocated 700 acres of land in industrial Model township at Rohtak where they are setting up Asia's biggest research and development and track testing facility and they are going to star manufacturing their motorcycles also. 3500 crores of investment has been pledged. Sir, when we came to power in 2005, that is important and you must know Vij Sahib, it is a part of history and it is a part of state's industrial progress and climate, that when we came to power in March, 2005 there was only one old Maruti plant that was set up by Smt. Indira Gandhi Ji in 1983 but all other investments f Maruit has been made 2000 onwards after Ch. Bhupinder Singh Hooda led Indian National Congress Government came to Haryana. They set up plant "A" and "B" in Manesar. They are setting up other "C" plant there. They are setting up the track testing facility in Rohtak. They are setting up a motorcycle plant in IMT Rohtak. As far as industrial atmosphere generation in the state is concerned, I have given data and figures. My learned friend should read my reply, Labour unres incidents have gone down by 300% as compared to when they were in power from 1999 to 2005. I can assure my learned friend that we will not permit anybody to disturb industrial peace and we will protect the interests of the workers.

Mr. Speaker: Hon'ble Minister, Vij Sahib has asked you that do you have any mechanism in place so that in future these incident of this kind not be repeat.

Sh. Randeep Singh Surjewala: Absolutely, Sir, we have a detailed mechanism in place. The Labour Department is proactive.

श्री अध्यक्षः सम्पत सिंह जी, आप क्या कहना चाहते है?

प्रो0 सम्पत सिंहः स्पीकरसर, मंत्री जी की स्टेटमैंट से मै संतुश्ठ हूं। आज सुरजेवाला जी ने हरियाणा में जिसतरह का इंडस्ट्रीयल एटमोसफियर है, वर्तमान सरकार की उद्योग नीति है, बेसिक इंफ्रास्ट्रचर है चाहे वह फिजिकल हो या सो ाल हो, लॉ एंड ऑर्डर तथा अन्य सुविधाएं जो इंडस्ट्रीज को प्रोवाइर्डर की गई है उसकी सारी डिटेल आप के सामने रखी है। मानेसर प्लांट हरियाणा का नही बल्कि पूरे दे ा की प्रीसटिजीयस प्लांट हैं हरियाणा प्रदे ा के हर क्षेत्र की तरककी में चहो वह रवैन्यू का मामला हो, चाहे रोजगार का मामला हो ओर चाहे विकास का मामला हो, इस प्लांट का अति महत्वपूर्ण स्थान है। मानेसर प्लांअ की जो घटना हुई वह एक बेहद दुर्भाग्यपूर्ण घटना है। वास्तव में यह स्पोनैटैनियम ही हुआ। इस तरह की घटना का पहले से कोई अदे ाा भी नही था क्योंकि मानेस प्लांट में कोई लेबर अनरैस्नअी थाओर न ही कोई हड़ताल आदि थी लेकिन इसके बावजूद भ अचानक इस तरह की घटना हुई। सारे दे ा में एक प्र नवाचक चिह्न लगा गया था । उसके बाद जिस तरह से रयूमर मांगरिग चली तथ कुछ लेागों ने अभद्र बयान भ दिए कि मारूति उद्योग हरियाणा प्रदे ा छोड़कर किसी दूसरे प्रदे ा में जा रहा है। ओर बावजूद इसके भी प्रदे ा में इंडस्ट्रीयल पीस को

बहाल रखा गया उसके लिए हरियाणा सरकार बधाई की पात्र है। मै मंत्री जी से यह प्र न पूछना चाहता हूं कि क्या यह प्लांट पूरी प्रोडक न पर आ गया है? नही आया है,, तो कब तक पूरी प्रोडक न पर आ जाऐगा? क्या जितनी रिक्वायरड एम्पलाईमैंट उनको चाहिए थी क्या वह रोल पर आ गई है? नही आई है, तो कब तक रोल पर आ जाऐगी? यह प्लांट हमारी स्टेट की डिवैल्पमैंट के लिए, इकोनोमी के लिए ओर इम्पलाईमैंट के लिए बहुत ही अह्म प्लांट है।

Mr. Speaker: Sampat Ji, Hon'ble Minister has already stated that the plant already is inproduction.

प्रो0 सम्पत सिंहः स्पीकर सर, मै 100 प्रति त प्रोडक न के बारे में पूछ रहा हूं।

Mr. Speaker: It will take som time. It is for the management to answer.

प्रो0 सम्पत सिंहः स्पीकर सर, मैयह मानता हूं कि प्रोडक न भुरू हो चुही है इसमें कोई भाक नही है। Sir, there is no doubt that the production has started. मै तो मंत्री जी से केवल यह पूछना चाहता हूं कि क्यायह प्रोडक न 100 प्रति त प्रोडक ज्ञन पर आ गई है?

Mr. Speaker: Sampat Ji, It is for the magaement to tell otherwise it's production. They are happy with it.

Prof. Sampat Singh: Speaker Sir, state is very much concern कि यह प्रोडक ान लैवल किस प्रति ात पर आ चुका है मै मंत्री जी से केवल यही बात पूछना चाहता हूं and I am sure he will tell.

Mr. Speaker: Mr. Minister, have you any information when they will have 100% production.

Sh. Randeep Singh Surjewala: Speaker Sir, as I have pointed out already in my reply that on 22nd August they produced 186 Cars. We are also in touch will mangement. They have issued a statement though the Media and Press also that they are going to increase it every day and very soon they will reach the same level as the previous years. Although they have not defined a date but I am sure that over next fortnight to a month they will be able to restore complete normaley and restore the same level of production.

वाक–आऊट

श्री अनिल विजः स्पीकर सर, आपने हमारे कॉलिग अटैं ान मो ान और एडजर्नमैंअ मो ान डिस अलाऊ कर दिए है इसके विरोध में हम सदन से वाक आऊट करतै है।

(इस समय सदन में उपस्थित भारतीय जनता पार्टी के सभी सदस्य और हरियाणा जनहित कांग्रेस पार्टी की एक मात्र सदस्या सदन से वाक आउट कर गये।)

घोशणाएं–

(क) अध्यक्ष महोदय द्वारस

(i) चेयरपर्सन्ज के नामों की सूची

Mr. Speaker: Hon'ble Members under Rule 13(1) of the Rules of procedure and conduct of Business in the Haryana Legislative Assembly, I nominate the following Members to serve on the Panel of Chairpersons:—

1. Sh. Sampat Singh, MLA

2. Sh. Anand Singh Dangi, MLA

3. Sh. Ram Pal Majra, MLA

4. Smt. Kavita Jain, MLA

(ii) अनुपस्थिति के संबंध में सूचना

Mr. Speaker: Hon'ble Members, I have received an intimation from Sardar Harmohinder Singh Chattha, Finace Minister, Haryana in which he has expressed his inability to attend the sitting of the House on 24the August, 2012 due to his illness.

Mr. Speaker: Hon'ble Members, I have received an intimation from Km> Sharda Rathor, Chief Parliamentary Secretary, Home, Haryana in which she has expressed her inability to attend the current Session of Haryana Vidhan Sabha, as she is on foreign visit to United Kingdom to attend social ceremony in the family.

Mr. Speaker: Hon'ble Members, I have received an intimation form Smt. Savitri Jindal, MLA in which she has

expressed her inability to attend the Haryana Vidhan Sabha Session on 24th August, 2012 due to some urgent personal work.

(ख) सचिव द्वारा

Mr. Speaker: Hon'ble Members, now the Secretary will make an annoucement.

सचिवः महोदय, मै उन विधेयकों को द र्ाने वाला विवरा जो हरियाणा विधान सभा मे अपने फरवरी, मार्च, 2012 मे हुए सत्र में पारित्र किए थे तथा जिन पर राज्यपाल महोदय ने अनुमति दे दी है, सादन सदन की मेज पर रखता हूंः—

FEBRUARY—MARCH SESSION, 2012

1	The Punjab Labour Welfare fund (Haryana Amendment) Bill, 2012
2	The Maharshi Dayanand University (Amendment) Bill, 2012
3	Bhagat Phool Singh Mahila Vishwavidyalaya Khanpur Kalan (Amendment) Bill, 2012
4	The Kurukshetar Viniversity (Amendment) Bill, 2012
5	Chaudhary Devi Lal University Haryana Bill, 2012
6	The National Law University (Amendment) Bill, 2012
7	The Punjab Village Common Lands (Regulaton) Amendment

	Bill, 2012
8	The Haryana Panchayati Raj (Amendment) Bill, 2012
9	Teh Haryana Appropiration (No, 1) Bill, 2012
10	The Haryan Approriation (No. 2) Bill, 2012
11	The Haryan Registration and Regulation of Societes Bill, 2012
12	The Haryana Private Universiteis (Amendment) Bill, 2012
13	The Haryana Rural Development (Amendment) Bill, 2012
14	The Haryana Murrah Buffalos and other Milch Animal Brrd (Preservation and Development of Animla Husbandry an Diary Development Sector Amendment Bill, 2012)
15	The Haryana Private Health Sciences Educational Institution (Regulation) of Admission, Fixation of Fee and Maintenace of Educational Stadndards) Bill, 2012
16	The Haryana ?Development and regulation of Urban Areas (Amendment and validation) Bill, 2012

कार्य सलाहकार समिति की पहली रिपोर्ट

Mr. Speaker: Hon'ble Members, now I report the time table of various business fixed by the Business Adivsory Committee.

"The committee met at 11-30 on Friday, the 24th Augusht, 2012 in the Chamber of th Hon'ble speaker.

The Committee recommends that unless the speaker otherwise directos. The Assembly whilst in Session, shall meet on Friday the 24th August, 2012 at 2.00 P.M. and adjour after conclusio of Business entered in the List of Business for the day.

On Monday, the 27th August, 2012 the Assembly shall meet at 10.00 a.m. adn adjourn after the conclusion of the Business enered in the List of Business for the day.

On Thuesday, the 28th August, 2012 the Assembly shll meet at 10.00 a.m. and adjourn after the conclusion of theBusiness entered in the List of Business for the day.

The Committee, after soem discussion, further recommends that the Business on the 24th, 27th and 28th August, 2012 be transacted by the Sabha as follow:-

Friday, the 24th August, 2012 (2.00 p.m.)	1. Obituary References.
2	Restion Hour
3-	Presentaion and adoption of First Report of the Business Advisory Committee.
4.	Papers to be laid/re-laid on the Table of the House
5.	Presentation of Four Preliminary Reports of teh Committee of Priviliger and extention of time for presentation of the final reports

	thereon.
6.	Presentation of preliminary Report of committee of the House to examine the Irregularities Committed by Trusts/Societies of family members of Sh. Om Parkash Chautala, MLA and extention of time for presentation of the final reports thereon.
Saturday, the 25th August, 2012	Holdiday
Sunday, the 26th August, 2012	Holiday
Monday, the 27th, August, 2012	1-Question Hour.
2-	(i) Presentaton of supplementry Estimates (First Instalment for the Year 2012-13 and the report of the Estimates Committee thereon.
(ii)	Discussion and Voting on supplementary Estimates (First Instalment for the year 2012-13
3-	Legislative Business.
Thuesday, the	

28th, August. 2012 (10.00) A.M.)	
1-	Question Hour
2-	Motion under Rule-15 regarding non-stop siting.
3-	Motion under Rule – 16 regarding ajournment of the Sabha sine-die.
4-	Papers to be laid, if any.
5-	Presentation of Report of the Assembly Committee.
6-	The Haryana Appropriation, Bill, 2012 in respect os supplementary Estimates (Firs Instalment) for the year 2012-13
7-	Legislative Business.
8-	Any other Business.

Mr. Speaker: Now, the Pariamentary Affairs Minister will move that this House agrees withthe recommendations contained in theFirst Report of the Business Advisory Committee.

Health Minister (Rao Narender Singh): Sir, I beg to move—

That this House agrtee with the recommendations contained in the First Report of the Business Advisory Committee.

Mr. Speaker: Motion moved—

That this House agrtee with the recommendations contained in the First Report of the Business Advisory Committee.

Mr. Speaker: Question is—

That this House agrtee with the recommendations contained in the First Report of the Business Advisory Committee.

The motion was carried

सदन की मेज पर रखे गए कागज–पत्र

Mr. Speaker: Now the Health Minister will lay papers on the Table of the House.

Health Minister (Rao Narender Singh): Sir, I beg to lay on the Table of the House:-

The Haryana Prohibition of Reaggining in Educatinal Institution Ordiance, 2012 (Haryana Ordinace No, 3 of 2012)

The Pubjab Scheduled Roads and Controlled Areas Restriction of Unregulated Development (Haryana Amendment) Ordinace, 2012.

The Punjab New Capital (Periphery) Control (Haryana Amendment Ordinance, 2012 (Haryana Ordinace No. 5 of 2012).

Teh Personnel Department Notification No. G.S.R.7 Const./Art. 320/2012, dated the 30theMarch, 2012 regarding amendment in Haryana Public Service Commission (Limitation of Functions) Regulation, 1973, as required under Article 320(5) of the constitution of Inida.

The Mines and Geology Department Notification No. S.S. 45/C.A.67/1957/S.15/2012 dated the 20th June, 2012 regarding the Haryana Minor MineralConcession, stocking, Transportationof Minerals and Prevention of Illegal Mining Rules, 2012 as required under section 28(3) of the Mines and Minerals (Development nd Regulation) Act. 1957.

The Audit Report and Annual Accounts of Haryana State Agricultural Marketing Board, Panchkula for the year 2009-2012, as required under section 19-A (3) of the Comptrolleer and Audition Generl's (Dutes, Power an conditions of service) Act, 1971

The 36th Annual report of Haryana Land Reclamation and Development Corrporation Limited Panchkula for the Year 2009-2010 as required under section 619-A (3) (b) of the Companies Act, 1956.

The Annual Report of Chaudhary Charan Singh Haryana Agricultural University Hisar for the year 2009-2010, as required under section 39 (3) of the Haryana and Punjab Agricultural Universiteis Act, 1970.

The Annual Report of Haryana Police Housing Corporation Limited for the year 2010-2010 as required under section 619-A (3) (b) of the Companies Act, 1956.

The 44th Annual Report of the Haryana State Industrial and Infrastrucure Development corportation Limited for teh year 2010-2011, as required under section 619-A (3) (b) of the Companes Act 1956.

The 44th Annual Report & Accounts of the Haryana Agro Industrial corporation Limited Panchkula for the year 2010-2011, as required under section 619-A (3) (b) of the Companes Act 1956.

The Annual Report 2011-12 (01.04.2011 to 31.03.2012) of Lokayukta. Haryana, as required under section 17 (4) of the Haryana Lokayukta Act, 2002.

वि ोशाधिकार मामले के संबंध में वि ोशाधिकार समिति का प्रारंम्भिक प्रतिवेदन प्रस्तुत करना तथा अन्तिम प्रतिवेदन प्रस्तुत करने क लिए समय बढ़ाना।

(i) श्री ओम प्रका ा चौटाला, एम.एल.ए. के विरूद्ध

Mr. Speaker: Now, Dr. Raghubir Singh Kadian, M.L.A. Chairperson, Committee of Privileges, will present the Fifth Preliminary Report of the committee or Privileges, with regard to the question of alleged breach of privilege given notice of by Sh. Kudeep Sharm, MLA (now Hon'ble Speaker) against Sh. Om Parkash Chautala, M.L.A who made false statement on the floor of the House on 11th Mach, 2010 regarding imposing VAT on Salt which was made with fully,

deliberately and knowingly by Sh. Om Parkash Chutala,, M.L.A. there by misleading the House and amounting to committing the contempt of the House/breach of privilege by him and will also move that the time for the presentation of the final Report to the House be extended up to the first sitting of the next Session.

Chairperson, Committee of Privileges (Dr. Raghuvir Singh Kandian): Sir, I beg to present the Fifth Preliminary Report of the Committee of Privileges with regard to the question of alleged breach of privilege given notice of by Sh. Kuldeep Sharma, MLA who made false statement on the floor of the House on 11th Mach, 2010 regarding imposing VAT on Salt which was made willfully, deliberately and knowingly by Sh. Om Parkash Chautala, M.L.A thereby misleading the House amounting to committing the contempt of the House/breach of privilege by him.

Sir, I also be to move—

That the time for the presentation of the final Report to the House be extended up to the first sitting of the next Session.

Mr. Speaker: Motion moved—

That the time for the presentation of the final Report to the House be extended up to the first sitting of the next Session.

Mr. Speaker: Question is—

That the time for the presentation of the final Report to the House be extended up to the first sitting of the next Session.

The motion was carried.

(ii) श्री ओम प्रका ा चौटाला, एम.एल.ए. के विरूद्ध

Mr. Speaker: Now, Dr. Raghubir Singh Kadian, M.L.A. Chairperson, Committee of Privileges, will present the Fifth Preliminary Report of the committee or Privileges, with regard to the question of alleged breach of privilege given notice of by Sh. Bharat Bhushan Batra, MLA against Sh. Om Parkash Chautala, M.L.A who made false statement on the floor of the House on 11th Mach, 2010 willfully, deliberately and knowingly stating that the Haryana Urban Development Authority had not acquired a single acre of land since coming into power of the Congress Government from March, 2005 till date. He has also stated that not even a single sector of Hudda has been floated during this period, whereas the Parliamentary Affairs Minister, Sh. Randeep SinghSurjewala has pointed out the correct factual position but Sh. Om Parkash Chautal again asserted that neither even a single Sector of HUDA was floated nor a single acre of land was acquired by HUDA from March, 2005 till date. By doing so Sh. Om Parkash Chautala has tried to mislead the House willfully, knowingly and deliberately which amounts to contempt of the House/breach of Privilege committed by him on the floor of the House. Thus, the matter of making false statement by Sh. Om Parkash Chautala on the floor of the House on 11th March, 2010, involves the question of breach of privilege/contempt of

the House and will also move that the time for the presentation of the final report to the House be extended up to the first sitting of the next Session.

Chairperson, Committee of Privileges (Dr. Raghuvir SinghKadian): Sir, I beg to present the Fifth Preliminary Report of the Committee of Privileges with regard to the question of alleged breach of privilege given notice of by Sh. Bharat Bhushan Batra, MLA against Sh. Om ParkashChutala, MLA who made false, misleading and incorrect statement on the floor of the House on 11th March, 2010 willfully, deliberately and knowingly stating that the Haryana Urban Development Authority had not acquired a single acre of land since coming into power of the Congress Government from March, 2005 till date. He has also stated that not even a single sector of Hudda has been floated during this period, whereas the Parliamentary Affairs Minister, Sh. Randeep SinghSurjewala has pointed out the correct factual position but Sh. Om Parkash Chautal again asserted that neither even a single Sector of HUDA was floated nor a single acre of land was acquired by HUDA from March, 2005 till date. By doing so Sh. Om Parkash Chautala has tried to mislead the House willfully, knowingly and deliberately which amounts to contempt of the House/breach of Privilege committed by him on the floor of the House. Thus, the matter of making false statement by Sh. Om Parkash Chautala on the floor of the House on 11th March, 2010, involves the question of breach of privilege/contempt of the House.

Sir, I also beg to move—

That the time for the presentation of the final Report to the House be extended up to the first sitting of the next Session.

Mr. Speaker: Motion moved—

That the time for the presentation of the final Report to the House be extended up to the first sitting of the next Session.

Mr. Speaker: Question is—

That the time for the presentation of the final Report to the House be extended up to the first sitting of the next Session.

The motion was carried.

(iii) श्री ओम प्रका ा चौटाला, एम.एल.ए. के विरूद्ध

Mr. Speaker: Now, Dr. Raghubir Singh Kadian, M.L.A. Chairperson, Committee of Privileges, will present the Fifth Preliminary Report of the committee or Privileges, with regard to the question of alleged breach of privilege given notice of by Sh. Aftab Ahmed, MLA against Sh. Om Parkash Chautala, M.L.A who made categorically incorrect and misleading statement on the floor of the House on 11the March, 2010 stating the Reliance Company has been given 1500 acres of Government land at a cost of Rs. 370 crore in garb of giving employment, particularly when HSIIDC has acquired this land for welfare of the people. He further state that a fout acres chunk of land out of this acquired land has been auctioned for Rs. 290 crore. He consequently alleged loss

to the exchequer and fraud on account hereof. He further stated that land of farmers was acquired in the name of "SEZ" and they were told that they will be given bonus/annuity of Rs. 10,000/- per acre per year. He further stated that even a rupee has not been paid till date to any farmer by way of such bonus/annuity. Whereas teh above statement of Sh. Om Parkash Chautala is factually and absolutely incorrect Sh. Om Parkash Chautala is factually and absolutely incorrect Sh. Om Parkash Chautala has made a false misleading and incorrect statement in the House on both the afore-stated subjects. Sh. Om Prakash Chautala on the floor of the House on 11th March, 2010, involves the question of breach of privilege/contempt of the House and will also move that time for the presentation of the final Report to the House be extended up to the first sitting of the next Session.

Chairperson Committee of Privileges (Dr. Raghuvir Singh Kadian): Sir, I beg to present the Fifth Preliminary Report of the Committee of Privileges with regard to the questio of alleged breach of privilege given notic of by Sh. Aftab Ahmed, MLA against Sh. Om Parkash Chautala, M.L.A who made categorically incorrect and misleading statement on the floor of the House on 11the March, 2010 stating the Reliance Company has been given 1500 acres of Government land at a cost of Rs. 370 crore in garb of giving employment, particularly when HSIIDC has acquired this land for welfare of the people. He further state that a fout acres chunk of land out of this acquired land has been auctioned for Rs. 290 crore. He consequently alleged loss to the exchequer and fraud on account hereof. He further stated that land of farmers was acquired in the name of "SEZ" and they were told

that they will be given bonus/annuity of Rs. 10,000/- per acre per year. He further stated that even a rupee has not been paid till date to any farmer by way of such bonus/annuity. Whereas teh above statement of Sh. Om Parkash Chautala is factually and absolutely incorrect Sh. Om Parkash Chautala is factually and absolutely incorrect Sh. Om Parkash Chautala has made a false misleading and incorrect statement in the House on both the afore-stated subjects. Sh. Om Prakash Chautala on the floor of the House on 11th March, 2010, involves the question of breach of privilege/contempt of the House.

Sir, I also beg to move—

That the time for the presentation of the final Report to the House be extended up to the first sitting of the next Session.

Mr. Speaker: Motion moved—

That the time for the presentation of the final Report to the House be extended up to the first sitting of the next Session.

Mr. Speaker: Question is—

That the time for the presentation of the final Report to the House be extended up to the first sitting of the next Session.

The motion was carried.

(iv) श्री ओम प्रका ा चौटाला, एम.एल.ए. के विरूद्ध

Mr. Speaker: Hon'ble Members, Now, Dr. Raghubir Singh Kadian, M.L.A. Chairperson, Committee of Privileges, will present the Fouth Preliminary Report of the committee or Privileges, with regard to the question of to the qeustion of alleged breach of privilege given notice of Sh.Kuldeep Sharm, MLA, (ow Hon'ble Speaker) againist Sh. Om Parkash Chautala, MLA who made false misleading and incorrect statement on the floor of teh House on 6th September, 2010 stating that a news was being televised by some News Channels that in the car of Sh. Gopal Knada, Minister of state for Home, Haryana a gril has been kidnapped and three men raped her. He further stated that Sh. Gopal Kanda himself was drving the car and this car owas owned by Sh. Gopal Kanda himsefl was driving the car and this car was ownned bySh. Gopal Kanda. He also stated the number of car as HR-70-L-0009. He further stated that the girl was kidnapped from Delhi and was reped in Gurgaon. Therefore, the Government should resign. Whereas, the above statement of Sh. Om Parkash Chautala is factually and absolutely incorrect. Sh. Om Parkash Chautala made a false, misleading and incorrect statement in the House. He made this statement willfully, deliberately and knowingly to mislead this august House. This constitures a mater of clearl breach of privilage of the House. Thus the matter of making false sttement by Sh. Om Parkash Chautala on the floor of teh House on 6th September, 2010, involves the question of breach of privilege/contenmpt of the House and will also move that the time for the presentaton of the final Report to the house be extended up to the first sitting of the next Session.

Chairperson, Committee of Privileges (Dr. Raghuvir Singh Kadian): Sir, I beg to present the Fourt

PreliminaryReport of the Committee of Privileges with regard tothe questionof alleged breach of privilage given notice of by Sh Kuldeep Sharma, MLA, (ow Hon'ble Speaker) againist Sh. Om Parkash Chautala, MLA who made false misleading and incorrect statement on the floor of teh House on 6th September, 2010 stating that a news was being televised by some News Channels that in the car of Sh. Gopal Knada, Minister of state for Home, Haryana a gril has been kidnapped and three men raped her. He further stated that Sh. Gopal Kanda himself was drving the car and this car owas owned by Sh. Gopal Kanda himsefl was driving the car and this car was ownned bySh. Gopal Kanda. He also stated the number of car as HR-70-L-0009. He further stated that the girl was kidnapped from Delhi and was reped in Gurgaon. Therefore, the Government should resign. Whereas, the above statement of Sh. Om Parkash Chautala is factually and absolutely incorrect. Sh. Om Parkash Chautala made a false, misleading and incorrect statement in the House. He made this statement willfully, deliberately and knowingly to mislead this august House. This constitures a mater of clearl breach of privilage of the House. Thus the matter of making false sttement by Sh. Om Parkash Chautala on the floor of teh House on 6th September, 2010, involves the question of breach of privilege/contenmpt of the House.

Sir, I also beg to move—

That the time for the presentation of the final Report to the House be extended up to the first sitting of the next Session.

Mr. Speaker: Motion moved—

That the time for the presentation of the final Report to the House be extended up to the first sitting of the next Session.

Mr. Speaker: Question is—

That the time for the presentation of the final Report to the House be extended up to the first sitting of the next Session.

The motion was carried.

श्री ओम प्रका ा चौटाला, एम.एल.ए के परिवारों के सदस्यों के न्यासो/सोसाइटियों द्वारा की गई अनियमितताओं की जांच करने के लिए सदन की समिति का प्रारंभिक प्रतिवेदन प्रस्तुत करना तथा अन्तिम प्रतिवेदन प्रस्तुत करने के लिए समय बढ़ाना

Mr. Speaker: Now, Sh. Bharat Bhushan Batra, Chairperson, Committee of the House to examine the Irregularities Committed by Trusts/Societies of family members of Sh. Om Parkash Chautala, MLA, will present thePreliminary Report of Committee of the House to examine the Irregularities Committed by Trust/Societies of family members of Sh. Om Parkash Chuatala, MLA and will also move that the time for the presentation of the final Report to the House be extended up to the last sitting of the next Session.

Chairperson, Committee of the House to examine the Irregularities Committed Trusts/Societies of family membes of Sh. Om Parkash Chautala, MLA (Sh. Bharat Bhushan Batra): Sir, I beg to present the Preliminary Report

of Committee by Trusts/Societies of family members of Sh. Om Parkash Chautala, MLA.

Sir, I also beg to move—

That the time for the presentation of the final Report to the House be extended up to the first sitting of the next Session.

Mr. Speaker: Motion moved—

That the time for the presentation of the final Report to the House be extended up to the first sitting of the next Session.

Mr. Speaker: Question is—

That the time for the presentation of the final Report to the House be extended up to the first sitting of the next Session.

The motion was carried.

Mr. Speaker: Now the House is adourned till 2.00 P.M. on Monday, the 27th August, 2012

17.50 hrs.

(The Sabha then adjourned till 2.00 P.M. on Monday, the 27th August, 2012.)